THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

राहुल गांधी अचानक दिल्ली पहुंचे

अहमदाबाद, 10 मार्च (एजेंसियां)। राहुल गांधी रविवार को भारत जोड़ो न्याय यात्रा छोड़कर अचानक दिल्ली रवाना हो गए। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची के मंथन के लिए वह दिल्ली गए हैं। कांग्रेस के 39 कैंडिडेट की पहली सूची 8 मार्च को आई थी। गुजरात में राहुल की यात्रा का आखिरी दिन था। उन्हें बारडोली से सोनगढ़ जाना था, लेकिन वहां का कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। अब आगे की यात्रा मंगलवार को महाराष्ट्र के नंदूरबार से शुरू होगी। गुजरात में यात्रा का आज चौथा दिन था। यात्रा सुबह सूरत के मांडवी से बारडोली पहुंची थी।

वर्ष-28 अंक : 353 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **फाल्गुन शु. 1 2080 सोमवार, 11 मार्च-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

आजमगढ़ में पीएम बोले

मोदी दूसरी मिट्टी का बना है

चुनाव में नेता पत्थर लगाकर गायब हो जाते थे मैं तेज दौड़ रहा, देश को दौड़ा रहा

वाराणसी/आजमगढ़, 10 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज यूपी में दूसरा दिन है। रविवार को आजमगढ़ से पीएम मोदी ने देशभर के 15 एयरपोर्ट का उद्घाटन किया।

इस दौरान पीएम ने कहा, मैं दूसरी मिट्टी का बना हूं, क्योंकि पहले चुनाव के मौसम में नेता पत्थर लगा देते थे। फिर पत्थर भी गायब और नेता भी गायब हो जाते थे।

उन्होंने कहा कि मैं 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने के लिए तेज गति से दौड़ रहा हूं और देश को तेज गति से दौड़ा रहा हूं। 2024 में किए जा रहे शिलान्यासों को कोई चुनावी चश्मे से न देखे। क्योंकि 2019 में हमने जो शिलान्यास किए थे, उनके उद्घाटन हो चुके हैं।

आजमगढ़ में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री को स्मृति चिह्न दिया। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ पहले अपराध और माफियाओं का गढ़ था। मगर 10 साल में आजमगढ़ की पहचान बदल गई। इससे पहले सुबह वाराणसी में पीएम ने बीएलडब्ल्यू गेस्ट हाउस में 100 से ज्यादा भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की थी।

शनिवार देर शाम पीएम काशी पहुंचे थे। यहां उन्होंने बाबतपुर एयरपोर्ट से करीब 30 किमी का रोड शो किया। काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह में बाबा का 30 मिनट तक पूजन किया। इसके बाद मंदिर से बाहर आकर पीएम ने त्रिशूल उठाया और हर-हर महादेव का जयघोष किया।

टीएमसी ने 42 लोकसभा कैंडिडेट्स की घोषणा की

क्रिकेटर यूसुफ पठान, शत्रुघ्न सिन्हा और कीर्ति आजाद, महुआ मोइत्रा के नाम, नुसरत जहां-मिमी चक्रवर्ती का टिकट कटा

कोलकाता, 10 मार्च (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने रविवार को पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों पर अपने कैंडिडेट्स की घोषणा कर दी। पार्टी ने बहरामपुर सीट से कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी के खिलाफ क्रिकेटर यूसुफ पठान को उतारा है।

इसके अलावा आसनसोल से अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा और दुर्गापुर से पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद का नाम शामिल है। टीएमसी ने बशीरहाट लोकसभा सीट से एक्ट्रेस नुसरत जहां और जादवपुर सीट से एक्ट्रेस मिमी चक्रवर्ती का टिकट काट दिया है। टीएमसी ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिए 16 मौजूदा सांसदों को टिकट दिया है। इनमें 12 महिलाएं भी शामिल हैं। इसके अलावा बंगाली फिल्म इंडस्ट्रीज के दो बड़े चेहरे रचना बनर्जी को हुगली और दीपक अधिकारी देव को घाटल से टिकट दिया है।

भाजपा से वापस आए अर्जुन सिंह का टिकट कटा, मंच छोड़कर गए : बैरकपुर से लोकसभा का टिकट नहीं मिलने पर टीएमसी नेता अर्जुन सिंह बीच में ही ममता का मंच छोड़ कर चले गए। 2019 के लोकसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद अर्जुन ने भाजपा का दामन थाम लिया था। टीएमसी के दिग्गज नेता दिनेश त्रिवेदी ने इन्हें बैरकरपुर सीट से हराया था।

हालांकि, 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले त्रिवेदी भी भाजपा में शामिल हो गए थे, जिसके बाद यहां तृणमूल के पास कोई बड़ा चेहरा नहीं बचा था। इसके बाद अर्जुन सिंह 22 मई 2022 को भाजपा छोड़कर वापस टीएमसी में आ गए। कयास लगाए जा रहे थे कि उन्हें बैरकपुर से टिकट मिलेगा, लेकिन उनकी जगह पार्थ भौमिक को टिकट दे दिया गया।

महुआ की सांसदी गई, टीएमसी ने फिर टिकट दिया : कृष्णानगर लोकसभा सीट से टीएमसी ने एक बार फिर महुआ मोइत्रा को मैदान में उतारा है। 2019 में यहीं से महुआ जीती थीं। 8 दिसंबर 2023 को कैश-फॉर-क्वेरी मामले में उनकी लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई। महुआ को पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में दोषी पाया गया।

एथिक्स कमेटी ने लोकसभा में 500 पेज की रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें महुआ की सदस्यता रद्द करने की सिफारिश थी।

ईसी की नियुक्ति के लिए 15 मार्च को मीटिंग

पीएम की अध्यक्षता में पैनल मेंबर शामिल होंगे, अरुण गोयल के इस्तीफे के बाद दो पद खाली

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग में इस समय दो चुनाव आयुक्तों के पद खाली है। इन्हें भरे जाने को लेकर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाले पैनल की 15 मार्च को शाम 6 बजे बैठक होगी। नियम के मुताबिक चुनाव आयोग में एक मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के अलावा दो चुनाव आयुक्त होते हैं।

एक चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे फरवरी में रिटायर हो गए थे। दूसरे अरुण गोयल ने 9 मार्च को अचानक इस्तीफा दे दिया। लिहाजा 3 सदस्यीय चुनाव आयोग में इस वक्त सिर्फ सीईसी राजीव कुमार ही हैं।

अरुण गोयल मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) बनने की कतार में थे, क्योंकि मौजूदा सीईसी राजीव कुमार फरवरी 2025 में रिटायर होने वाले हैं। गोयल ने 21 नवंबर 2022 को चुनाव आयुक्त का पद संभाला था। उनका कार्यकाल 5 दिसंबर 2027 तक था। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, गोयल और सीईसी राजीव कुमार के बीच फाइल पर मतभेद है।

हरियाणा में बीजेपी को झटका

भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए ब्रिजेंद्र सिंह

हिसार, 10 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। यहां हिसार से बीजेपी के लोकसभा सांसद ब्रिजेंद्र सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उन्होंने एक पोस्ट भी किया। अपनी पोस्ट में ब्रिजेंद्र सिंह ने भाजपा से इस्तीफा देने का ऐलान किया। वहीं भाजपा से इस्तीफा देने के बाद ब्रिजेंद्र सिंह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने खरगे से मुलाकात की। मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद ब्रिजेंद्र सिंह ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। वहीं ब्रिजेंद्र सिंह का कांग्रेस में शामिल होना भाजपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

इस्तीफा देने के बाद एक्स पर दी जानकारी

भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा देने के बाद ब्रिजेंद्र सिंह ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा कि 'मैंने बाध्यकारी राजनीतिक कारणों से भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। मैं पार्टी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पीएम मोदी और अमित शाह का आभार व्यक्त करता हूं। मुझे हिसार के संसद सदस्य के रूप में सेवा करने का अवसर देने के लिए सभी का आभार।' बता दें कि ब्रिजेंद्र सिंह पूर्व मंत्री बीरेंद्र सिंह के बेटे हैं। 2019 के चुनाव में उन्होंने भाजपा के टिकट से चुनाव लड़ा और जीत भी हासिल की।

खरगे से मुलाकात कर कांग्रेस में शामिल

वहीं इस्तीफा देने के बाद ब्रिजेंद्र सिंह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने खरगे से मुलाकात की।

इसके बाद वह कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस में शामिल होने के बाद ब्रिजेंद्र सिंह ने कहा कि मैं आज भाजपा से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल हो रहा हूं, मैं मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी व पार्टी के अन्य नेताओं का धन्यवाद करता हूं। कुछ राजनीतिक कारण काफी समय से बन रहे थे, जिसमें असहजता एक अहम विषय है। इसमें मुख्यतः विचार के मामलों में मेरी सहमति पार्टी (भाजपा) से नहीं थी जिस कारण मैंने यह निर्णय लिया है।

लोकसभा चुनाव से पहले 101 साल पुराने श्री राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

बेलगावी, 10 मार्च (एजेंसियां)। जिले के निप्पनी शहर में चिंताजनक खबरें सामने आईं। कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने 101 साल पुराने प्रतिष्ठित श्री राम मंदिर को विस्फोट से उड़ाने की धमकी दी। मंदिर प्रबंधन को 7 और 28 फरवरी को अशुभ पत्र मिले, जिसमें 20-21 मार्च तक ऐतिहासिक मंदिर को निशाना बनाकर एक आसन्न विस्फोट की चेतावनी दी गई थी। जबकि दूसरा परेशान करने वाला संदेश मंदिर के समीपवर्ती हनुमान मंदिर के अंदर पाया गया था। धमकियों के जवाब में, कड़े सुरक्षा उपायों को तेजी से लागू किया गया, जिसमें 14 सीसीटीवी कैमरे की स्थापना और मंदिर के पास एक जिला सशस्त्र रिजर्व प्लाटून की तैनाती शामिल थी।

हरक सिंह की करीबी लक्ष्मी राणा ने छोड़ी कांग्रेस

ईडी की कार्रवाई पर पार्टी ने नहीं दिया साथ

देहरादून, 10 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस की प्रदेश महासचिव व रुद्रप्रयाग की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी राणा ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। कहा, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच की कार्रवाई में कांग्रेस ने उनका साथ नहीं दिया। लक्ष्मी पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ। हरक सिंह रावत की करीबी मानी जाती हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को भेजे त्यागपत्र में लक्ष्मी ने कहा, वह 27 साल से ज्यादा समय से पार्टी से जुड़ी रही हैं। 1998 में उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस की प्रदेश महामंत्री रहीं।

1997 से 2001 तक कांग्रेस पार्टी से ब्लॉक प्रमुख जखोली रहीं। 2002 से 2007 तक उपभोक्ता फोरम की सदस्य राज्यमंत्री के तौर पर सेवाएं दीं। 2014 से 2019 तक कांग्रेस पार्टी से जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रप्रयाग रहीं। 2017 में रुद्रप्रयाग विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रही तो 2018 से लगातार प्रदेश महामंत्री पद पर सेवाएं दे रही हैं। कहा, पिछले दिनों राजनीतिक द्वेष के चलते ईडी कार्रवाई हुई थी।

मैं जानती हूं कि ये कानूनी प्रक्रिया है, लेकिन पार्टी की तरफ से मेरे खिलाफ हुई इस कार्रवाई में न तो कोई प्रतिक्रिया आई और न ही किसी ने मुझे इस दुख की घड़ी में ढांढस बंधाया। कहा, जिस पार्टी के लिए मैंने हजारों महिलाओं, युवाओं को दिन-रात मेहनत करके जोड़ने का प्रयास किया, लेकिन किसी ने भी इस संकट की घड़ी में मेरा साथ नहीं दिया। उन्होंने लिखा, जिस कांग्रेस पार्टी के लिए मैंने अपना जीवन खपाया, उसमें रहने का अब कोई औचित्य नहीं है, इसलिए दुखी मन से सदस्यता से त्यागपत्र दिया है।

छोटा भीम ने दर्रहा के साथ किया प्यार का इजहार

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

उमरिया, 10 मार्च (एजेंसियां)। उमरिया जिले में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अब बाघो के कुनबे को बढ़ाने के लिए खुद छोटा भीम आगे आया है। छोटा भीम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह जंगल में दर्रहा के साथ प्यार का इजहार करते हुए नजर आ रहा है। यह वीडियो पर्यटकों द्वारा बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। हालांकि, यह वीडियो कब का है इसकी जानकारी स्पष्ट नहीं हो पाई है। इससे पहले बाघों के इंटिमेट होने की वीडियो अभी तक किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल नहीं की थी। लेकिन, इस वीडियो के सामने आने के बाद पर्यटकों के अंदर भी उत्साह बढ़ गया है और वे बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र की ओर रुख कर रहे हैं।

आप को झटका! एक्ट्रेस संभावना सेठ ने पार्टी से किया किनारा

बोलीं- 'बड़ी गलती हो गई'

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा है। दरअसल एक्ट्रेस संभावना सेठ ने आम आदमी पार्टी छोड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसका ऐलान किया है। हालांकि संभावना सेठ ने आम आदमी पार्टी छोड़ने की कोई वजह नहीं बताई है, लेकिन उन्होंने कहा है कि वह भी इंसान हैं और उनसे बड़ी गलती हो गई। इसका उन्हें एहसास हो रहा है। इस वजह से वह अंततः पार्टी छोड़ रही हैं। बता दें कि संभावना सेठ ने पिछले ही साल आम आदमी पार्टी की सदस्यता ली थी।

संभावना सेठ ने एक्स पर किया पोस्ट

आम आदमी पार्टी को छोड़ने की

घोषणा करते हुए एक्ट्रेस संभावना सेठ ने एक्स पर एक पोस्ट किया। अपनी पोस्ट में संभावना सेठ ने लिखा कि आम आदमी पार्टी में शामिल हुए मुझे एक साल हो गए। एक साल पहले अपने देश की सेवा करने के लिए बहुत उत्साह था, लेकिन चाहे आप कितनी भी समझदारी से निर्णय लें, आप भी गलत हो सकते हैं क्योंकि अंततः हम इंसान हैं। अपनी गलती का एहसास करते हुए मैं आधिकारिक तौर पर आप से बाहर निकलने की घोषणा करती हूं। इसके साथ ही उन्होंने एक्स पर दिल्ली के सीएम 'अरविंद केजरीवाल' और 'डॉ। संदीप पाठक' को टैग भी किया है।

लोकसभा चुनाव के लिए आप तैयार

बता दें कि लोकसभा चुनाव में ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। ऐसे में कभी भी चुनाव आयोग के द्वारा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया जा सकता है। आम आदमी पार्टी इस बार इंडिया गठबंधन के साथ चुनाव लड़ रही है। दिल्ली में जहां आप 4 सीटों पर चुनाव लड़ रही है तो वहीं हरियाणा में भी एक सीट पर आप ने प्रत्याशी के नाम का ऐलान कर दिया है। इस बीच संभावना सेठ ने आम आदमी पार्टी छोड़ने की घोषणा कर दी है। वहीं आम आदमी पार्टी का कहना है कि पार्टी पूरी मजबूती के साथ आगामी लोकसभा चुनाव में उतर रही है।

शाहजहां शेख को 4 दिन की सीबीआई हिरासत

बशीरहाट कोर्ट ने सुनाया फैसला; ईडी अधिकारियों पर हमले का है मामला

कोलकाता। पूर्व टीएमसी नेता शाहजहां शेख को बशीरहाट सब-डिविजनल कोर्ट ने आज (10 मार्च) 4 दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर कोलकाता पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने शाहजहां शेख की हिरासत सीबीआई को सौंप दी थी। सीआईडी को अवमानना नोटिस जारी करते हुए उच्च न्यायालय ने बुधवार को फैसला सुनाया कि ईडी अधिकारियों पर हमले से संबंधित मामला मुख्य आरोपी शाहजहां की हिरासत के साथ सीबीआई को सौंप दिया जाए। हाईकोर्ट ने आगे कहा था, आरोपी एक राजनीतिक प्रभावशाली व्यक्ति है। जांच सीबीआई को सौंप दी जानी चाहिए। तकरीबन दो महीने तक फरार रहने के बाद शाहजहां शेख को 29 फरवरी को गिरफ्तार किया गया। कथित राशन घोटाले के सिलसिले में उनके संदेशखाली आवास पर छापेमारी करने गई ईडी टीम पर हमले के अलावा, शाहजहां पर अपने गुर्गों के साथ जमीन हड़पने, जबरन वसूली और महिलाओं पर ज्यादती करने का भी आरोप है।

श्मशान घाट में चिता पर जादू-टोना करते पकड़े गए 2 तांत्रिक, मामला दर्ज

गुना, 10 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के गुना जिले में एक श्मशान घाट में जलती चिता के पास जादू टोना करने के आरोप में पुलिस ने दो तांत्रिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने शनिवार (9 मार्च) को बताया कि जिस व्यक्ति का शव चिता पर था, उसके भाई और दोस्तों ने शुक्रवार (8 मार्च) रात दोनों तांत्रिकों को पकड़ लिया जबकि उनका एक साथी मौके से भागने में सफल रहा। पुलिस ने तांत्रिक के खिलाफ कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। पकड़े गए तांत्रिक का नाम अविनाश नाथ और दिलीप नाथ बताया जा रहा है। गुना शहर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) श्वेता गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि अश्विनी केवट नाम के 29 वर्षीय व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी,

अरुण गोयल के इस्तीफे पर कपिल सिब्बल हैरान

बोले- लोकतंत्र का ढांचा यूं गिर जाए तो रहेगा क्या?

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से ठीक पहले चुनाव आयुक्त अरुण गोयल के इस्तीफे ने सभी को हैरान कर दिया है। कांग्रेस के पूर्व नेता और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल भी गोयल के इस्तीफे से हैरान हैं। सिब्बल का कहना है कि उन्हें ये तो नहीं मालूम है कि अरुण गोयल ने आखिर किस वजह से इस्तीफा दिया है, लेकिन कोई बड़ी वजह जरूर होगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का ढांचा इस तरह से गिर जाए तो रहेगा क्या? कपिल सिब्बल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अरुण गोयल का इस्तीफा देना मायने रखता है। लोकतंत्र का ढांचा इस तरह से गिर जाए तो रहेगा क्या? मुझे कारण नहीं पता कि क्यों उन्होंने रिजाइन किया, लेकिन कोई बड़ा कारण जरूर होगा। मुझे लगता है कि पश्चिम बंगाल को लेकर ये इस्तीफा दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह मकान की नींव होती है, वैसे ही संविधान लोकतंत्र की नींव है। इनका (सरकार) का प्रयास है कि ये लोग न्यायपालिका में आ जाएं।

लोकतंत्र के तीन स्तंभों को कमजोर करने की कोशिश: कपिल सिब्बल

राज्यसभा सांसद ने कहा कि चुनाव आयोग बीते 10 सालों का रिकॉर्ड देखें तो लगता है जो सरकार कहती हैं, वो वही करते आया है। कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका लोकतंत्र के तीन स्तंभ हैं, लेकिन इन सभी को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि पहले के चुनाव आयुक्त को आजादी दी जाती थी। आज चुनाव की तारीख, कितने चरणों में वोटिंग होगी जैसे फैसले सरकार तय कर रही है।

'अपनी पंसद का चुनाव आयुक्त रखना चाहती है सरकार'

सिब्बल ने चुनाव आयुक्त की नियुक्त को लेकर बनाए गए नए कानून पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि 5 जजों का फैसला था कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति होनी चाहिए और इसे तय करने में चीफ जस्टिस की भी भूमिका हो। लेकिन इन्होंने ऐसा नहीं होने दिया। सिब्बल ने कहा कि सरकार चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर नया कानून ही लेकर आ गई। सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त अपनी पसंद का रखना चाहती है, आगे क्या करेंगे, अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है।

अभिनेत्री शहनाज गिल के पिता को पाक से धमकी

कहा- 50 लाख दो, वरना सुधीर सूरी जैसा हाल करेंगे

अमृतसर, 10 मार्च (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री शहनाज गिल के पिता संतोख सिंह से 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई है। पैसे न देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई है। संतोख सिंह को शनिवार को एक पाकिस्तानी नंबर से धमकी भरा फोन आया। फोन करने वाले ने अपने आप को पाकिस्तानी नागरिक बताया और 50 लाख रुपये की मांग की। कॉलर ने कहा कि हमें आपके बारे में सारी जानकारी है, क्या करते हो।। और कहां रहते हो। तुम्हारी बेटी ने काफी पैसे कमा लिए हैं। तुम भी माइनिंग मामले में टांग अड़ा रहे हो, जो ठीक नही है। अच्छा यही है कि तुम 50 लाख रुपये दे दो। नहीं तो तुम्हारा हाल भी शिवसेना नेता सुधीर सूरी जैसा ही होगा। उल्लेखनीय है कि शिवसेना (टकसाली) के नेता सुधीर सूरी की पांच नवंबर 2022 को अमृतसर में धरने के दौरान दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। थाना ब्यास के प्रभारी गुरिंदर सिंह ने कहा कि अभी तक उनके पास शिकायत नहीं आई है। शिकायत आती है तो वह जांच करेंगे। उन्होंने बताया कि संतोख सिंह को पहले ही सुरक्षा दी गई है। शहनाज गिल के पिता संतोख सिंह सुख ने 24 दिसंबर 2021 को भाजपा का दामन थामा था। भाजपा में आने से पहले संतोख सिंह विधानसभा और लोकसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। 2022 में भी संतोख सिंह को अज्ञात मोबाइल नंबर से जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। फोन करने वाले आरोपी ने उन्हें दिवाली से पहले हत्या करने की धमकी दी थी। इससे पहले 2021 में ही बाइक सवार दो युवकों ने उनकी कार पर फायरिंग की थी। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार युवकों पर केस दर्ज किया था।

महाविकास अघाड़ी में कुछ सीटों पर हो गया बंटवारा, किस पार्टी ने किसे बनाया उम्मीदवार

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है। ऐसे में सभी राजनैतिक दल अपने-अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करने में लगी हुई हैं। इस बीच शनिवार को शिवसेना यूबीटी गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। अधेरी में पार्टी के एक कार्यक्रम में उद्धव ठाकरे ने अमोल कीर्तिकर को पार्टी की तरफ से उम्मीदवार घोषित किया। कांग्रेस की तरफ से संजय निरुपम लगातार इस सीट पर दावा कर रहे थे। लेकिन महाविकास अघाड़ी में सीट बंटवारे के तय होने के बाद उद्धव ठाकरे ने अमोल कीर्तिकर के नाम की घोषणा की है।

एमवीए में सीटों का हुआ बंटवारा

एमवीए में सीट शेयरिंग की घोषणा से पहले गठबंधन के घटक दल अपनी-अपनी पार्टी की तरफ से कुछ सीटों पर अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर रहे थे। सहयोगी पार्टियों पर इसके लिए दबाव भी बनाने का प्रयास किया गया। बता दें कि एमवीए के घटक दलों में शिवसेना यूबीटी, कांग्रेस और एनसीपी शरदचंद्र पवार पार्टी शामिल है। सीट शेयरिंग तय होने के बाद शिवसेना यूबीटी, कांग्रेस और एनसीपी शरद पवार की पार्टी ने कुछ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। शिवसेना ने मुंबई उत्तर पश्चिम सीट से अमोल कीर्तिकर को अपना उम्मीदवार बनाया है।

इन उम्मीदवारों की लिस्ट आई सामने

शिवसेना यूबीटी ने दक्षिण मुंबई सीट से अरविंद सावंत, अकोला से प्रकाश अंबेडकर को अपना उम्मीदवार बनाया है जो वीबीए पार्टी से ताल्लुक रखते हैं। वहीं शरद पवार की पार्टी ने बारामती से सुप्रिया सुले, शिरूर सीट से अमोल कोल्हे को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं कांग्रेस ने सोलापुर से परिणीति शिंदे, हिंगोली से प्रगना साटव और चंद्रपुर सीट से प्रतिभा धनोरकर को अपना उम्मीदवार बनाया है। बता दें कि काफी समय से महाराष्ट्र में सीट बंटवारे को लेकर प्रयास और बातचीत का दौर जारी था। इस बीच कुछ सीटों पर बंटवारा तय हो गया है और उम्मीदवारों के नाम की घोषणा हो चुकी है।

दिल्ली-एनसीआर में फिर होगी बारिश

यूपी और बिहार के भी मौसम में बदलाव

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में मार्च के पहले सप्ताह में बारिश देखने को मिली। इसके बाद से लगातार कई दिनों तक मौसम में गिरावट दर्ज की गई। पहाड़ों पर अब भी बर्फबारी जारी है। इस कारण अब भी दिल्ली-एनसीआर में मौसम सुहाना बना हुआ है। दिन और रात के वक्त जहां दिल्ली-एनसीआर में ठंड का एहसास हो रहा है। वहीं दोपहर के वक्त तेज धूप निकल रही है। बता दें कि राजधानी दिल्ली में 13 मार्च की रात एक बार फिर हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं अगर रविवार के मौसम की बात करें तो आज भी हवां में नमी रहेगी, दिन के वक्त और रात के वक्त तापमान में गिरावट होगी और दोपहर के वक्त तेज धूप निकलेगी। 11 और 12 मार्च को इस सीजन में पहली बार तापमान 30 डिग्री के स्तर तक पहुंचने की संभावना है।

यूपी में कैसा रहेगा मौसम

उत्तर प्रदेश का मौसम भी दिल्ली कुछ खास अलग नहीं है। हालांकि अब यूपी के मौसम में बदलाव होने लगा है। ठंड उत्तर भारत के अधिकांश इलाकों में कम हो गई है। बता दें कि शुरुआती दिनों में ओलावृष्टि और बारिश के कारण यूपी में एक बार फिर तापमान में गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि अब मौसम में बदलाव आ चुका है। हालांकि जानकारों की माने तो यूपी के पश्चिमी इलाकों में 11 से 14 मार्च और मैदानी इलाकों में 13 मार्च को फिर से बारिश की संभावना है।

हालांकि इस बारिश के बाद ठंड का असर देखने को नहीं मिलेगा। दरअसल पश्चिमी विक्षोभ के कारण 12 मार्च से उत्तर पश्चिम भारत के राज्यों में बारिश देखने को मिलेगी।

बिहार का मौसम

वहीं अगर बिहार के मौसम की बात करें तो यहां मौसम में हर दिन कुछ न कुछ बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग ने यहां 5 दिनों के लिए अलर्ट जारी कर दिया है।

इसके तहत 13 मार्च तक तेज और ठंडी हवाएं चलेंगी। इस कारण लोगों को सर्दी का एहसास होगा और स्वास्थ्य खराब होने की संभावना है। बता दें कि फिलहाल उत्तर भारत के अधिकांश राज्यों में मौसम एक सा बना हुआ है। यहां सुबह और रात के वक्त जहां हल्की ठंड का एहसास हो रहा है। वहीं दोपहर के वक्त तेज धूप निकल रही है जो लोगों को परेशान भी कर रही है।

कलेक्टर का नायक अंदाज, रात में ग्रामीणों की चौपाल लगाकर समस्या सुनी

इंदौर, 10 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर में कलेक्टर आशीष सिंह अधिकारियों के दल के साथ इंदौर जिले के देपालपुर तहसील के ग्राम चितौड़ा पहुंचे। यहां उन्होंने रात्रिकालिन ग्राम चौपाल लगाई। ग्रामीणों से रूबरू होकर उनकी समस्याओं को जाना तथा उनका मौके पर ही निराकरण किया। कलेक्टर सिंह ने ग्रामीणों से चर्चा कर शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों की मैदानी हकीकत भी पता की। ग्रामीणों को अनेक सौगातें भी दीं। ग्रामीणों ने कलेक्टर का स्वागत उन्नत जैविक फसल के गुलदस्ते भेंट कर किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के उपाध्यक्ष भारत पटेल, देपालपुर के अनुविभागीय अधिकारी रवि वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर आशीष सिंह आज रात्रि देपालपुर तहसील के ग्राम चित्तौड़ा पहुंचे। यहां पहुंचकर ग्रामीणों के बीच बैठकर ग्रामीणों से रूबरू हुए। ग्रामीणों से चर्चा की, उनकी समस्याएं पूछी। ग्रामीणों से चर्चा कर उन्होंने शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के बारे में मैदानी हकीकत को भी जाना। उनकी समस्याओं को जाना तथा हाथों-हाथ निराकरण किया। इस अवसर पर किसानों ने बताया कि, गांव में अधिक बारिश से फसलों को नुकसान हुआ है।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को बम से उड़ाने की धमकी, जांच एजेंसियों को गुरपतवंत सिंह पन्नू पर शक

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई के कई बड़े अधिकारियों को बीते दिनों अज्ञात शख्स की तरफ से ईमेल भेजा गया था। इस ईमेल में अधिकारियों को धमकी दी गई थी कि हाईली सेंसिटिव स्थानों पर धमाका किया जाएगा। सूत्रों की मानें तो इस धमकी भरे मेल में आरोपी ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी की बीएसई पर 12 मार्च को धमाका करने का जिक्र किया था। बता दें कि 12 मार्च के दिन सील 1993 में ही मुंबई में कई सीरियल बम धमाके हुए थे। उसी दिन बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में भी बम धमाका किया गया था। एक अधिकारी की मानें तो कुछ महीने पहले खालिस्तानी मूवमेंट का प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कई लोगों को रिकॉर्डेड वॉइस कॉल कराया था। इस वॉइस कॉल में पन्नू ने कहा, 'मैं सिख फॉर जस्टिस का जनरल काउंसिल हूं। आप लोग इंडिया स्टॉक मार्केट से अपने पैसे निकाल लो और उन पैसों को यूके और यूएस के मार्केट में निवेश करो। इससे इंडियन स्टॉक मार्केट जो भारत की रीढ़ की हड्डी है उसे कमजोर कर सकते हैं।' सूत्रों का कहना हा कि पन्नू ने आगे कहा कि 12 मार्च तक भारतीय मार्केट की कमर तोड़ सकते हैं। बता दें कि जांच एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही थीं कि पिछले सप्ताह एक अज्ञात शख्स का ईमेल कई बड़े आईपीएस अधिकारियों को भेजा गया।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती पर कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण का पीएम मोदी पर हमला

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने बीजेपी की केंद्र सराकर पर जोरदार हमला बोला है। कांग्रेस नेता ने पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कटौती करने पर कहा कि 'लोकसभा चुनाव से पहले सिलेंडर का दाम कम करना एक चुनावी हथकंडा है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 100 रुपये की कटौती की घोषणा की थी। पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने आगे कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान एलपीजी सिलेंडर की कीमत 400 रुपये थी, जो बढ़कर अब 1000 रुपये और उससे अधिक हो गई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

जीवन में प्रयास सदैव कीजिए लक्ष्य मिले या अनुभव, दोनों ही अमूल्य हैं।

किशन रेड्डी ने सौंपी 8 उम्मीदवारों की सूची

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष किशन रेड्डी के नेतृत्व में राज्य के 8 एमपी उम्मीदवारों की सूची सौंप दी है। किशन रेड्डी ने शनिवार रात बीजेपी के शीर्ष नेता अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा से चर्चा की और 8 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची अमित शाह को दी। हाल ही में बीजेपी ने 9 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान किया है। सोमवार या मंगलवार को उम्मीदवारों के नाम का ऐलान संभव है। इस बीच कल बीजेपी केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी। दिल्ली का दौरा पूरा करने के बाद किशन रेड्डी हैदराबाद के लिए रवाना हो गए।

तेलंगाना में बीजेपी का ऑपरेशन आकर्ष

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने तेलंगाना की नौ सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है और अन्य जगहों पर मजबूत उम्मीदवारों की तलाश जारी है। इसी क्रम में ऑपरेशन आकर्ष शुरू किया गया है और विपक्षी बीआरएस नेताओं पर कीचड़ उछाला जा रहा है। वे उस पार्टी के प्रमुख नेताओं को अपने पाले में करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में शुक्रवार को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किशन रेड्डी महबूबाबाद के पूर्व सांसद और वरिष्ठ बीआरएस नेता सीताराम नाइक के घर गए थे। हाल ही में, बीआरएस महबूबाबाद संसदीय बैठक की तैयारी बैठक में पार्टी नेता केसीआर ने घोषणा की कि मौजूदा सांसद मलोथ कविता को टिकट मिलेगा। इसके साथ ही अब तक क्षेत्र में सक्रिय रहे सीताराम नाइक अचानक खामोश हो गये। काकतीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सीताराम नाइक ने 2014 के लोकसभा चुनाव में तत्कालीन केंद्रीय मंत्री बलराम नाइक को हराया था। लेकिन जैसा कि केसीआर ने पिछले चुनाव में कहा था, वह मुकाबले से दूर रहे। वहीं, महबूबाबाद की पूर्व विधायक रेड्या नाइक की बेटी कविता मालोथ को बीआरएस का टिकट दिया गया है। इस बार टिकट मिलने की उम्मीद लगाए बैठे सीताराम नाइक को इस घोषणा से काफी निराशा हुई।

बीएसपी–बीआरएस गठबंधन फाइनल : प्रवीण कुमार

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आरएस प्रवीण कुमार ने रविवार को सोशल मीडिया पर घोषणा की कि बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमारी मायावती ने तेलंगाना में बसपा और बीआरएस पार्टी के बीच गठबंधन के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। यह घोषणा की गई कि दोनों दल राज्य में आगामी संसदीय चुनाव एक साथ लड़ेंगे। उन्होंने कहा, बहनजी मायावती ने हाल ही में राज्य में बीआरएस–बीआरएस पार्टी गठबंधन की बातचीत को लेकर चल रही दुविधा को खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान ने राज्य में बीएसपी को बीआरएस पार्टी के साथ संसदीय चुनाव लड़ने की अनुमति दे दी है। उन्होंने कहा कि बसपा–बीआरएस गठबंधन द्वारा लड़ी जाने वाली एमपी सीटों पर संयुक्त घोषणा जल्द ही की जाएगी। उन्होंने कहा, पार्टी के राज्यसभा सांसद और केंद्रीय समन्वयक रामजी गौतम, बहनजी एक दूत के रूप में बीआरएस पार्टी प्रमुख केसीआर की उपस्थिति में अगले दौर की वार्ता में शामिल होंगे, उन्होंने कहा, दोनों के बीच सीट–बंटवारे और साझा भविष्य की रणनीति जल्द ही मीडिया के सामने संयुक्त रूप से पार्टियों की घोषणा की जाएगी और पार्टी कार्यकर्ताओं तथा लोगों से अपील की जाएगी कि वे बसपा–बीआरएस गठबंधन के बारे में मीडिया में फैलाई जा रही निराधार खबरों, अफवाहों और गलत सूचनाओं पर विश्वास न करें।

17 मार्च से पहले चुनावी वादों को पूरा करने की मांग

कामारेड्डी, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने रविवार को कांग्रेस सरकार द्वारा 17 मार्च को समाप्त होने वाली 100 दिन की समय सीमा के भीतर वादा की गई छह गारंटियों को लागू करने की मांग की। यदि समय सीमा से पहले वादे पूरे नहीं किए गए, तो बीआरएस एक अभियान शुरू करेगा।

रविवार को कामारेड्डी में बीआरएस लोकसभा की तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए, रामा राव ने राज्य सरकार से चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले यासंगी धान की फसल के लिए 500 रुपये प्रति क्विंटल के बोनस की घोषणा करने को कहा। उन्होंने सरकार से 2 लाख रुपये तक के अपने वादे के अनुरूप फसल ऋण माफी तुरंत शुरू करने और सिंचाई के पानी की कमी के कारण अपनी फसलें खराब होने से जूझ रहे किसानों को 10,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने की भी मांग की। छह गारंटियों को लागू करने में देरी के कारण लोग पहले से ही कांग्रेस शासन के खिलाफ हो रहे हैं। अगर तय समय में वादे पूरे नहीं किए गए तो कांग्रेस को जल्द ही इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि तेलंगाना गठन के बाद पहली बार, पानी की कमी के कारण फसलें सूख रही थीं और जिन क्षेत्रों में भूजल का स्तर अच्छा था, वहां किसानों को अपनी फसलों को पानी देने के लिए देर रात में अपने खेतों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। मेदिगड्डा बैराज के मरम्मत कार्य में अत्यधिक देरी पर उन्होंने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सत्ता में रहने के तीन महीने में भी तीन घाटों की मरम्मत कराने में सक्षम नहीं हैं। रेवंत रेड्डी पर झूठी खबरें फैलाने और बीआरएस के खिलाफ लोगों के बीच आशंकाएं पैदा करने का आरोप लगाते हुए रामाराव ने कहा कि मुख्यमंत्री पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव का जिक्र किए बिना एक दिन भी नहीं रह पाते। एक ईमानदार धोखेबाज होने के लिए रेवंत रेड्डी की सराहना की जानी चाहिए क्योंकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि वह लोगों को बेवकूफ बना रहे थे क्योंकि वे बेवकूफ बनने के लिए तैयार थे। वादे पूरे करने के बजाय, वह ध्यान भटकाने वाली रणनीति और झूठे प्रचार से लोगों को धोखा देने में व्यस्त हैं। पूर्व मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी, पूर्व सरकारी सचेतक गम्पा गोवर्धन और अन्य वरिष्ठ बीआरएस नेताओं ने भी लोगों को संबोधित किया।

अग्रवाल समाज एसआर नगर शाखा की बैठक

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना एस आर नगर शाखा की कार्यकारिणी बैठक अध्यक्ष हेमचंद गुप्ता के कार्यालय पर हुई। बैठक में 25 मार्च को बी के गुड़ा में होली मिलन कार्यक्रम करने का निर्णय लिया गया। जुलाई के आखिरी सप्ताह सावन सैर के अंतर्गत अयोध्या, प्रयागराज तथा काशी यात्रा का निर्णय लिया गया। सभा में राकेश अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, रविंद्र खेतान, ईश्वर बंसल, मनोज अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, योगेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

कोदंडराम ने बीआरएस नेताओं को कालेश्वरम परियोजना पर बहस की चुनौती दी

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीजेएस पार्टी के संस्थापक–अध्यक्ष कोदंडराम ने कालेश्वरम पर झूठ बोलने के लिए बीआरएस पार्टी के नेताओं को चुनौती दी है और उनसे पूछा है कि क्या वे सीएजी द्वारा बताए गए तथ्यों पर खुली बहस के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह जानने के बाद भी कि कालेश्वरम परियोजना से कोई फायदा नहीं होगा, गलत निर्णय लेने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की आलोचना की।

रविवार को यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने वाले हनुमंत राव ने भी कहा था कि केसीआर ने अपना फैसला नहीं बदला है, भले ही वह कालेश्वरम परियोजना का निर्माण नहीं करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सीएजी रिपोर्ट की विषय–वस्तु उनके द्वारा स्वयं लिखी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना के निर्माण से पहले वित्तीय पहलुओं का आकलन किए बिना इसका निर्माण किया गया। उन्होंने कहा कि कैग ने खुलासा किया है कि पिछली सरकार ने कालेश्वरम परियोजना का काम पूरी तरह से एकाधिकार के तहत कुछ लोगों को आवंटित कर दिया था। कोदंडराम ने कहा कि कालेश्वरम के माध्यम से किसानों को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराना बहुत मुश्किल है और उन्होंने कहा कि एक एकड़ की सिंचाई में 46,000 रुपये का खर्च आएगा।

यह कहते हुए कि राज्य में 60 प्रतिशत बिजली कालेश्वरम के रखरखाव के लिए आवश्यक है, उन्होंने कहा कि कालेश्वरम परियोजना में मल्लन्ना सागर के निर्माण से क्षेत्र में भूकंप आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि कोंडा पोचम्मा नहर के निर्माण के लिए 70 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे और कहा कि कदेम परियोजना की मिट्टी अतीत में बह गई थी, जबकि इसके बाद कदेम परियोजना के निर्माण में कोई समस्या नहीं थी।

डीएसपी प्रणीत राव के मामले की जांच तेज

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पिछली केसीआर सरकार में विशेष खुफिया शाखा (एसआईबी) के डीएसपी रहे दुग्याला प्रणीत राव के मामले की जांच पुलिस ने तेज कर दी है। इस मामले की जांच के दौरान अहम बातें सामने आ रही हैं। जांच के तहत पंजागुट्टा पुलिस ने आज (रविवार) प्रणीत राव के खिलाफ मामला दर्ज किया। उनके साथ कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह मामला एसआईबी के एडिशनल एसपी डी. रमेश की शिकायत पर दर्ज किया है। अधिकारियों ने पाया कि प्रणीत राव ने एसआईबी कार्यालय के दो कमरों में स्थित 17 कंप्यूटरों से अवैध रूप से गोपनीय जानकारी एकत्र की थी।

अधिकारियों ने पाया कि हाल ही में जब्त किए गए कुछ कंप्यूटरों से महत्वपूर्ण रिकॉर्ड गायब थे। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से डेटा और अन्य दस्तावेजों का गायब होना पुलिस विभाग के साथ–साथ राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बन गया है। चुनाव नतीजों के बाद अधिकारियों को पता चला कि प्रणीत राव ने अपने पास मौजूद जानकारी अन्य हार्ड डिस्क में ट्रांसफर कर ली है। पंजागुट्टा पुलिस ने प्रणीत राव के खिलाफ एपीसी 409, 427, 201, 120(बी), पीडीपीपी और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। लेकिन यह ज्ञात है कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान एसआईबी (विशेष खुफिया शाखा) डीएसपी के रूप में काम करने वाले दुग्याला प्रणीत राव को निलंबित कर दिया गया था।

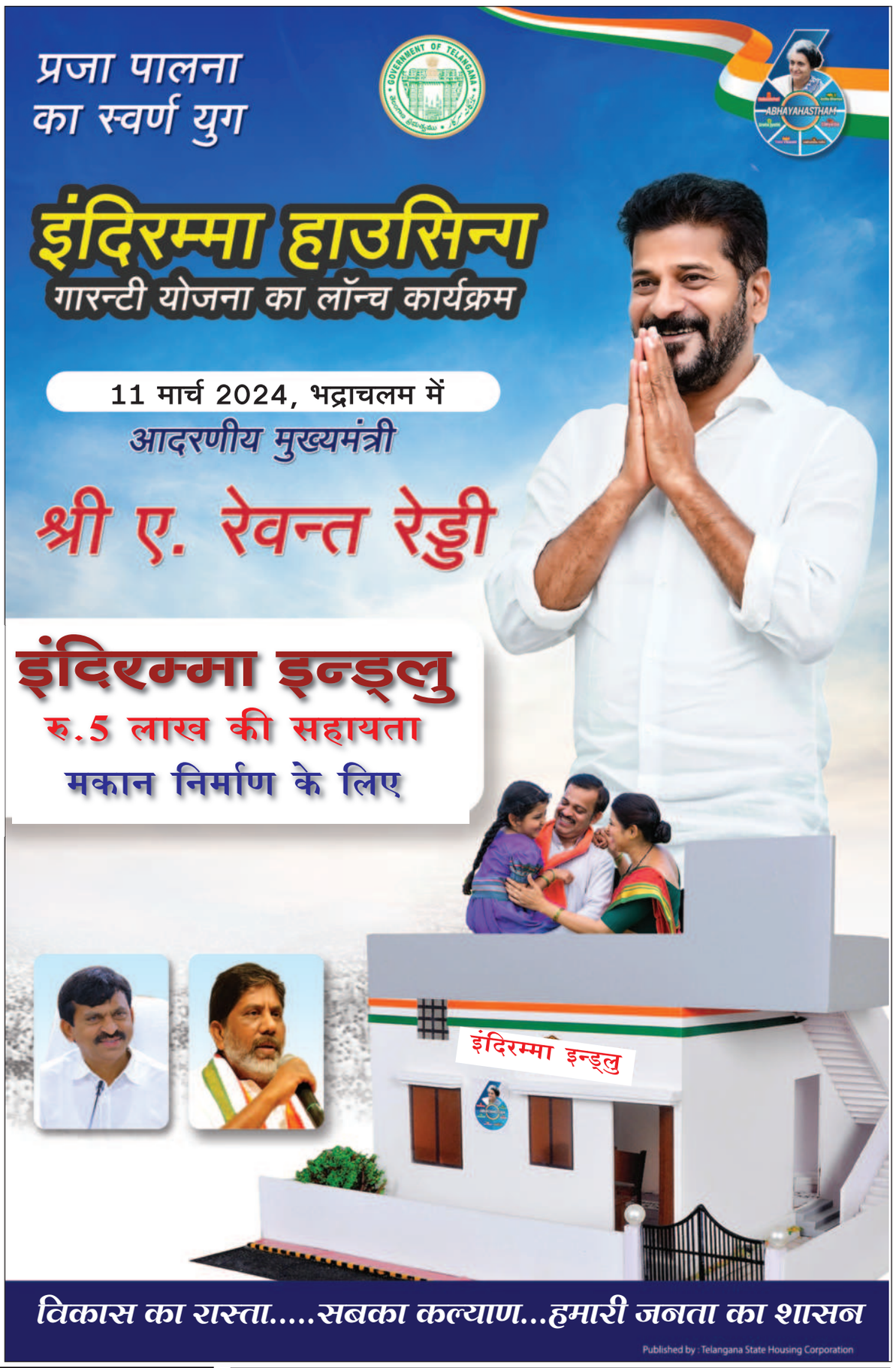

कैसरगंज से भाजपा सांसद ब्रज भूषण शरण सिंह को टिकट देगी सपा

संपर्क के सवाल पर अखिलेश यादव ने दिया ये जवाब

लखनऊ, 10 मार्च (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए सीबीआई और ईडी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ संस्थाएं हमेशा के लिए खत्म कर देनी चाहिए। सीबीआई और ईडी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए अखिलेश ने कहा कि ये एजेंसियां सरकार के इशारे पर फंसाने का काम करती हैं। कहा कि 10 साल से ज्यादा हिटलर का शासन भी नहीं रहा था। मौजूदा सरकार भी जाने वाली है। उन्होंने कहा कि यूपी के लोग स्वागत भी अच्छा करते हैं और विदाई भी। अखिलेश ने नारा दिया कि 'भाजपा हटाओ-नौकरी पाओ, 80 हराओ-एमएसपी पाओ'। अखिलेश ने कहा कि विधान परिषद प्रत्याशियों और लोकसभा प्रत्याशियों की सपा की अगली सूची जल्द जारी हो जाएगी। एक्स पर मायावती के अकेले चुनाव लड़ने संबंधी बयान पर अखिलेश ने कहा कि उनको धन्यवाद।

मेरे संपर्क में नहीं ब्रज भूषण

उधर, कैसरगंज से भाजपा सांसद ब्रजभूषण सिंह को सपा से टिकट देने के सवाल पर अखिलेश ने कहा कि आप लोग (संवाददाता) कह रहे हो तो टिकट दे देंगे। फिर यह पूछे जाने पर कि ब्रजभूषण आपके संपर्क में हैं, उन्होंने कहा कि ब्रजभूषण सिंह मेरे संपर्क में नहीं हैं। सपा अध्यक्ष ने दिल्ली की घटना पर कहा कि मैंने तस्वीर नहीं देखी, लेकिन यह सम्मान, आजादी, संविधान, आरक्षण और लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। कहा कि अल्पसंख्यकों को सभी को पसंद करना चाहिए, कमजोर के साथ सभी को खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के कारण सड़कों में गड्ढे हो रहे हैं।

सपा को दो बार मिला इलेक्टोरल बॉन्ड से चंदा

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने खुलासा किया कि समाजवादी पार्टी को इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से एक बार ढाई करोड़ रुपये मिले। ऐसी ही कुछ राशि एक अन्य बार भी मिली। भाजपा को भी इस बारे में खुलासा करना चाहिए। इससे पहले, प्रदेश सपा मुख्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में भाजपा, जदयू और बसपा के कई नेताओं ने सपा का दामन थाम लिया। जनता दल यूनाइटेड के नेता एवं पूर्व विधायक सुभाष चंद्र श्रीवास्तव, औरैया के पूर्व विधायक मदन गौतम, पूर्व सांसद भाल चंद्र यादव के पुत्र सुबोध यादव सपा में शामिल हुए। बीएसपी से पूर्व विधान सभा प्रत्याशी इलियास अंसारी, पूर्व मंत्री शाकिर अली के पुत्र परवेज अली, हरदोई के बसपा नेता एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी तिलक चंद्र वर्मा, राष्ट्रीय लोक दल के वरिष्ठ नेता लतेश बिधूड़ी ने सपा ज्वाइन की। भाजपा नेता एवं वीरांगना अवंती बाई लोधी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ। सीताराम राजपूत, कमलेश कुमार गौतम और अजीतमल ने अपने समर्थकों समेत सपा की सदस्यता ली। इस अवसर पर पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज, अरविंद सिंह गोप, राजेंद्र चौधरी, नरेश उत्तम पटेल, अम्बिका चौधरी, यासर शाह आदि प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

बीजेपी से टिकट के लिए गाजियाबाद से जनरल वीके सिंह को लड़नी पड़ रही 'जंग'

गाजियाबाद, 10 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए इस बार गाजियाबाद संसदीय क्षेत्र से कई मजबूत दावेदारों के होने के कारण पार्टी नेतृत्व किसी के नाम की घोषणा नहीं कर पा रहा है। यही कारण है कि पहली लिस्ट में गौतमबुद्ध नगर से प्रत्याशी की घोषणा कर दी गई है, लेकिन गाजियाबाद को होल्ड कर दिया है।

यही नहीं, 2014 और 2019 में आसानी से टिकट लेने वाले मौजूदा सांसद रिटायर्ड जनरल वीके सिंह को भी इस बार टिकट के लिए जंग लड़नी (कड़ी मशक्कत) पड़ रही है, जबकि वीके सिंह प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी करीबी माने जाते हैं। उन्होंने पार्टी नेतृत्व को भी अपनी पसंद बता दी है। अब इस पर अंतिम निर्णय पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व ही लेगा। बीजेपी से जुड़े सूत्रों के अनुसार गाजियाबाद में पांच विधायक, मेयर और जिला पंचायत अध्यक्ष पार्टी का ही होने के कारण यह सीट बीजेपी के लिए सुरक्षित मानी जाती है।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राहुल को बताया कांग्रेस की बर्बादी का जिम्मेदार

संभल, 10 मार्च (एजेंसियां)। संभल के एचोड़ा कंबोह स्थित कल्कि धाम में कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने रविवार की सुबह पत्रकारों से बातचीत कर राहुल गांधी पर करारा हमला बोला है। कांग्रेस की बर्बादी के लिए राहुल गांधी को सीधे तौर पर जिम्मेदार बताते हुए प्रमोद कृष्णम ने कहा कि इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी के साथ रहने वाले नेताओं का आज अपमान किया जा रहा है। यह तिरस्कार कांग्रेस को बर्बाद कर देगा। जब तक राहुल गांधी कांग्रेस में रहेंगे कांग्रेस कभी उठ खड़ी नहीं हो पाएगी। कमलनाथ, दिग्विजय, जितिन प्रसाद, आरपीएन सिंह, आनंद शर्मा, सुष्मिता देव, गुलाम नबी आजाद जैसे नेताओं से यदि आप बात करेंगे तो सच्चाई खुद ही सामने आ जाएगी। यहां तक कि प्रियंका गांधी खुद भी कांग्रेस के अंदर सरवाइव कर रही हैं। गठबंधन को लेकर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि यह चोरों द्वारा मिलकर बनाया गया गठबंधन है। जो एक दूसरे की पीठ में छुरा भोंक रहे हैं। यह गठबंधन मोदी का मुकाबला नहीं कर सकता। जनता मोदी के साथ है तीसरी बार भी केंद्र में मोदी की सरकार बनेगी। मायावती के गठबंधन में जाने के सवाल पर कहा कि मायावती जी समझदार हैं वह जानती हैं कि चोरों के समूह में जाने का फैसला उचित नहीं होगा। बोले कमल नाथ की दुर्गति फारूक अब्दुल्ला राम भक्त कहां कि मध्य प्रदेश में कमलनाथ की दुर्गति की जिम्मेदार भी कांग्रेस है। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला को राम भक्त बताते हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस व गठबंधन को लेकर करारा प्रहार बोला।

बिहार कांग्रेस में विधायकों का बगावती तेवर जारी

प्रतिमा दास ने अखिलेश सिंह के खिलाफ खोला मोर्चा

पटना, 10 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारी में जुटे हैं, वहीं, बिहार प्रदेश कांग्रेस के अंदर ही घमासान मचा हुआ है। हाल ही में कांग्रेस के दो विधायक बीजेपी के साथ चले गए हैं। अब, महिला विधायक प्रतिमा दास ने अपने ही प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राजपाकर की विधायक प्रतिमा दास ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए विधान परिषद की रिक्त हुई 11 सीटों पर होने वाले चुनाव में महागठबंधन में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिलने पर भड़क गई। प्रतिमा दास ने कहा कि जब कांग्रेस के चार विधायक होते थे तब भी कांग्रेस के लोग एमएलसी बनते थे, आज तो 17 विधायक हैं। उन्होंने अपने अध्यक्ष पर आरोप लगाया कि वह केंद्रीय नेतृत्व को भी अंधेरे में रखते हैं। बिहार के प्रदेश अध्यक्ष अधिकांश समय दिल्ली में ही

रहते हैं। ऐसी स्थिति में उनसे आम कार्यकर्ता कैसे मिल सकता है। वह विधायक तक का फोन नहीं उठाते हैं। उन्होंने किसी अन्य व्यक्ति को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की मांग कर दी है। बता दें कि बिहार विधान परिषद की रिक्त होने वाली 11 सीटों के होने वाले चुनाव में महागठबंधन की ओर से पांच उम्मीदवार उतारे गए हैं। इनमें आरजेडी के चार और भाकपा-माले के एक उम्मीदवार हैं, जबकि महागठबंधन में शामिल कांग्रेस को स्थान नहीं मिला है।

चुनाव से पहले नीतीश ने तेजस्वी यादव के साथ फिर कर दिया 'खेल'

जदयू में शामिल हुए ये तीन आरजेडी नेता

पटना, 10 मार्च (एजेंसियां)। 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारी जोरों हो गई है। वहीं, बिहार में नेताओं के दल बदलने का सिलसिला भी तेज है। चुनाव से पहले बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने लालू यादव और तेजस्वी यादव को झटका दे दिया है। राजद के कई नेताओं ने अब जदयू का हाथ थाम लिया है। इससे बिहार में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। जदयू प्रदेश कार्यालय में शनिवार को कई दलों के नेताओं ने जदयू की सदस्यता ग्रहण की।

सभी लोगों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए जदयू के मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। जदयू की सदस्यता ग्रहण करने वालों में आजाद समाज पार्टी के डॉ. वीरेंद्र भास्कर, धनंजय सिंह यादव, राजद के शैलेंद्र कुमार सागर, प्रदीप राज व हरिवंश कुमार यादव शामिल हैं। पूर्व मंत्री संतोष कुमार विराला व लक्ष्मेश्वर राय भी इस मौके

पर मौजूद थे।

राजद की बैठक में बूथ कमेटी पर विचार

कैमूर जिले के कुदरा प्रखंड मुख्यालय में राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ताओं की बैठक हुई जिसमें बूथ कमेटी और पन्ना प्रमुख की नियुक्ति पर विचार किया गया। साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत में पार्टी के एक सेक्टर प्रभारी की नियुक्ति की गई। पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष नंदकुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक का संचालन प्रखंड महासचिव रंजन सिंह ने किया। इसमें भाग लेने वालों में अकलू राम, छेदी सिंह यादव, अवधेश कुशवाहा, बैरिस्टर यादव, रमेश कुमार सिंह, चंद्रशेखर यादव, प्रदुम्न सिंह, शिवजी, गोलू पासवान, सर्वजीत पासवान, आदि शामिल रहे। राजद प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि मोहनियां विधानसभा की विधायक के अन्य दल में चले जाने से पार्टी की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। पार्टी के कार्यकर्ता पहले की तरह ही उत्साहित हैं तथा और अधिक जोश के साथ कार्य करते हुए भविष्य के चुनावों में पार्टी के उम्मीदवार को विजयी बनाने का निर्णय लिया गया।

लोकसभा चुनाव से पहले यूपी में बीजेपी के प्रचार का एक राउंड पूरा, करीब ढाई महीने चला अभियान

लखनऊ, 10 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी विपक्षी दलों से कहीं ज्यादा आगे निकल गई है। भले ही अभी तक चुनाव की तारीखों का एलान नहीं हुआ हो लेकिन बीजेपी ने अपने चुनाव प्रचार की जमीनी तैयारी का एक राउंड पूरा कर लिया है। उत्तर प्रदेश से दिल्ली की सत्ता का रास्ता निकलता है, ऐसे में पार्टी ने यहां की सभी 80 सीटों को जीतने का लक्ष्य रखा है और इस लक्ष्य को पाने के लिए पार्टी पूरे जी-जान से जुटी हुई है। बीजेपी ने जनवरी महीने की शुरुआत से ही चुनाव की जमीन को तैयार करना शुरू कर दिया था। ढाई महीने के इस अभियान में सीएम योगी पूरे प्रदेश में सौगातों की बौछार कर दी। आगामी चुनाव के पहले चरण में सीएम योगी आदित्यनाथ पिछले ढाई महीने से पूरब से पश्चिम तक के जिलों का दौरा कर रहे हैं। जहां उन्होंने न सिर्फ बूथ लेवल पर पार्टी के पुनर्गठन किया बल्कि कई सम्मेलन कर पार्टी कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्री भी दिया। इसके साथ ही तमाम योजनाओं का लोकार्पण और

शिलान्यास का तोहफा भी दिया है। सीएम योगी ने जनवरी से ही चुनाव प्रचार अभियान में जुट गए थे, इस दौरान उन्होंने कई जिलों का दौरा किया। इसके साथ ही कई बार अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर और मथुरा समेत कई धार्मिक शहरों के दौरे पर रहे, जहां उन्होंने धार्मिक स्थानों के पुनर्निर्माण कार्यों पर जोर दिया। सीएम योगी के साथ प्रदेश सरकार के तमाम मंत्री भी ग्राम यात्रा के तहत गांवों में जा-जाकर लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दे रहे हैं और प्रवास भी कर रहे हैं ताकि ज्यादा लोगों को जोड़ा जा सके हैं। बीजेपी का पहला राउंड पूरा होने के बाद अब अगले राउंड की तैयारी भी तेज हो गई है।

दो लड़कियों में हुआ प्यार

थाने में शादी की जिद पर अड़ी पुलिस भी चकराई

रामपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। रामपुर में 2 लड़कियां का प्यार परवान चढ़ा तो शादी के लिए दोनों थाने पहुंच गईं। दोनों युवतियों को शादी की जिद करता देख पहले तो थाना पुलिस भी चकरा गई। पुलिस ने दोनों को समझाते हुए उनके परिजनों को मौके पर बुला लिया। दोनों युवतियों को उनके परिजनों के हवाले कर दिया गया है। अजीमनगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक युवती का उत्तरांचल की युवती के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा है। दोनों रुद्रपुर में कमरा लेकर एक साथ रह रही थी। चार दिन पहले दोनों कोर्ट मैरिज के लिए जा रही थी तो उनके परिजनों ने पकड़ लिया। रुद्रपुर पुलिस ने पंचायत के बाद दोनों युवतियों को उनके घरों को भेज दिया। दोपहर रुद्रपुर निवासी युवती अपने घर से भाग कर अजीमनगर के करनपुर गांव आ गई। इस दौरान लोगों ने दोनों को समझाना चाहा लेकिन नहीं मानी। आनंद फानन में दोनों युवतियां अजीमनगर थाने पहुंच गई और शादी की जिद करने लगी। दोनों युवतियों की जिद देख पहले तो पुलिस भी चकरा गई। पुलिस ने दोनों युवतियों को समझकर महिला डेक्स में बैठा दिया। इस दौरान पुलिस ने दोनों के परिजनों को थाने में बुला लिया। थाने पहुंचे दोनों के परिजनों को पुलिस ने दोनों युवतियां को उनके हवाले कर दी।

अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल के सामने अब दोहरी चुनौती, नहीं मिलेगी सहानुभूति

लखनऊ, 10 मार्च (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव में इस बार मैनपुरी सीट से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डिंपल यादव के सामने दोहरी चुनौती होने जा रही है। सपा संस्थापक मुलायम सिंह के निधन के बाद पहली बार इस सीट पर आम चुनाव हो रहा है, ऐसे में डिंपल यादव के सामने परिवार को विरासत को आगे चुनौती होगी तो वहीं अब उनके साथ सहानुभूति की लहर भी हल्की हो चली है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर से मैनपुरी सीट से अपनी पत्नी डिंपल यादव को ही मैदान में उतारा है। डिंपल मौजूदा समय में भी यहां सांसद हैं। लंबे समय से इस सीट पर सपा का ही कब्जा रहा है। लेकिन, इस बार ये

चुनाव इतना आसान होने वाला नहीं है। मुलायम सिंह यादव निधन के बाद 2022 में हुए उपचुनाव में डिंपल यादव ने यहां से चुनाव लड़ा था। इस उपचुनाव में सपा के पक्ष में जबरदस्त सहानुभूति की लहर चली और उन्होंने बीजेपी के रघुराज सिंह शाक्य को 2,88,461 वोटों से हरा दिया। डिंपल यादव को 6,18,120 वोट मिले जबकि शाक्य को 3,29,659 वोट मिले। इस चुनाव में कांग्रेस और बसपा ने दूरी बनाए रखी थी

डिंपल यादव के सामने बड़ी चुनौती

डिंपल यादव की मुश्किल ये है कि नेताजी के जाने के बाद पहली बार इस सीट पर आम चुनाव हो रहा है। उपचुनाव में उन्हें जो सहानुभूति मिली थी अब वो खत्म हो चुकी है। वही बीजेपी भी इस सीट पर सबसे मजबूत उतारने के लिए मंथन कर रही है। यूपी में इस बार सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन है। उपचुनाव में बसपा ने भी अपना प्रत्याशी नहीं उतारा था, लेकिन इस बार मायावती ने यहा भी अपना प्रत्याशी उतारने का एलान किया है। ऐसे में इस बार की लड़ाई सीधी न होकर त्रिकोणीय हो जाएगी। बसपा के आने से सीधे सपा को ही नुकसान होगा।

सपा का किला भेद पाएगी बीजेपी?

आपको बता दे कि इस सीट पर 1989 से समाजवादी पार्टी का ही क़ब्ज़ा रहा है। मैनपुरी सीट से मुलायम सिंह यादव ने जिसे भी लड़ाया वो हमेशा चुनाव जीता है। मुलायम सिंह यादव ने इस सीट पर पहली बार 1996 में चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी, वो इसे अपनी कर्मभूमि मानते थे और यहां हर जाति व समुदाय के लोगों ने उन्हें वोट दिया। भाजपा ने मैनपुरी सीट पर सपा को हराने की पूरी कोशिश कर ली, लेकिन आज तक कामयाब नहीं हो पाई है। लेकिन, इस बार पार्टी ने प्रदेश की सभी 80 सीटों को जीतने का लक्ष्य रखा है। ऐसे में बीजेपी की भी मजबूत रणनीति के साथ उतरेगी और बीजेपी इसमें कितनी माहिर है ये किसी से छुपा नहीं है।

भाजपा नेता डॉ. प्रमेंद्र माहेश्वरी ने बैंक प्रबंधक के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

बरेली, 10 मार्च (एजेंसियां)। बरेली के रामपुर गार्डन निवासी हड्डी रोग विशेषज्ञ भाजपा नेता डॉ. प्रमेंद्र माहेश्वरी से धोखाधड़ी कर ली गई। उन्होंने केनरा बैंक सिविल लाइंस ब्रांच के प्रबंधक नीरज सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी और प्रॉपर्टी के कागज हड़पने की रिपोर्ट कराई है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। डॉ. प्रमेंद्र माहेश्वरी ने बताया कि उन्होंने 21 जुलाई 2005 को तत्कालीन बैंक प्रबंधक से होम लोन लिया था। इसके बदले उन्होंने अपने मूल रजिस्ट्री पेपर सिक्योरिटी के रूप में बैंक में जमा किए थे। उन्होंने 23 मार्च 2010 को लोन चुका दिया लेकिन बैंक ने अभी तक उनके प्रॉपर्टी के कागज वापस नहीं किए हैं।

जौनपुर में बड़ा हादसा: हाईवे पर कार और ट्रक की टक्कर, एक ही परिवार के सात लोगों की मौत; दो गंभीर

जौनपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गौराबादशाहपुर थाना इलाके के जौनपुर- आजमगढ़ हाईवे पर केराकत तिराहे के पास शनिवार की रात लगभग ढाई बजे यह हादसा हुआ। घटना में बिहार के सीतामढ़ी से प्रयागराज झूंसी लड़की देखने के लिए एक परिवार के नौ सदस्य कार में सवार होकर जा रहे थे। जैसे ही कार जौनपुर से केराकत की तरफ जाने के लिए मुड़ी तो सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके पर मची चीख पुकार मच गई। मौके पर आसपास के लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस के मुताबिक, बिहार के सीतामढ़ी के रहने वाले गजाधर शर्मा अपने परिवार के नौ सदस्यों के साथ सेवन सीटर कार से अपने पुत्र चंदन शर्मा की शादी के लिए लड़की देखने प्रयागराज के झूसी जा रहे थे।

रात लगभग ढाई बजे जब उनकी कार केराकत प्रसाद तिराहे पर पहुंची तभी जौनपुर की तरफ से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार लगभग 10 मीटर तक घिसटती चली गई। सूचना पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने सभी घायलों को 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। जहां चिकित्सकों ने छह को देखते ही मृत घोषित कर दिया। इसके कुछ घंटों बाद एक और की मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल दो लोगों का उपचार किया जा रहा है। घटना के बाद ट्रक चालक और खलासी मौके पर ट्रक कर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस क्षतिग्रस्त कार और ट्रक को क्रेन और जेसीबी से निकलवाने में जुटी रही।

नई बाइक से घर लौट रहे जीजा और साले की मौत, सड़क किनारे खड़ी बोलेरो में पल्सर घुसने से हुआ हादसा

सोनभद्र, 10 मार्च (एजेंसियां)। सोनभद्र जिले के राबर्ट्सगंज-शाहगंज मार्ग पर गौरीशंकर मंदिर के पास सड़क हादसे में जीजा-साले की मौत हो गई। दोनों बाइक से राबर्ट्सगंज की ओर आ रहे थे। उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी बोलेरो में घुस गई। शनिवार को ही नई बाइक खरीदी गई थी। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के बिजरी गांव निवासी राजेश चौहान (25) पुत्र स्व. रामप्रवेश आर्केस्ट्रा में काम करता था। शनिवार को राजेश ने नई पल्सर बाइक खरीदी थी। वहां से आर्केस्ट्रा कार्यक्रम के लिए घोरावल गया था। देर रात वह अपने साले सुंदरी गांव निवासी छबिंदर (30) पुत्र विद्यामणि के साथ राबर्ट्सगंज की ओर आ रहा था। गौरीशंकर के पास खड़ी बोलेरो में उनकी बाइक अनियंत्रित होकर भिड़ गई। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों के सिर में गंभीर चोटें आईं थीं। राजेश की मौके पर मौत हो गई थी, जबकि छबिंदर ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

सपा में चल रही अंतर्कलह? बदायूं के चुनावी मैदान में अब तक नहीं उतरे शिवपाल, बीजेपी में संघमित्रा के टिकट पर भी संशय

बदायूं, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजनीतिक गलियारे में चुनावी गतिविधियां बढ़ती जा रही थीं, लेकिन इस समय भाजपा और सपा दोनों दलों की चुनावी हलचल ठहर सी गई है। बदायूं सीट पर काबिज भाजपा टिकट में उलझ गई है। मौजूदा सांसद डा।संघमित्रा मौर्य टिकट को लेकर आश्वस्त दिख रही थीं, लेकिन पहली सूची में जिले का नाम न होने से उन्होंने दिल्ली में डेरा डाल दिया है। टिकट के दूसरे दावेदार भी जिले में नहीं दिख रहे हैं। दूसरी ओर सपा ने महीने भर पहले टिकट घोषित कर दिया था। चुनावी गतिविधियां बढ़ने लगी थीं, लेकिन अचानक टिकट बदल दिया जिससे चुनाव प्रचार की रफ्तार थम गई। 17 दिन गुजर चुके, लेकिन न तो सपा के उम्मीदवार शिवपाल सिंह यादव अभी तक पहुंचे हैं और न ही पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव ही लौटकर आए हैं। अब लग रहा है कि आचार संहिता लागू होने के बाद ही चुनावी गरमाहट शुरू होगी। संसदीय सीट बदायूं पर वर्तमान में भाजपा काबिज है। हालांकि लंबे समय तक इस सीट पर सपा का कब्जा रहा है। पिछले महीने चुनावी गहमा-गहमी बढ़ने लगी थी। सपा ने यहां से दो बार सांसद रह चुके धर्मेंद्र यादव को टिकट देकर मैदान में उतार दिया था। उन्होंने जनसंपर्क अभियान भी शुरू कर दिया था। पिछले चुनाव की कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे थे।

सपा ने अचानक बदला टिकट

अचानक पार्टी ने इनका टिकट निरस्त कर पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव को उम्मीदवार घोषित कर दिया। इसके पीछे पार्टी में चल रही अंतर्कलह को वजह मानी जा रही है, लेकिन जिम्मेदारों की ओर से अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। टिकट बदलने के बाद सपा में सन्नाटा पसरा हुआ है। सत्ताधारी पार्टी भाजपा की बात करें तो पहली सूची जारी होने के पहले सांसद डा।संघमित्रा मौर्य अपना टिकट पक्का मानकर चुनाव अभियान में जुटी थीं, लेकिन टिकट होल्ड कर दिए जाने से असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है। हर किसी की निगाह दिल्ली में होने वाली केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक पर टिकी हुई है। सांसद के अलावा टिकट के दूसरे दावेदारों ने भी अपना दावा मजबूत दिखाने की कोशिश में जुट गए हैं। राजनीतिक गलियारे में अपने-अपने हिसाब से कयास लगाए जा रहे हैं। पिछड़ा वर्ग से ही किसी को टिकट मिल सकता है इसकी संभावना ज्यादा दिख रही है। पार्टी के जिम्मेदार कुछ बताने की स्थिति में नहीं हैं। उनका एक ही जवाब मिल रहा है कि जिसे भी टिकट मिलेगा उसे जिताकर भेजेंगे।

पार्टी को मिलने वाले फंड की जानकारी देने से क्यों डर रही भाजपा: आप

इंदौर, 10 मार्च (एजेंसियां)। हजारों करोड़ के पीएम केयर फंड और इलेक्टोरल बॉन्ड का हिसाब आखिर मोदी क्यों नहीं देना चाह रहे हैं? क्या ये सीधा सीधा भ्रष्टाचार नहीं है? भाजपा को किस सेठ ने कब और कितना चंदा दिया, ये जनता के सामने लाने में क्या समस्या है? यह प्रश्न आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ पीयूष जोशी ने आज प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में उठाए।भाजपा हटाओ देश बचाओ का आव्हान करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा देश को एक दलीय व्यवस्था की तरफ ले जा रही है। देश में एक मज़बूत विपक्ष का होना सरकार की जिम्मेदारी तय करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। भाजपा सरकारें साम दाम दंड भेद का निहायत ही बेशर्मी से उपयोग कर लगातार विपक्ष को खत्म कर रही हैं। जोशी ने कहा की बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की फसल के अवमूल्यन को छोड़कर भाजपा सिर्फ भावनात्मक मुद्दों की राजनीति करने वाली पार्टी बनकर रह गई है, जो देश के लिए नुकसानदायक है। सुरेश पचौरी, संजय शुक्ला एवं विशाल पटेल के भाजपा में जाने की बात पर जोशी ने कहा कि ये लोग पेशेवर राजनीतिज्ञ हैं जो जनता की सेवा का स्वांग रचते हैं।

शरद पवार ने बारामती लोकसभा सीट से सुप्रिया सुले के नाम का किया ऐलान, अब क्या होगा जीत का दांव?

बारामती, 10 मार्च (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर शरद पवार ने अपना पहला दांव चल दिया है। शरद पवार ने बारामती लोकसभा सीट से अपनी बेटी और मौजूदा सांसद सुप्रिया सुले के नाम ऐलान कर दिया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इसी लोकसभ सीट से अजित पवार अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को भी चुनावी मैदान में उतार सकते हैं। वहीं अब शरद पवार के इस ऐलान के बाद सबकी निगाहें अजित पवार के अगले दांव पर टिक गई हैं।

अभी दोनों गठबंधनों में नहीं हुआ सीट बंटवारा

हालांकि महाराष्ट्र में अभी इंडिया गठबंधन के दलों के बीच सीट बंटवारा फाइनल नहीं हुआ है। लेकिन यह तय माना जा रहा था कि बंटवारे में बारामती सीट शरद पवार की पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के हिस्से में ही जाएगी। सूत्र बता रहे हैं कि इंडिया गठबंधन में 23 सीट पर उद्धव गुट का दावा है और 15 सीट कांग्रेस को देने की तैयारी है और 10 सीट शरद पवार के पार्टी को मिल सकती है। राजू शेट्टी के स्वाभिमानीं शेतकरी पार्टी, वंचित बहुजन आघाडी को तीनों दल अपने कोटे से सीट देंगे। लेकिन अभी तक सीट बंटवारा तय नहीं हो पाया है।

सुप्रिया सुले और सुनेत्रा पवार का वीडियो आया सामने

वहीं इस राजनीतिक जंग से पहले सुप्रिया सुले और सुनेत्रा पवार का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो को देखकर लगता है कि राजनीतिक रूप से लड़ाई कैसी भी हो लेकिन ननद और भाभी के बीच मधुर रिश्ते कायम हैं। दरअसल शनिवार को कमलेश्वर मंदिर में दर्शन करने जा रहीं सुप्रिया सुले और सुनेत्रा पवार आत्मीयता से गले मिलीं। दोनों ने एक-दूसरे का सम्मानपूर्वक अभिवादन भी किया।

शरद और अजित पवार के बीच है कड़वाहट

हालांकि जानकार बताते हैं कि अजित पवार और शरद पवार के बीच रिश्तों में कड़वाहट आ चुकी है। दोनों एक-दूसरे के ऊपर सार्वजनिक मंचों से हमला भी बोल रहे हैं। हालांकि इस दौरान वह एक-दूसरे का नाम नहीं ले रहे हैं। साथ ही कहा जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत भी बंद चल रही है।

देवेंद्र फडणवीस की फोटो व्हाट्सएप पर लगाने वाले युवक की रॉड से पिटाई, दो आरोपियों पर मामला दर्ज

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का मुद्दा हिंसक रुख अख्तियार करता जा रहा है। हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि राज्य के बीड जिले में एक युवक की सिर्फ इसलिए पिटाई कर दी गई, क्योंकि उसने अपने व्हाट्सएप पर देवेंद्र फडणवीस की तस्वीर को स्टेस में लगा रखा था। पीड़ित शख्स की पहचान केज तालुका के लवुरी के गणेश चालक के रूप में की गई। बताया जाता है कि गणेश सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत है।उन्होंने बीजेपी नेता और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की फोटो को अपने मोबाइल पर व्हाट्सएप स्टेस्टस लगा रखा था।

यह बात मालूम होते ही गांव के राहुल सरजेराव चालक और कैलाश सुरेश चालक गणेश के पास पहुंचा और देवेंद्र फडणवीस की फोटो लगाने को लेकर उससे विवाद करने लगा। उस वक्त गणेश गांव के ही एक होटल के सामने बैठा था। बताया जाता है कि विवाद के दौरान आरोपी कैलाश चालक ने लोहे के रॉड से गणेश चालक की पिटाई कर दी।

इससे गणेश के पैर, हाथ, जांघ और पीठ पर काफी चोट आई है। यह घटना 7 मार्च के रात की बताई जा रही है। पीड़ित के अनुसार राहुल चालक ने उसे लात मारकर जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद घायल गणेश चालक को केज के उपजिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया गया। इसके बाद आगे के इलाज के लिए अंबाजोगाई के स्वामी रामानंद तीर्थ ग्रामीण अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

उमर-महबूबा के रार पर बोले फारुक- तीनों सीटें जीतने से पीडीपी को क्यों एतराज, इससे इंडिया गठबंधन को होगा लाभ

जम्मू, 10 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस कश्मीर संभाग की तीनों लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। इसे लेकर हम अपने एजेंडे पर खड़े हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में नेकां के उम्मीदवारों ने इन तीनों सीटों पर जीत हासिल की थी। नेकां की तरह पीडीपी भी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। अगर इन तीनों सीटों से नेकां के उम्मीदवार जीतेंगे हैं तो इसका इंडिया गठबंधन को ही फायदा होगा। ऐसे में पीडीसी की अध्यक्षा महबूबा मुफ्ती को इससे परेशानी नहीं होनी चाहिए। यह बात नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ। फारुख अब्दुल्ला ने जम्मू में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन (पीएजीडी) में फूट के सवाल पर डॉ। फारूख अब्दुल्ला ने कहा कि यह मायने नहीं रखता है। विधानसभा चुनाव आ रहे हैं। इनमें देखा जाएगा कि क्या करना है। मुझे लगाता है लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव करवाए जाएंगे। फारूक ने कहा, पीएजीडी के संबंध में महबूबा मुफ्ती से पूछा जाए। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव तक देखा जाएगा कि नेकां पीडीपी के साथ होगी या नहीं। नेकां प्रमुख ने कहा कि प्रधानमंत्री भाजपा के नहीं, बल्कि पूरे देश के हैं। वह देश के हर धर्म के लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। कहा कि इंडिया गठबंधन हमेशा बढ़ता रहेगा। यह भारत का भविष्य है, जो लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष भारत में विश्वास रखता है। भारत सभी के लिए है, यह पाकिस्तान नहीं है। कश्मीर भारत का हिस्सा है और हमें इससे कोई परेशानी नहीं है। पाकिस्तान शांति के साथ रहना चाहता है तो यह उसे तय करना होगा।

दमोह जिला अस्पताल में शराब के नशे में झूमते दिखाई दिया डॉक्टर, अधिकारी बोले- कार्रवाई करेंगे

दमोह, 10 मार्च (एजेंसियां)। दमोह जिला अस्पताल में पदस्थ एक एनेस्थीसिया डॉक्टर का शराब के नशे में झूमते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिसे लेकर लोग डॉक्टर की निंदा कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि शराब के नशे में डॉक्टर मरीजों का इलाज कैस करेगा। वहीं, वीडियो सामने आने के बाद अधिकारी कार्रवाई करने की बात कह रहे हैं।

वायरल वीडियो में शराब के नशे में दिख रहे जिला अस्पताल के एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉक्टर सचिन अहिरवार बताए जा रहे हैं जो शनिवार रात को अस्पताल पहुंचे थे। डॉक्टर अस्पताल के एमसीएच वार्ड के अंदर (जहां प्रसूता महिलाएं रहती हैं) हंगामा करते रहे। इस दौरान डॉक्टर कभी जमीन पर बैठ जाता है तो कभी जमीन में लौटने लगता है।

40 फुट गहरे बोरवेल में गिरे युवक की मौत, 25-35 वर्ष के बीच बताई जा रही उम्र

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली जल बोर्ड प्लांट के अंदर बड़ा हादसा हुआ है। यहां शनिवार देर रात 2.45 बजे एक 40-फीट गहरे और डेढ़ फीट चौड़े बोरवेल में एक युवक गिर गया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), और दिल्ली पुलिस की टीमें बचाव अभियान में लगी रहीं। काफी मशक्कत के बाद युवक को निकाल लिया गया। जिसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत युवक की उम्र 25-35 वर्ष के बीच बताई जा रही है। उसकी पहचान की कोशिश की जा रही है। हादसे की सूचना के बाद दिल्ली की जल मंत्री आतिशी मौके पर पहुंचीं और हालात का जायजा लिया। वहीं, भाजपा नेता कमलजीत सहरावत पार्टी नेताओं के साथ पहुंची हैं। एनडीआरएफ की टीम निरीक्षक वीर प्रताप सिंह के नेतृत्व में युवक को निकलने के लिए हर संभव कोशिश में जुटे हुए थे। उसे बोरवेल से निकालने के लिए पहले बोरवेल में रस्सी डाली गई। मौके पर दिल्ली फायर सर्विस, एनडीआरएफ और दिल्ली पुलिस की टीम मौजूद रही। बचाव कर्मियों के अनुसार, घटना की सूचना मिलने के बाद पांच दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। जानकारी के मुताबिक, केशोपुर मंडी के पास दिल्ली जल बोर्ड प्लांट के अंदर 40 फुट गहरे बोरवेल में एक युवक गिर गया था। एनडीआरएफ से प्रभारी निरीक्षक वीर प्रताप सिंह के साथ एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची था। मौके पर एनडीआरएफ की रेस्क्यू टीम का नेतृत्व प्रभारी निरीक्षक वीर प्रताप सिंह ने किया।

48 घंटे के अंदर दिल्ली के बोरवेल बंद करने का आदेश

इस मामले में जल मंत्री आतिशी ने कहा कि केशोपुर में एक व्यक्ति के बोरबेल में गिरने की घटना सामने आई है। मौके पर पहुंचकर मैंने स्थिति का मुआयना किया। बोरवेल एक तालाबंद बंद कमरे में था। प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा है कि यहां जबरदस्ती ताला तोड़ घुसने का प्रयास किया गया था। पुलिस इसकी जांच करेगी। ऐसे मामले दोबारा सामने न आए इसे लेकर जल बोर्ड को सख्त आदेश दिया है कि दिल्ली में बंद पड़े सभी प्राइवेट-सरकारी बोरबेल को 48 घंटे के अंदर वेल्डिंग कर सील किया जाए और मुझे इसकी रिपोर्ट सौंपी जाए।

रात 2 बजे बुलडोजर लेकर पहुंची पुलिस, तोड़ डाली दरगाह, 5 बजे तक सब कर दिया साफ

जूनागढ़, 10 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के जूनागढ़ में रविवार की दरम्यानी रात अचानक से हलचल तेज होने लगी है। यहां भारी संख्या पुलिस बल के साथ बुलडोजर लेकर पहुंचे अधिकारियों ने एक दरगाह को ढहा दिया। जूनागढ़ में इस दरगाह के अलावा अलग-अलग जगहों पर बने दो अवैध मंदिरों को भी हटाया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, रात करीब 2 बजे दरगाह को तोड़ने का काम शुरू हुआ, जो सुबह करीब पांच बजे तक चलता है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए इलाके में करीब 1000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था, जिन्होंने दरगाह से करीब 300-400 मीटर दूर ही बैरिकेडिंग करके पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी थी। दरगाह तोड़े जाने के बाद पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस हालात पर नजर बनाए हुए है। बताया जाता है कि जूनागढ़ में मजवेड़ी गेट के पास स्थित यह दरगाह करीब दो दशक पुरानी थी। यह दरगाह सड़क के बीचों-बीच स्थित थी, जो धीरे-धीरे बड़ी होती गई। अवैध तरीके से बनाई गई इस दरगाह को हटाने का प्रयास पहले भी किया गया था। पिछले साल जून में भी पुलिस की एक टीम यहां कार्रवाई के लिए पहुंची थी, लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध के बाद उन्हें अपने कदम वापस खींचने पड़े थे। इस दौरान भीड़ ने पुलिस चौकी में तोड़फोड़ कर दी थी और कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया था।

9 गिरफ्तार, 22 किलो अफीम बरामद, पंजाब पुलिस का ड्रग्स के खिलाफ बड़ा एक्शन

जालंधर, 10 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने पंजाब में ड्रग्स और बढ़ते नशे पर रोक लगाने की बड़ी पहल की है। प्रदेश में लगातार बढ़ रहे नशे के खिलाफ पंजाब पुलिस ने एक्शन लिया है। पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह के 9 सदस्यों को गिरफ्तार किया और 22 किलो अफीम बरामद किया है। साथ ही झारखंड के अफीम उत्पादक और संग्रहणकर्ता को 12 किलो अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस ने राज्य में नशे पर रोक लगाने के लिए बड़ी कार्यवाही की है। सीएम भगवंतमान के निर्देश अनुसार पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह के 9 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। साथ ही 22 किलो अफीम भी बरामद किया। झारखंड के अफीम उत्पादक और संग्रहणकर्ता को 12 किलो अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया। 9 करोड़ की बड़ी रकम वाले 30 बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए। ड्रग की रकम से बनाई गई 6 करोड़ की 12 संपत्तियों की पहचान भी की गई है। दिल्ली में यूके, यूएस, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के 5 विदेशी संगठनों और 6 कस्टम अधिकारियों को नामित किया गया है। एक्स पर पंजाब पुलिस के डीजीपी ने पोस्ट करके कहा कि अंतर्राष्ट्रीय नारकोटिक नेटवर्क को बड़ा झटका देते हुए, जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने अंतर्राष्ट्रीय ड्रग तस्करी के 9 सदस्यों को गिरफ्तार किया और 22 किलोग्राम अफीम जब्त की। डी।जी।पी ने आगे कहा कि सीएम भगवंतमान के निर्देशानुसार ड्रग नेटवर्क को नष्ट करने के लिए पूरी तरह से पुलिस प्रतिबद्ध है। झारखंड में 12 किलो अफीम के साथ उत्पादक और संग्रहणकर्ता गिरफ्तार किए गए। बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज के अलावा, पुलिस टीमों ने 9 करोड़ रुपये की ड्रग मनी वाले 30 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। इसके अलावा ड्रग मनी से प्राप्त 6 करोड़ रुपये मूल्य की 12 संपत्तियों की पहचान की गई। ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा से 5 विदेशी आधारित संस्थाओं के साथ दिल्ली में 6 सीमा शुल्क अधिकारियों को नामांकित किया गया है।

400 किलोग्राम हेरोइन जब्त

पंजाब सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने साल 2023 में सीमा पार से उड़ रहे 100 से अधिक ड्रोनों को मार गिराने और तस्करों समेत 37 विदेशी नागरिकों को पकड़ने में कामयाबी हासिल की थी। सुरक्षा बलों की ओर से जारी एक विस्तृत बयान में बताया गया कि इस साल 2023 में बीएसएफ ने 107 ड्रोनों का सफलतापूर्वक पता लगाया था और उन्हें मार गिराया और 442.395 किलोग्राम हेरोइन, 23 हथियार और 505 राउंड गोला-बारूद जब्त किए गए थे।

ओडिशा में आप लड़ेगी लोकसभा चुनाव

सौरभ भारद्वाज ने बीजेडी-बीजेपी गठबंधन को बताया अननेचुरल

भुवनेश्वर, 10 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, गोवा, असम, सहित कई अन्य राज्यों में कैंडीटेट उतारने क बाद ओडिशा में भी लोकसभा चुनाव लड़ने के संकेत दिए हैं। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने नौ मार्च को एएनआई को बताया कि सीएम अरविंद केजरीवाल ने मुझे ओडिशा की स्थिति का जायजा लेने को कहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी ओडिशा में लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने चाहती है। बहुत जल्द लोकसभा प्रत्याशी घोषित कर दिए किए जाएंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ओडिशा में राजनीतिक स्थिति बहुत तेजी से बदल रही है। सत्तारूढ़ पार्टी बीजू जनता दल प्रमुख विपक्षी पार्टी बीजेपी के साथ गठबंधन कर रही है। सियासी लिहाज से यह बहुत अजीब स्थिति है। बीजेडी-बीजेपी का यहां पर अप्राकृतिक यानी अननेचुरल गठबंधन है। कोई भी इसे पचा नहीं पा रहा है कि बीजेडी बीजेपी के साथ गठबंधन क्यों कर रही है? इस राजनीतिक स्थिति ध्यान में रखते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मुझे और ओडिशा के प्रभारी को भुवनेश्वर भेजा है। सौरभ भारद्वाज ने बताया, हम समझते हैं कि ओडिशा में स्थिति बहुत तेजी से बदल रही है। इसलिए हमारी पार्टी ने यहां से चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। बता दें कि आम आमदी पार्टी दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और गोवा में कांग्रेस के साथ गठबंधन के तहत चुनाव लोकसभा चुनाव लड़ रही है। इसके अलावा, पंजाब में वो अकेले चुनाव मैदान में हैं।

'कपड़े फाड़े, गालियां दीं और लाठी-डंडों से पीटा' जेठ-जेठानी पर लगाया पिटाई का आरोप, एसपी से मांगा न्याय

शिवपुरी, 10 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में पारिवारिक विवाद में महिला की पिटाई का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने ही जेठ और जेठानी पर निर्वस्त्र पर उसकी पिटाई का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि उसने इस बारे में थाने में तहरीर भी दी। लेकिन वहां सामान्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया। जिसके बाद पीड़िता एसपी ऑफिस जा पहुंची। उसने कहा कि जेठ-जेठानी ने पहले उसके कपड़े फाड़े। फिर उसकी लाठी-डंडों से पिटाई की। इसलिए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। मामला करैरा विधानसभा के केरुआ गांव का है। जानकारी के मुताबिक, सुमित्रा (बदला हुआ नाम) ने बताया कि उसकी शादी कुछ साल पहले केरुआ गांव में हुई थी। इसी घर में उसकी बड़ी बहन की भी शादी हुई थी। शादी के बाद दोनों बहने आपस में देवरानी-जेठानी बन गईं। सुमित्रा ने बताया कि उसके जेठ को पसंद नहीं था कि वह और उसका पति उनके घर में आएं। इसी बात को लेकर दोनों परिवारों में आपस में नहीं बनती थी। वे लोग बात भी नहीं करते थे। धीरे-धीरे दुश्मनी बढ़ती गई। पीड़िता ने कहा, "शनिवार को मेरे पति काम से बाहर गए थे। मैं घर पर अकेली थी।

मैं हैंडपंप से पानी लेकर अभी घर आ रही थी कि रास्ते में मेरे जेठ और जेठानी ने मुझे रोक लिया। वे लोग मेरे साथ गाली गलौच करने लगे। लेकिन मैंने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया और पानी लेकर सीधे अपने घर आ गई। मगर जेठ-जेठानी भी मेरे पीछे-पीछे घर तक आ गए।"पीड़िता ने एसपी को आगे बताया, "जेठ-जेठानी ने फिर लाठी-डंडों से मुझे पीटना शुरू कर दिया। उन्होंने मेरे कपड़े फाड़ डाले। मैं चीखती-चिल्लाती रही। लेकिन उन्होंने मेरी एक न सुनी। बस मुझे पीटते रहे और वहां से चले गए।

मैं फिर मगरौनी थाने पहुंची। मैंने यहां मामला दर्ज करवाया। लेकिन पुलिस वालों ने मामूली सी धाराएं आरोपियों पर लगाईं। इसलिए मैं चाहती हूं कि मेरे मामले को गंभीरता से लिया जाए। उन दोनों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।"एसपी ने पुलिस वालों को इस मामले में एक्शन लेने को कहा है। जिस पर मगरौनी थाना प्रभारी जूली तोमर ने बताया पीड़िता ने उनके पास सिर्फ पिटाई का ही मामला दर्ज करवाया था। उस समय उसने निर्वस्त्र करने वाली बात नहीं बताई थी। हम मामले को गंभीरता से लेकर जांच करेंगे।

'भाजपा चाहती है कि पीएम मोदी नागपुर या पुणे से लडें'

संजय राउत ने टिकट बंटवारे को लेकर बीजेपी पर कसा तंज; बताई एमवीए की रणनीति

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। 2024: महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के बीच सीट शेयरिंग हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बताया कि सीट बंटवारा हो गया है। प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी भी हमारे साथ हैं। शिवसेना सांसद संजय राउत ने बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वे लोग महाविकास अघाड़ी, उद्धव ठाकरे और शरद पवार से डरते हैं। वे लोग परेशान हैं। महाराष्ट्र में 48 सीटें हैं और एमवीए 40+ पर जीत की तैयारी कर रहा है। हमारा मिशन है हर सीट पर जीतेंगे और लड़ेंगें।

उन्होंने आगे कहा कि देश की सत्ता में बदलाव की शुरुआत महाराष्ट्र से होगी। इसलिए भाजपा चाहती है कि प्रधानमंत्री मोदी नागपुर या पुणे से चुनाव लड़ें। उससे नितिन गडकरी का भी टिकट कट सकता है। बता दें कि लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 195 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई है। पीएम मोदी इस बार भी वाराणासी लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे।

अखिलेश यादव के बयान पर भड़के केशव प्रसाद मौर्या कहा- 'फिर हारेगी सपा की गुंडागर्दी, जीतेगी भाजपा'

लखनऊ, 10 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर की गई टिप्पणी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने तीखा पलटवार करते हुए दावा किया कि भाजपा फिर से चुनाव जीतेगी और ''सपा की गुंडागर्दी'' फिर हारेगी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''सपा मुखिया अखिलेश यादव जी ध्यान रखें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भारत ही नहीं, विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। " मौर्य ने इसी पोस्ट में कहा, ''भाजपा 2014, 2017, 2019 और 2022 का चुनाव (लोकसभा-विधानसभा) जीती और अब 2024 में भी जीतेगी! सपा की गुंडागर्दी फिर हारेगी! मोदी जी का अपमान,नहीं सहेगा हिन्दुस्तान! फिर एक बार मोदी सरकार।"

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को सपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मोदी का नाम लिए बगैर इशारों में उनकी तुलना हिटलर से की थी। अखिलेश यादव ने कहा था, ''जो लोग 2014 में (सत्ता में) आए थे, वे 2024 में (सत्ता से बाहर) जाने वाले हैं। कभी, 10 साल हिटलर का समय था। वह वहां 10 साल से ज्यादा नहीं रह सका। तो, अब इनके भी (स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर इशारा करते हुए) 10 साल भी पूरे हो गए हैं।'' एडोल्फ हिटलर दो अगस्त 1934 से 30 अप्रैल 1945 तक जर्मनी का फ्यूहरर (नेता) था। वह 30 जनवरी 1933 से 30 अप्रैल 1945 तक जर्मनी का चांसलर रहा। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने एक बयान जारी कर कहा कि अखिलेश यादव का बयान उनकी हताशा दिखाता है और वह 2024 में भाजपा को हराने का जो सपना देख रहे हैं वह मुंगेरीलाल के सपने जैसा है। चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने सपा को 2014, 2017, 2019 और 2022 में शर्मनाक हार दी है और यह सिलसिला 2024 ही नहीं ,आगे भी जारी रहने वाला है। उन्होंने कहा, ''मोदी जी के नेतृत्व में इस बार सपा उत्तर प्रदेश से पूरी तरह सफा हो जाएगी। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, इनकी हताशा बढ़ती जा रही है। गठबंधन सहयोगी एक-एक कर छोड़कर जा रहे हैं तो हताशा में मानसिक संतुलन खो गया है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 11 मार्च- 2024

चुनाव से हाथ छुडाते कांग्रेसी

मध्य प्रदेश में कांग्रेस विधानसभा चुनाव क्या हारी कि उसके कई दिग्गज नेता अब पार्टी से हाथ छुडा कर बीजेपी की शरण में पहुंच गए हैं। शनिवार को ही मध्य प्रदेश के कई कांग्रेसी नेता भाजपा में शामिल हो गए। यहां तक कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रह चुके केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी तक ने भाजपा से हाथ मिला लिया। इन सबको डर सता रहा था कि विधानसभा की तरह यदि लोकसभा भी हार गए तो क्या होगा? कांग्रेस के दिग्गज नेता मध्य प्रदेश से चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। एमपी में कांग्रेस के लिए योग्य उम्मीदवारों का अकाल पड गया है। यहां तक कि कमलनाथ और दिग्विजय सिंह तक भी चुनाव से हाथ खडा करना चाहते हैं। फिर भी कांग्रेस का कहना है कि हमारी पहली सूची तो आने दो। दूसरी ओर मध्य प्रदेश में बीजेपी ने 24 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस ने अभी तक उम्मीदवारों के नाम तक फाइनल नहीं किए हैं। चुनाव से पहले ही भोपाल स्थित दफ्तर में सन्नाटा पसरा है। जब आफिस का यह हाल है तो धरातल की तैयारी समझी जा सकती है। कांग्रेस नेतृत्व चाहता है कि कांग्रेस के दिग्गज कहे जाने वाले बड़े नेता चुनाव लड कर मिसाल पेश करें। जैसा कि छत्तीसगढ़ में पार्टी के कुछ बडे नेताओं ने मैदान संभाल लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से लेकर दिग्विजय सिंह तक लोकसभा चुनाव लडने का मन नहीं बना सके हैं। सुरेश पचौरी जैसे बड़े नेता टिकट मिलने के डर से पहले ही पार्टी छोड़कर जा चुके हैं। एमपी में कांग्रेस की स्थिति को इसी से समझा जा सकता है कि 29 में से अधिकांश सीटों के लिए कांग्रेस को एक से अधिक उम्मीदवारों का पैनल नहीं मिल रहा है। ऐसे में कांग्रेस के सामने चुनौती है कि बीजेपी के दिग्गजों के सामने मैदान में किसे उतारे। ऊपर से विधानसभा चुनाव हारने के बाद जीतू पटवारी को अध्यक्ष बना दिया गया। उनकी कार्यशैली का आलम यह है कि अभी तक वे एमपी में कांग्रेस इकाई का गठन तक नहीं कर पाए हैं। देखा जाए तो एमपी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद पार्टी नेताओं में हार का जबर्दस्त प्रभाव पडा है, उसी के बाद से ही पार्टी में भगदड़ मची हुई है। प्रदेश के हर इलाके के नेता लगातार पाला बदल रहे हैं। हार के डर से कांग्रेस में भगदड़ थम नहीं रही है। जमीनी स्तर पर संगठन भी हतोत्साहित है। भोपाल से लेकर दिल्ली तक के नेता एमपी में कांग्रेस की स्थिति से वाकिफ हैं। प्रदेश में कद्दावर चेहरों की बात करें तो दिग्विजय सिंह, कमलनाथ, अरुण यादव और अजय सिंह राहुल जैसे नेताओं की दिलचस्पी चुनाव लड़ने में नहीं दिखाई दे रही है। बीजेपी जहां एमपी में लोकसभा चुनाव की तैयारियों में दिन-रात एक की हुई है। वहीं, कांग्रेस कही नजर नहीं आ रही है। अभी कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में जुटे हैं या फिर सोशल मीडिया पर एक्टिव दिखते हैं। कांग्रेस की तरफ से न तो उतने दावेदार सामने आ रहे हैं और न जमीनी स्तर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की तैयारी दिख रही है। ऐसे में 29 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस के लिए उम्मीदवार ढूंढना आसान नहीं है। बहरहाल, अभी की स्थिति में तो कांग्रेस के पास 29 लोकसभा सीटों के लिए योग्य उम्मीदवार का मिलना ही संभव नहीं हो पा रहा है। चुनाव लड़ाने के लिए वो किसी को भी लड़ा सकते हैं। बीजेपी में लगातार पीढ़ी का बदलाव हो रहा है, जबकि कांग्रेस ने नेता बूढ़े होकर भी नई कोपलें नहीं निकलने दे रहे हैं। एमपी विधानसभा चुनाव में हार के बाद जीतू पटवारी और उमंग सिंघार को मौका मिला तो पार्टी के पुराने दिग्गज ही उन्हें सहित आपस में भी एक-दूसरे को ही निपटाने में लगे हैं। एमपी में ले-देकर दिग्विजय सिंह को छोड़कर वैसे कोई नेता भी नहीं बचा है। जो बचे हैं उन्हें भी सहेजने के लिए वह कोशिश भी नहीं दिखती है कि कांग्रेस को मजबूत कैसे किया जाए। अभी लोकसभा चुनाव की तैयारी करने का वक्त है तो आलाकमान भारत जोड़ो न्याय यात्रा में व्यस्त है। इसलिए एमपी में कांग्रेस की कोई तैयारी नजर नहीं आ रही है। जबकि बीजेपी उम्मीदवारों की लिस्ट आ जाने के बाद उनका एक राउंड जनसंपर्क अभियान भी पूरा हो चुका है। एमपी, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सिर्फ बीजेपी और कांग्रेस में ही मुकाबला है। इन तीनों राज्यों में कांग्रेस के पास बीजेपी की बड़ी तैयारी से निपटने की कोई रणनीति है। बड़े नेता लगातार पार्टी से दूर जाकर भाजपा को मजबूत करने में जुट गए हैं।

चार का फेर

सुनील कुमार महला

जब कोई व्यक्ति किसी कार्य में लगभग सफल होते हुए भी अंतिम समय में असफल हो जाना तो कहते हैं कि वह 'निन्यानवे के फेर' में फंस गया। मतलब यह कि 'निन्यानवे का फेर' बहुत नजदीक पहुंचकर भी अपने लक्ष्य को न प्राप्त कर पाने की स्थिति को दर्शाता है। खैर, जो है सो है। लेकिन आजकल लोग 'निन्यानवे के फेर ' में नहीं पड़ते। वो क्या है कि लोग आजकल सीधे 'चार सौ' के फेर में हैं।कभी अफ्रीकी व वेस्ट इंडीज के बल्लेबाज भी चार सौ के फेर में उलझे थे। वैसे शेयर बाजार का संवेदी सूचकांक भी जब यकायक चार सौ अंक तक बढ़ता है तो अलग ही बात होती है। वैसे इस चार सौ के फेर से राजनीति व राजनेता भी नहीं बच पाए हैं। चुनावी समय जो है। अबकी बार 'चार सौ पार'। निन्यानवे को लोग भूल गए और 'चार सौ' के फेर में फंस गए। सत्ताधारी 'चार सौ' के फेर में उलझे हैं। अब चार सौ को राजनीति में कोई चुनावी जुमला बताता है तो कोई अपना टारगेट। वैसे इस चार की चिन्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को ही है। खैर, हमें क्या लेना देना राजनीति और राजनीतिज्ञों से। वैसे न, चार का अंक है बड़ा खतरनाक। खतरनाक इसलिए क्योंकि ज्योतिष में ये नवग्रहों में राहु से जुड़ा हुआ अंक माना जाता है। इतना ही नहीं चार का अंक नेतृत्व कौशल वाले ऊर्जावान, जानकार, चतुर और आत्मविश्वासी व्यक्तियों को भी इंगित करता है। किसी फोर व्हीलर में भी हालांकि छह टायर होने पर भी वह फोर व्हीलर ही माना जाता है। इसलिए चार का अंक बड़ा करामाती और रहस्यमय ही है। चार की बात करें तो चार पर एक मुहावरा भी काफी फेमस है -'चार दिन की चांदनी और फेर अंधेरी रात।' इस मुहावरे को सुनकर सुनकर कभी कभी हमें डर लगने लगता है कि लोग चार या चार सौ के चक्कर में आखिर फंसे क्यों हैं ? कहते हैं कि विनायक चतुर्थी के दिन चंद्रमा नहीं देखना चाहिए। ऐसा करना अपशकुन माना जाता है। एक बात बताऊं यदि कोई पैदल यात्री कहीं पर जा रहा होता है और अपनी मंजिल के नजदीक जाकर जब वह किसी से रास्ता पूछता है तो अक्सर यही कहा जाता है कि बस चार कदमों पर ही आपकी मंजिल है। भले ही वह मंजिल चार किलोमीटर ही दूर क्यों न हो। दरअसल, चार शब्द आदमी को ढ़ाढस भी बंधाता है। बहरहाल, आपको याद होगा महान कवि चंद्रबरदाई ने पृथ्वीराज चौहान को 'चार बांस चौबीस गज, अंगुल अष्ट प्रमाण, ता ऊपर सुल्तान है मत चुके चौहान' पंक्तियां कहीं थी। इसलिए हमें तो चार और चार सौ से हमेशा से डर लगता है। लेकिन हम भी इस जमाने के साथ ही चलना चाहते हैं, क्यों कि जो व्यक्ति जमाने के साथ नहीं चलता वह जमाने में पिछड़ जाता है। हमारे चार काव्य संग्रह हैं और चार कहानी संग्रह। अब हम चाहते हैं कि हम भी चार सौ व्यंग्य लिखने का जुमला तो कम से कम छोड़ ही दें। हम भी गला फाड़ फाड़ कर चार चार चिल्लायेंगे तो क्या पता हम भी चार सौ व्यंग्य की एक किताब छाप पाए।

कब तक होते रहेंगे हरदा जैसे हादसे ?

रघु ठाकुर

6 फरवरी 2024 को हरदा (एम.पी.) में पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके में प्राप्त सूचनाओं के अनुसार 14 लोगों की मौत हुई एवं 174 लोग घायल हुए। इनमें से कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे और उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई थी। सोमेश फायर वकर्स में दिन 11:30 में यह धमाका हुआ तथा 32 अंपार्टमेंट में जो बारूद से भरे हुए थे एक के बाद एक विस्फोट होने लगे। विस्फोट इतना भारी था कि 400 मीटर की दूरी तक क्षत विक्षत मानव अंग गिरे। बताया जाता है कि, लगभग 400 लोग उस वक्त अपनी मजदूरी तलाशने गए थे और लगभग 300 लोग जो नियमित काम करने वाले थे उनमें से भी काफी लोग अभी भी लापता हैं और उनके बारे में कुछ कहा जाना कठिन है। वे मजदूर लोग भयभीत होकर भाग गए या मृत्यु के शिकार हो गए यह कहना भी कठिन है। बताया जाता है कि, फैक्ट्री के मालिक ने 10 -12 पोकलेन मशीन चलाकर लगभग 2 एकड़ जमीन को समतल कर दिया और इसलिए भी मृतकों की पूरी जानकारी नहीं मिल पा रही है। यह अचानक रात्रि में समतलीकरण क्यों किया गया यह एक गंभीर जांच का विषय है। हरदा के अनेक लोगों का कहना यह है कि, फैक्ट्री मालिक ने लाशों को दबाने के लिए यह किया है। फैक्ट्री के लाइसेंस के बारे में भी यह सूचना है की फैक्ट्री के लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं हुआ है जबकि कलेक्टर ने एस.पी. को कार्यवाही करने को लिखा था। फैक्ट्री मालिक के राजनीतिक रसूखों की चर्चा खबरों में है, और एक स्थानीय पूर्व मंत्री के साथ उनके दोस्ताना और खान-पान की भी चर्चा है। यह कोई आश्चर्यजनक भी नहीं है क्योंकि बिना राजनीतिक या प्रशासनिक पहुंच के ऐसे गंभीर आपराधिक मामले संभव नहीं है। यह भी खबरें आई है कि आसपास के खेतों में हजारों की संख्या में सुतली बम सूखने के लिए रखे गए थे। याने एक बड़े पैमाने पर सुतली बमों का निर्माण चल रहा था। घटना की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि स्वतः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी चर्चा में कहा कि पोखरन जैसा विस्फोट हुआ था। उन्होंने जिले के कलेक्टर व एस.पी. को भी हटाया। अब दो-तीन दिन के मीडिया व राजनेताओं का शोक पर्व भी समाप्त हो गया है। यह घटना केवल आर्थिक अपराधी के द्वारा की गई घटना नहीं है, बल्कि आर्थिक अपराधियों के साथ प्रशासनिक व राजनीतिक गठजोड़ की भी घटना है और ऐसी घटनाएं पिछले चार-पांच दशकों में लगातार और यदा-कदा होती रही है। यूनियन कार्बाइड की मिक गैस रिसाव की घटना हर 3 दिसंबर को अभी भी लोग याद करते हैं। शासन के प्रतिनिधि राज्यपाल वे शीर्ष पदों पर बैठे लोग, मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए कुछ औपचारिक जुलूस निकालते हैं और फिर सब शांत हो जाता है। अभी दिसंबर माह में ही गुना में एक बस दुर्घटना हुई थी। जिसमें अनेक लोग जलकर मर गए थे। इन जलकर मरने वालों में संघ के एक पदाधिकारी भी थे और इसके कारण सत्ताधारी दल में कुछ हलचल हुई तथा मुख्यमंत्री वहां गए भी और ट्रांसपोर्ट कमिश्नर एस.पी., कलेक्टर आदि को हटाने की घोषणा की गई। ऐसी और भी घटना घटनाएं होती रही है और हुई है। जिनमें मुख्यमंत्री जी ने कलेक्टर और एस.पी. को हटाया है। निसंदेह कलेक्टर और एस.पी. की जवाबदारी होती है, क्योंकि वह जिले के मुखिया है। हालांकि पिछले कुछ समय से आई.ए.एस व आई.पी.एस. में अधिकारों और पदों की ऊंचाई को लेकर काफी प्रतिस्पर्धा हो रही है। आई.पी.एस. कैडर के लोग अब यह मानने लगे हैं कि वे आई.ए.एस. से कम नहीं है और स्वतंत्र उपभोग चाहते हैं। पुलिस कमिश्नर प्रणाली को कुछ शहरों में लागू करने पर यह सब तर्क आए थे। यह भी सूचना मिली थी कि अब आई.पी.एस. चाहते हैं कि उनकी गोपनीय रपट उन्हीं के विभाग के अंदर लिखी जाए उसे कलेक्टर ना लिखें। जिससे उनके ऊपर होने वाला प्रशासनिक दबाव न रहे। हालांकि इन सब घटनाओं से प्रशासन पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है और एक प्रकार की अराजकता जैसी स्थिति बन रही है। हाल ही में एक खबर अखबारों में आई कि एक किसान ने साहूकारों के दबाव से आत्महत्या कर ली। उसकी आत्महत्या करने के पूर्व उसने लिखित रूप से कारण भी बताया था कि अमूक साहूकारों के भारी दबाव में वह आत्महत्या कर रहा है। मृतक किसान के परिजन पुलिस के पास रपट लिखाने गये पर पुलिस ने रिपोर्ट नहीं लिखी। वे जिले के पुलिस अधीक्षक के पास भी गए उन्होंने भी रपट लिखवाने में कोई मदद नहीं की। कलेक्टर ने एस.पी. से कहा उस पर भी एस.पी. ने ध्यान नहीं दिया और तब फिर कलेक्टर को एस.पी. से कहना पड़ा कि अगर आप एफ.आई.आर. नहीं दर्ज कराएंगे तो नौकरी नहीं कर पाएंगे। इसके बाद कहीं जाकर रपट लिखी जा सकी। यह प्रशासन की स्थिति है कि कलेक्टर भी जब तक धमकी ना दे तब तक रिपोर्ट नहीं लिखी जाती। इससे प्रशासन की स्थिति को समझा जा सकता है और हरदा जैसे होने वाले हादसों के पीछे की कहानी को समझा जा सकता है। निसंदेह मुख्यमंत्री ने जिले के कलेक्टर एस.पी. को हटाकर उनके अपने दृष्टिकोण से और मीडिया व जनता की दृष्टिकोण से एक कठोर संदेश दिया है, परंतु क्या ऐसे कठोर संदेशों के नाम से कोई हल निकल सकता है। पिछले दिनों इंदौर में एक धार्मिक स्थल पर बाउंड्री के ऊपर चबूतरा बना दिया गया था जो ढह गया और उस दुर्घटना में बहुत से लोग मारे गए थे। परंतु एक दो अधिकारियों के यहां वहां होने के अलावा सब जस का तस है। कलेक्टर और एस.पी. को हटाने से क्या उन्हें कोई दंड मिला और वास्तव में वह कितने जिम्मेदार है। क्या इसका कोई आंकलन हुआ? जो लोग हटाए जाते हैं वे कुछ दिन इंतजार करते हैं और घूम फिर कर कुछ दिनों बाद वे कहीं और पदस्थ कर दिए जाते हैं। कभी-कभी कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों को निलंबित किया जाता है, और कुछ समय की खानापूर्ति के बाद वे वापस हो जाते है। कुल मिलाकर ढाक के तीन पात वाली कहावत चरितार्थ होती है। कई बार ऐसा लगता है जब कोई सरकार बदलती है तो नया नेतृत्व पिछली सरकार के विश्वस्त अधिकारी साथियों को हटाना चाहता है, यह उस दल के कार्यकर्ता भी चाहते हैं और मुख्यमंत्री किसी न किसी बहाने के आधार पर उन्हें हटाकर अपना लक्ष्य पूरा कर लेते हैं। उनका भी उद्देश्य ऐसी आपराधिक घटनाओं को स्थाई रूप से रोकने के उपाय प्रयोग के रूप में नहीं होता है बल्कि अपने राजनीतिक दृष्टिकोण से अधिकारियों को बदलना होता है। अगर हम पिछले कई वर्ष तो छोड़ो, कई दशकों के अखबारों को उठाकर देखें तो ऐसी सैकड़ो घटनाएं अखबारों में दर्ज होगी जो उछलने के बाद दबा दी गई है। यह स्थिति अकेले मध्यप्रदेश की नहीं बल्कि लगभग समूचे देश की है। अब प्रश्न यह है कि, इसका हल क्या हो और कार्यवाही या सख्त कार्रवाई का अर्थ क्या हो तथा उसका स्वरूप क्या हो। आई.ए.एस., आई.पी.एस. अधिकारियों के लिए विशेष संवैधानिक सुरक्षा प्राप्त है और एक अर्थ में उनके ऊपर कार्रवाई का अधिकार भी केंद्र सरकार के पास होता है। क्योंकि वह केंद्रीय सेवाएं होती हैं राज्य सरकारों की भी अपनी सीमाएं होती हैं क्योंकि अगर राज्य व केंद्र में राजनीतिक सत्ता का फर्क है तो अमूमन व राज्य की सिफारिशों को नहीं मानते और नौकरशाह को जिम्मेदार बनने का थोड़ा बहुत भी खतरा नहीं रहता।

फिर आई.ए.एस., आई.पी.एस. की जांच भी उन्हीं के कैडर के लोग करते हैं और उनमें एक केडर का जातीय भाव होता है। वह एक दूसरे को बचाते हैं। उनमें भी आपस में खेमाबंदी होती है। केंद्र सरकार का प्रशासनिक विभाग भी बहुत कुछ कार्यवाही नहीं कर पाता। क्योंकि प्रक्रिया काफी लंबे समय चलती रहती है जिनमें बहुत समय निकल जाता है। और कई बार तो उत्तर प्रति उत्तर देते देते सरकार तक बदल जाती है।

अमृत महोत्सव के बाद भी हिंदी राष्ट्रभाषा के गौरव से वंचित

संजीव ठाकुर

देश की स्वतंत्रता के सात दशक गुजर जाने के बाद भी हिंदी भाषा को अभी तक राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं दिया गया है ? राष्ट्रभाषा बनने के साथ-साथ इतनी समृद्ध शाली, ऐतिहासिक हिंदी भाषा को कम से कम देश के हर प्रांत को एकता के सूत्र में बांधने वाली जन भाषा होनी ही चाहिए। अलग-अलग प्रदेशों कि स्थानीय मूल बोलियों, भाषाओं का हम कतई विरोध नहीं करते पर हिंदी को भारत में कम से कम सर्वोच्च सम्मान देकर राष्ट्रभाषा होने का गौरव हासिल होना ही चाहिए साथ ही स्थानीय भाषाओं से ऊपर हिंदी को जन भाषा का यथोचित सम्मान प्राप्त होना हो। यह अलग बात है कि भारत देश में अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग भाषाएं बोली जाती है और स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने 22 भाषाओं को संवैधानिक रूप से मान्यता प्रदान की है, पर हमारी हिंदी सर्वाधिक बोली जाने वाली तथा लिखी जाने वाली भाषा है। देश में हिंदी बोलने तथा पढ़ने वालों की संख्या लगभग 65 से 70 करोड़ है, यह भाषा की बहुलता ,विविधता ही है जिसके कारण भाषाई विवाद की स्थिति उभरी है, और सर्वाधिक नुकसान हिंदी को उठाना पड़ा है। वर्ष 2008 में विश्व हिंदी सम्मेलन न्यूयॉर्क (अमेरिका) में भारतीय साहित्यकारों, कवियों को चिंतकों ,प्रोफ़ेसर, चिंतकों, पत्रकारों ने बड़े जोर शोर से संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकारिक भाषा बनाने हेतु मान्यता देने के लिए पुरजोर कोशिश की थी। इस प्रयोजन में इन पंक्तियों का लेखक भी शामिल था,कोशिश तो हमेशा ही की जानी चाहिए और यह बड़ी ही सार्थक पहल भी थी, पर इसके पूर्व भारत के हिंदी साहित्य के विद्वानों को हिंदी को पहले अपने देश में राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलवाने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए। भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने भी कहा है, निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति के मूल। बिनु निज भाषा ज्ञान के मिटत ना हिय को शूल। देश में भाषाई विविधता के कारण हिंदी को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा है ।इसके अलावा कुछ स्वार्थी राजनीतिक के लोग नहीं चाहते कि हिंदी को सर्वोच्च सम्मान मिले और इसके लिए विभिन्न प्रकार के विरोध एवं आंदोलन भी करते रहे हैं, इसके अलावा लोगों को उकसा कर जन आंदोलन का रूप भी देने का प्रयास करते रहे हैं जो अत्यंत निंदनीय है। देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में यह महसूस किया था कि हिंदी दक्षिण भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर सबसे ज्यादा लोगों की संपर्क भाषा थी। देश के विभिन्न भाषा भाषी लोग हिंदी भाषा में ही संपर्क कर के अपने संदेश तथा सूचना एक दूसरों को प्रदान किया करते थे,और हिंदी भाषा के संपर्क सूत्रों के चलते ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अथक मेहनत कर हिंदी की सहायता से स्वतंत्रता प्राप्त की थी।

हिंदी की सार्वभौमिक स्थिति एवं बड़े समुदाय द्वारा बोले जाने वाली भाषा के रूप में स्थापित होने के बाद इसे राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया गया था। हिंदी एक व्यापक भाषा है जिस की लिपि देवनागरी होने के कारण अत्यंत सरल एवं आवश्यकता अनुसार दूसरी भाषाओं को और उनके शब्दों को बड़ी सुगमता से आत्मसात करने की क्षमता तथा विशालता है। हिंदी देशवासियों की भावनात्मक भाषा भी है इसका देश की एकता तथा अखंडता में एक का बड़ा योगदान रहा है। हिंदी एक बड़ी सक्षम तथा विशाल भाषा का दर्जा भी रखती है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा कि हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिस जिस ने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया। 14 सितंबर 1949 को संविधान की सभा ने एकमत से हिंदी को भारत की राजभाषा बनाए जाने का निर्णय भी लिया इसीलिए भारत में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का संकल्प लिया गया। हिंदी दिवस मनाए जाने का एकमात्र उद्देश्य इसके व्यापक प्रचार-प्रसार एवं राजकीय प्रयोजनों में इसके ज्यादा से ज्यादा उपयोग को बढ़ावा देने का है। केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में देखा गया है कि वहां पर स्लोगन दीवारों पर लिखे गए हैं कि हिंदी का उपयोग लिखने एवं पढ़ने के लिए ज्यादा से ज्यादा करें। विडंबना यह है कि भारत में ही हिंदी के प्रचार-प्रसार की हमें आवश्यकता पड़ रही है। यद्यपि ऐसा होना नहीं चाहिए। हिंदी को राष्ट्रभाषा बना कर इसका अनिवार्य रूप से उपयोग शासकीय कार्यालयों तथा जनसभाओं में किया जाना चाहिए देश के पूरे प्रदेशों में इसको समान रूप से स्वीकृत भाषा का दर्जा दिया जाना चाहिए। हमने इंग्लैंड, अमेरिका, स्विजरलैंड और अन्य देशों की यात्राएं भी है पर वहां कहीं भी उनकी अपनी भाषा के उपयोग के लिए कार्यालय में स्लोगन लिखा जाना नहीं देखा गया,तो भारत में ही क्यों। सवाल इसलिए उठता है कि हमारे दक्षिण तथा कुछ अन्य राज्यों में हिंदी को हिकारत की नजर से देख कर हिंदी वासियों से दूरी बनाई रखी जाती है। यह भी हिंदी भाषा तथा देश के लिए विडंबना ही है। एनी बेसेंट ने बिल्कुल सच कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सर्वाधिक प्रभावशाली बन कर उभरी है वह है हिंदी भाषा। जो व्यक्ति हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर सकता है पर हिंदी बोलने वालों से हर तरह की जानकारी भी प्राप्त कर सकता है। हिंदी का बड़ा नुकसान अंग्रेजी भाषा ने भी किया है दक्षिण में स्थानीय भाषाओं के अलावा अंग्रेजी बहुतायत में बोली जाती है पर ना जाने क्यों हिंदी बोलने से बेशक परहेज करते हैं। सबको अपनी भाषा बोलने का अधिकार है पर हिंदी का अपमान करने का अधिकार देश में किसी को नहीं होना चाहिए। कई विद्वानों के सर्वे में यह तथ्य सामने आया है कि इस विश्व में हिंदी सर्वाधिक बोले जाने वाली भाषा है उसने अंग्रेजी भाषा को पीछे छोड़ दिया है। यह सर्वे की रिपोर्ट कितनी प्रमाणित है यह तो मालूम नहीं लेकिन निकट भविष्य में ऐसी संभावनाएं बन सकती है कि जब हिंदी वैश्विक भाषा बनकर तेजी से उभरेगी। हिंदी को राजभाषा से राष्ट्रभाषा बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भी शासन ने अनेक योजनाओं को मूर्त रूप दिया है जिनमें कक्षाओं कवि सम्मेलन नाटकों संगोष्ठी में हिंदी अनुसंधान ओ हिंदी टंकण आदि के बढ़ावा देने के साथ हिंदी पत्र-पत्रिकाओं को भी आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रयास किया है ।दूसरी तरफ कंप्यूटर, इंटरनेट, ई बुक, विज्ञापन ,टेलीविजन तथा अन्य मीडिया के साधनों के क्षेत्र में हिंदी का अधिकतम उपयोग करने की समझाइश दी गई है, ताकि इसका विकास एवं संवर्धन किया जा सके। हिंदी भाषा भारत के अलावा मॉरीशस, फिजी, श्रीलंका जैसे देशों में बोली वह समझी जाती है। हिंदी के विशेष प्रचार प्रसार के लिए विश्व हिंदी सम्मेलन अलग-अलग देशों में आयोजित किए जाते रहे हैं। वैसे वैश्विक स्तर पर 10 जनवरी को हिंदी दिवस मनाने की परंपरा लागू की गई है।

हिंदी के प्रचार प्रसार तथा संवर्धन के लिए 10 जनवरी 1975 को नागपुर में विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया गया पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी ने कहा था हिंदी का प्रचार और विकास अब कोई रोक नहीं सकता है।

सावधान ! खुलने वाले है घोषणा पत्र यानी वादों के पिटारे

प्रियंका सौरभ

मेनिफेस्टो यानी घोषणा पत्र, यह नाम किसी भी चुनाव से पहले चर्चा में आ जाता है। यह वह दस्तावेज होता है जो चुनाव लड़ने वाले सभी राजनीतिक दल जारी करते हैं। इसमें वे जनता के सामने अपने वादे रखते हैं। इसके जरिए बताते हैं कि वे चुनाव जीतने के बाद जनता के लिए क्या-क्या करेंगे। उनकी नीतियां क्या होंगी। सरकार किस तरह से चलाएंगे और उससे जनता को क्या फायदा मिलेगा। चुनाव के लिए घोषणा पत्र प्रोहिबिटरी पीरियड में नहीं जारी किया जाएगा। यह निर्देश जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1951 की धारा 126 के अनुसार दिया गया है। इसी अधिनियम के अनुसार यह भी कहा गया है कि अगर चुनाव कई चरणों में होते हैं तो भी निषेधात्मक अवधियों (प्रोहिबिटरी पीरियड) में घोषणा पत्र नहीं जारी किया जाएगा। बताते चलें कि आरपी अधिनियम की धारा 126 के अनुसार यह प्रोहिबिटरी पीरियड चुनाव खत्म होने से पहले के 48 घंटे हैं यानी मतदान के 48 घंटे पहले से घोषणा पत्र जारी करने पर रोक लग जाती है। हालांकि, वास्तविकता में घोषणा पत्र वादों का पिटारा मात्र होता है, जिनसे जनता को लुभा कर वोट मांगा जाता है। ये वादे कितने पूरे होते हैं, यह अलग चर्चा का विषय है। आख़िरकार ये चुनावी वादे और क़र्ज़माफ़ी देश के हित में है या फिर उसे और गर्त में ले जाने का काम करेंगे।-राजनीतिक पार्टी ही नही/ तुम्हारे सौदागर हैं! हम/ आइये! तुम्हारी कीमत लगाते हैं/ तुम चुप ही रहना/ मुँह न खोलना/ तुम्हारी हैसियत जानते हैं/ झूठ बोलकर, लालच दिखाकर/ सपनों की दुनिया में/ सैर करवाते हैं/ इसीलिए तो/ चुनावी घोषणा पत्र लाते हैं। भारतीय राजनीति में यह सामान्य तौर पर देखा गया है कि जब चुनाव नज़दीक आते हैं तब विभिन्न राजनीतिक पार्टियाँ अपना-अपना 'घोषणा-पत्र' जारी करती हैं। इस घोषणा-पत्र में उन पार्टियों की भावी योजनाएँ और वायदे लिखे होते हैं। घोषणा-पत्र जारी करना चुनाव आचार संहिता के अनुकूल है। परंतु, समय के साथ-साथ राजनीतिक पार्टियाँ इस अधिकार का दुरुपयोग करने लगी हैं। नियमों के अनुसार, घोषणा-पत्रों में नीतिगत योजनाएँ सम्मिलित होनी चाहिये जैसे अमुक पार्टी सत्ता में आई तो उसकी शिक्षा और रोजगार को लेकर 'ऐसी' नीति होगी आदि। वर्तमान में यह चलन हो गया है कि राजनीतिक पार्टियाँ वोटरों को लुभाने के लिये मुफ़्त उपहारों की घोषणा करने लगी हैं। जैसे- यदि हम सत्ता में आए तो टेलीविज़न मुफ़्त देंगे या लैपटॉप या बिजली के बिल माफ कर देंगे आदि। सत्ताधारी पार्टी या बड़ी राजनीतिक पार्टियों की ऐसी घोषणा किसी स्वतंत्र उम्मीदवार के 'चुनाव में समान अवसर के अधिकार' का सीधा उल्लंघन है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस संबंध में चुनाव आयोग को उचित दिशा-निर्देश तैयार करने का आदेश दिया है। दूसरा मुद्दा यह है कि मुफ़्त उपहारों के वायदे पूरे करने के लिये सत्ता में आई पार्टी 'लोकनिधि' पर अनावश्यक भार डालती है और जो पैसा पूंजी निर्माण में लगना चाहिये था, उससे मुफ़्त उपहार या सब्सिडी दी जाती है। यह सत्य है कि जनता के पैसे से जनता के लिये ही ऐसा किया जा रहा है परंतु यह मुफ़्तखोरी अन्ततः लोकतंत्र के लिये ही घातक होती है। दर शांत शासन प्रशासन/ देने की! प्रमुखता से बात उठाते हैं/ जीतने के बाद/ इसके विपरीत करवाते हैं/ सुंदर जीवन क्या/ सपने भी छीन लेते हैं/ नक्सली, देशद्रोही/ हरिजन और वनवासी/ कहकर शोषण-उत्पीड़न/ करवाते हैं!/ चुनाव आते ही/ उन्हें भी हिन्दू बताते हैं/ इसीलिए तो/ चुनावी घोषणा पत्र लाते हैं। अमेरिका जैसे देश में आमतौर पर घोषणा पत्र में आर्थिक-विदेश नीति, स्वास्थ्य की देखभाल, शासन में सुधार, पर्यावरण से जुड़े मुद्दों और इमिग्रेशन आदि को शामिल किया जाता है। इनमें किसी तरह के खास लाभ की बात नहीं की जाती है। भारत में मुद्दों को तो शामिल किया ही जाता है, घोषणा पत्र में विशेष फायदों को भी मिलाने की परंपरा सी देखी जाती है। यहां कई बार राजनीतिक दल मुफ्त रेवड़ियां (फ्रीबीज) तक को अपने घोषणा पत्र में शामिल कर लेते हैं, जिसका मुद्दा सुप्रीम कोर्ट तक में उठ चुका है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर भारतीय चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों के लिए घोषणा पत्र जारी करने को एक निश्चित गाइडलाइन तय कर दी हैं। कोई भी मुफ्त वितरण (फ्रीबीज) वास्तव में सभी लोगों पर असर डालता है। ऐसे में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव नहीं हो पाते। साथ ही देश में ऐसा कोई प्रावधान भी नहीं है जिससे मेनिफेस्टो में की जाने वाली घोषणाओं को कंट्रोल किया जा सके।इसलिए कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि राजनीतिक दलों से बात करके गाइडलाइन तैयार करे।

रहिमन जिह्वा बावरी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

वाकिंग करते-करते पुराने जूते फट गए थे। सोच रहा था नए जूते ले लूँ। इधर कुछ दिनों से हाथ बड़ा तंग चल रहा था। जैसे-तैसे पैसों का जुगाड़ हुआ। अपने करीबी साथी के सामने जूते खरीदने की बात यह सोचकर रखी कि वह किसी अच्छे ब्रेंड का नाम सुझाएगा। किंतु अगले कुछ मिनटों में उसने मेरा ऐसा ब्रेन वाश किया कि नए जूते खरीदना तो दूर सोचने से भी हाय-तौबा कर ली। मित्र ने बताया कि नए जूते शोरूम से ऐसे निकलते हैं मानो उनकी जवानी सातवें आसमान पर हो। उनके रगों में गरम लहू ऐसा फड़फड़ाता है मानो जैसे जंग में जा रहे हों। बिना किसी सावधानी के इन्हें पहनना बिन बुलाए आफत को दावत देने से कम नहीं है। पैरों को ऐसे काटेंगे जैसे कि केंद्र और राज्य सरकार जीएसटी के नाम पर पेट्रोल-डीजल का टैक्स काटते हैं। हाँ यह अलग बात है कि आम लोगों के लिए जीएसटी की समझ अभी भी दूर की पौड़ी है, किंतु नए जूतों का चुर्रर करने वाला संगीत भुलाए नहीं भूलते। मित्र ने नए जूतों का इनसाइक्लोपीडिया ज्ञान बाँटते हुए आगे कहा – यदि भूल से भी नए जूते खरीद लिये तो इन्हें कभी पास-पास मत रखना। दोनों ऐसी खिचड़ी पकायेंगे कि तुम्हारा जीना हराम कर देंगे। दोनों की ऐसी सांठ-गांठ होगी मानो वे जूते नहीं विपक्षी पार्टी हों। बात-बात में तुम्हारे विरोध में आवाज़ बुलंद करेंगे। इन्हें भूल से भी कैलेंडर, घड़ी, समाचार पत्रों की रैक के पास मत रखना, वरना ये कभी वेतन वृद्धि की मांग तो कभी काम करने के घंटों को लेकर तुम्हारे पीछे हाथ धोकर पड़ जायेंगे।

कभी मंदिर जाने का प्लान बनाओ तो इनके साथ भूलकर भी न जाना। यदि इन्हें पता चल गया कि तुम बिना कोई मेहनत किए भगवान भरोसे अपना भाग्य बनाना चाहते हो तब तो तुम्हारी खैर नहीं। ऐसा काटेंगे तुम्हें तुम्हारी सातों पुश्तें याद आ जायेंगी। मुझे लगा मित्र 'नव जूता बखान' से थक गया होगा। उसे एक गिलास पानी देना चाहिए। किंतु मित्र था कि थकने का नाम ही नहीं ले रहा था। न जाने कौनसी एनर्जी ड्रिंक पीकर आया था? उसने आगे कहा – अभी तो मैंने तुम्हें सबसे जरूरी बात बताई ही नहीं।

इन्हें भूल से भी पत्नी के आस-पास फटकने मत देना। ये बड़े चुगली खोर होते हैं। अपने रूप-रंग से पत्नी के सामने तुम्हारे सारे काले चिट्ठे खोलकर रख देंगे। ये तुम्हें चलने में साथ दे न दें लेकिन पिटाई में जरूर साथ देंगे। ये ऐसी-ऐसी जगह पर अपना निशान बनायेंगे कि न किसी को दिखाए बनेगा न बताए। इतना सुनना था कि मेरे होश उड़ गए। जैसे-तैसे होश में आते हुए हिम्मत की और पूछा - तो क्या नए जूतों का ख्याल दिमाग से निकाल दूँ? इस पर मित्र ने कहा – सावधानी बरत सकते हो तो खरीदो, नहीं तो हाय-तौबा कर लो।

शिव के इस रूप में छिपी है पुरुष-नारी की समानता

एक दूसरे के पूरक हैं शिव और शक्ति

दरअसल जब भी हम 'बराबरी' की बात करते हैं तो इसके पीछे भाव आता है 'तुलना' का। आप कसिी के बाराबर हैं, ये बात आप तभी सद्धि कर सकते हैं जब आप गणना के आधार पर तय करेंगे कि 2 चीजों में कौनसी चीज बेहतर है। ये बहस 'बराबरी' से 'बेहतर' होने की तरफ कब बढ़ जाती है, ये भनक तक नहीं लगती। ज्योतषि, श्रुति खरबंदा बताती हैं, 'शवि का अर्धनारीश्वर रूप अपने आप में इस बहस को समाप्त करने और समाज में नारी व पुरुष के स्थान को दर्शने के लिए काफी है। जब बराबरी की बात होती है तो कंपेरसिन होता है, लेकिन अगर आप शिव के स्वरूप को समझें तो शिव और शक्ति एक दूसरे के पूरक हैं। शवि का अर्धनारीश्वर स्वरूप इस बात को खूबसूरती से समझाता है।

महिला-पुरुष 'कंप्लीट' करते हैं, 'कंपीट' नहीं

हमाने दर्शन में कहा गया है, पुरुष और प्रकृति एक दूसरे के पूरक हैं। यहां पुरुष शवि को माना गया है और प्रकृति पार्वती हैं। एक के बिना दूसरे का अस्तित्व संभव ही नहीं है। शिव स्थिरता है, जो सृष्टि के सृजन के लिए जरूरी है, वहीं प्रकृति रचनात्मक होती है, वही रचना करती है। इसे ऐसे समझें, जैसे एक पौधा होता है, जिसे उगने के लिए जमीन चाहिए। धरती की स्थिरिता के बिना पौधा विकसित नहीं हो सकता, वहीं इसके विपरीत पौधा जन्म है, रचना है। यदि पौधे की रचना नहीं है यानी जमीन बंजर है तो वह धरती भी अधूरी है। यानी पौधा और धरती एक-दूसरे के पूरक हैं। बस यही धरती की स्थिरता शिव हैं यानी पुरुष है और पौधे की रचना पार्वती हैं, यानी नारी हैं। शिव उच्चता का भाव नहीं देते, वह के साथ संपूर्णता का भाव देते हैं। शक्ति के बिना शिव भी उतने ही अधूरे हैं, जितना शक्ति, शिव के बिना। अर्द्धनारीश्वर का ये रूप ही हमें समझाता है कैसे नारी और पुरुष एक दूसरे के पूरक हैं, प्रतियोगी नहीं। महिला और पुरुष एक दूसरे को 'कंप्लीट' करते हैं, एक-दूसरे से 'कंपीट' नहीं।

अर्धनारीश्वर रूप से समझाई ब्रह्मा को सृष्टि की रचना

इसे आगे समझाते हुए प्रसिद्ध ज्योतिषी, श्रुति खरबंदा बताती हैं, 'अगर दर्शन के नजरिए से समझें तो सांख्य दर्शन में भी पुरुष को नित्य, अविनाशी कहा गया है। पुरुष यानी शिव। वहीं प्रकृति, जो पार्वती हैं, उन्हें गुण कहा गया है। ये दोनों अपनी-अपनी जगह सृष्टि की संरचना के लिए जरूरी हैं और इसलिए यहां तुलना नहीं बिल्क पूरकता का गुण आता है। जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की तो हर दिन निर्माण कराना उनके लिए भी असंभव था। प्रतिदित जीवों का निर्माण करना था। ऐसे में सवाल उठा कि सृष्टि को सुचारू रूप से कैसे चलाया जाए। तब शिव ने अपने इसी अर्धनारीश्वर रूप के जरिए उन्हें सृष्टि के निर्माण की बात की। यानी पुरुष और प्रकृति एक दूसरे के पूरक हो जाएं तो सृष्टि के सृजन की प्रक्रिया अपने आप होती चली जाए।

ज्ञान की दृष्टि से देखें स्त्री का सौंदर्य

शिव पुराण के अनुसार, जब पार्वती शिव को पाने के लिए साधना करती हैं, तो शिव उन्हें ध्यान से देखते हैं। वे इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि सती ही पार्वती हैं। वे सोचते हैं कि यदि वे अपनी आंखे बंद कर लेंगे, तो वह काली में बदल जाएंगी और उनका रूप भयंकर हो जाएगा। अगर वे आंखें खोले रहेंगे, तो वह सुंदर और सुरूप गौरी बनी रहेंगी।

इसके आधार पर वे यह बताना चाहते हैं कि अगर प्रकृति को ज्ञान की दृष्टि से न देखा जाए, तो वह डरावनी हो जाती है। यदि ज्ञान के साथ देखा जाए तो वह सजग और सुंदर प्रतीत होती है। पार्वती शिव को अपना दर्पण दिखाती हैं, जिसमें वे अपना शंकर (शांत) रूप देख पाते हैं।

अस्तित्व परमात्मा का मंदिर है

मेरी दृष्टि में संन्यासी ऐसा ही व्यक्ति है जो एक तरफ भूमि में जड़ें जमाता है और दूसरी तरफ आकाश की ओर पंख फैलाता है। जो भूमि में ही रह जाते हैं, वे नासमझ हैं। और जो भूमि के डर के कारण सिर्फ आकाश की आकांक्षा करने लगते हैं, वे भी उतने ही नासमझ हैं। जिनको तुम गृहस्थ कहते हो, वे भूमि में ही पड़े रह जाते हैं, बीज की तरह। और जिनको तुम अब तक साधु-संत कहते रहे हो, वे भाग खड़े होते हैं भूमि से, डर के कारण कि कहीं भूमि में जड़ें न जम जाएं, कहीं संसार जकड़ न ले। भाग जाते हैं दूर जंगल में, इस आशा में कि इस तरह आकाश की तरफ उड़ सकेंगे। लेकिन आकाश की तरफ जाने का एक ही उपाय है—बड़ा विरोधाभासी उपाय है—भूमि में जाओ गहरे, तो आकाश में उठोगे ऊंचे। जितनी होगी गहराई तुम्हारी जड़ों की, उतनी ऊंचाई होगी तुम्हारी शाखाओं की। अगर तुम पाताल छू लोगे जड़ों से, तो तुम आकाश छू लोगे अपने फूलों से। अंधकार में दबा हुआ मैं मुझको अनजाना रहने दो! जीवन-शक्ति तुम्हें जो दी है उससे बेधो तमस-भार यह बढ़ो जिधर तुमको पुकारता है प्रकाश रवि की किरणों का! नाता मत तोड़ो धरती से,यह माता है! जीवन-रस तुमको देती है! पर न अनसुनी करो व्योम की भी पुकार, उस ओर बढ़ो तुम मुक्त वायु में! तुम्हें पल्लवित पुष्पित होकर नत-मस्तक ही सहना होगा भार फलों का! तभी सार्थक मैं भी होऊंगा! छोड़ो मेरा मोह बढ़ो तुम रवि-किरणों की ओर बढ़ो ले मुक्त वायु में सांस सदा तुम मुक्त गगन की ओर! इस दोहरे रूप को जो एक साथ सम्हाल लेता है, इस द्वंद्व को जो एक साथ सम्हाल लेता है, इस द्वैत के बीच जो अद्वैत साध लेता है आकाश और पृथ्वी के बीच, वही मेरा संन्यासी है। जो संसार में होकर और संसार का नहीं है। संसार में जड़ें जमाए है, मगर जिसकी अभीप्सा आकाश की है। जो शरीर में है और आत्मा की तलाश में लगा है। शरीर जिसका मंदिर है।

यह अस्तित्व परमात्मा का मंदिर है। मैं तुम्हें किसी ऐसे प्रेम की शिक्षा नहीं दे रहा हूं जो जीवन-विरोधी हो। मैं तुम्हें ऐसे प्रेम की शिक्षा दे रहा हूं कि जिसके माध्यम से ही तुम्हें परिपूर्ण जीवन के दर्शन होंगे। परिपूर्ण जीवन का दर्शन ही तो ईश्वर-दर्शन है। ईश्वर और क्या? जीवन की समग्रता, जीवन की परिपूर्णता, जीवन की पूरी निश्छलता, जीवन का पूरा निर्दोष रूप, जीवन का परम निखार, जीवन की आत्यंतिक ऊंचाई। और काश ऐसा हो सके, तो राम-राज्य अभी हो सकता है। मेरे लिए अभी है! जो व्यक्ति भी जागा, वह राम-राज्य में है। राम-राज्य से मेरा मतलब दशरथ के बेटे राम से नहीं है। राम से मेरा अर्थ है: प्रभु का राज्य। जिसको जीसस किंगडम ऑफ गॉड कहते हैं, प्रभु-राज्य। आएगा वह दिन, बहुत ही शीघ्र आएगा। जब मदी बिलकुल बदल कर स्वच्छ, शीतल, सौम्य, शोभायुक्त, नई हो जाएगी,जिस तरह कोई नहा कर स्वच्छ हो जाए। व्योम यह उजली किसी कोमल विभा से पूर्ण होगा। और यह नैराश्य तम का भाग जाएगा। आदमी को पंख निकलेंगे। जहां तक स्वप्न उड़ता है वहां तक आदमी निर्बंध होकर उड़ सकेगा। बसंती वायु के मादक झकोरों में उड़ेंगे रक्तलोचन श्वेत पारावत खुशी से। सुनेगी शांति का कूजन मही सर्वत्र सुख से। गगन पर जो घिरेंगे मेघ वे पीयूष देंगे। दिवस में सूर्य से संजीवनी, निशि में सुधाकर से सुधा की बूंद टपकेगी। नहीं, मैं भविष्य की बात नहीं कहता। मैं यह नहीं कह सकता—आएगा वह दिन, बहुत ही शीघ्र आएगा।

(क्रमशः)

घर में फिश एक्वेरियम रखने से पहले जान लें 5 वास्तु नियम

कितनी हो मछली की संख्या? दिशा-स्थान भी महत्वपूर्ण

घर की सभी वस्तुएं वास्तु शास्त्र के अनुसार न रखीं हों तो इसका जीवन पर गहरा प्रभाव देखने को मिलता है। इन्हीं चीजों में से एक है फिश एक्वेरियम, जिसे घर में रखना बहुत शुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मछली सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर नकारात्मक ऊर्जा को बाहर निकालने में सक्षम होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं फिश एक्वेरियम को रखने की सही दिशा कौनसी है? अगर नहीं तो इस विषय में विस्तार से बता रहे हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा। साथ ही ये भी जानेंगे कि फिश एक्वेरियम में कितनी मछली रखना शुभ होता है।

एक्वेरियम में कितनी हो फिश?

फिश एक्वेरियम में ज्यादा या कम मछलियां नहीं रखें। वास्तु के अनुसार एक्वेरियम में 9 मछलियां रखना सबसे शुभ माना जाता है। जिसमें 8 नारंगी और एक काली मछली रखनी चाहिए।

किस दिशा में रखें एक्वेरियम

फिश एक्वेरियम रखने की सबसे अच्छी जगह उत्तर पूर्व दिशा मानी जाती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की इस दिशा में फिश एक्वेरियम रखने से घर में शांति बनी रहती है और तनाव भरा माहौल खत्म हो जाता है।

मछली पालना माना जाता है शुभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार जो व्यक्ति घर में मछली पालता है, उसके जीवन में सकारात्मकता बढ़ती है और सफलता प्राप्त होती है। सौभाग्य की प्राप्ति के लिए आप भी अपने घर में फिश एक्वेरियम रख सकते हैं।

इन 2 जगहों पर न रखें फिश एक्वेरियम

वास्तु शास्त्र के अनुसार फिश एक्वेरियम भूलकर भी किचन में नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा आप इसे बेडरूम में भी नहीं रखें। अगर आप इन जगहों पर एक्वेरियम रखते हैं तो इससे आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

इस दिशा में न रखें एक्वेरियम

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की दक्षिण दिशा में एक्वेरियम नहीं रखना चाहिए। इससे आपकी आय में घाटा होता है, इसिलए घर की दक्षिण में दिशा में भूलकर भी एक्वेरियम न रखें।

जीवन के ये तीन प्रश्न बना देंगे आपको एक बेहतरीन इंसान

सुकरात अपनी विद्वता और विनम्रता के लिए काफी मशहूर थे। एक बार वह बाजार से गुजर रहे थे कि उनका एक परिचित मिला। उसने सुकरात को नमस्कार किया और कहा, "जानते हैं, कल आपका मित्र आपके बारे में क्या कह रह रहा था।"

सुकरात ने उसे बीच में ही रोका और बोले, "मित्र, मैं तुम्हारी बात जरूर सुनूंगा, पर पहले मेरे तीन प्रश्नों के उत्तर दो। पहला प्रश्न यह है कि जो बात तुम मुझे बताने जा रहे हो, क्या वह पूरी तरह सही है ?"

उस आदमी ने कुछ सोचा, फिर कहा, "नहीं, मैंने यह बात सुनी है।"

यह सुनकर सुकरात बोले, "इसका मतलब तुम्हें पता ही नहीं है कि वह सही है। खैर, मेरा दूसरा प्रश्न है- क्या तुम जो बात मुझे बताने जा रहे हो, वह मेरे लिए अच्छी है ?"उस आदमी ने तत्काल कहा, "नहीं, वह आपके लिए अच्छी तो नहीं है। आपको उसे सुनकर दुख होगा।"

इस पर सुकरात ने कहा, "अब तीसरा प्रश्न, तुम जो बात मुझे बताने जा रहे हो, क्या वह मेरे किसी काम की है ?"

उस व्यक्ति ने कहा, "नहीं, उस बात से आपका कोई काम नहीं निकलने वाला।"

तीनों उत्तर सुनने के बाद सुकरात बोले, "ऐसा बात जो सच नहीं है जिससे मेरा कोई भला नहीं होने वाला, उसे सुनने से क्या फायदा और तुम भी सुनो ! जिस बात से तुम्हारा भी कोई फायदा नहीं होने वाला हो, वैसी बात तुम भी क्यों करते हो ?" यह सुनकर वह व्यक्ति लज्जित हो गया और चुपचाप वहां से चला गया।

भूलकर भी घर में न लगाएं करेला बिगड़ सकती है आर्थिक स्थिति

अक्सर आपने बहुत से घरों में सब्जी लगे देखा होगा। बेशक घर में लगी सब्जी केमिकल फ्री और पौष्टिक होती है, लेकिन वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसी सब्जियों के बारे में विस्तार से बताया गया है, जिन्हें घर में नहीं लगना चाहिए। इन्हीं सब्जियों में से एक है करेला। कई औषधीय गुण से भरपूर करेला घर में लगाना अशुभ माना जाता है। इसे घर में लगाने से किस तरह की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है और इसे कहां लगाना सही है?

घर में करेला लगाएं या नहीं

वास्तु शास्त्र के अनुसार करेला एक ऐसी सब्जी है, जिससे निकलने वाली ऊर्जा नकारात्मक होती है। जिस घर में करेले की बेल लगी होती है उस घर में वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है, जिसकी वजह से घर के सदस्यों के ऊपर नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलता है।

घर के बाहर लगाएं करेला

वास्तु शास्त्र के अनुसार करेले को घर में नहीं लगाना चाहिए। इसको आप घर के बाहर लगा सकते हैं लेकिन ध्यान रहे घर के बाहर दक्षिण दिशा में करेले की बेल नहीं लगाएं। इससे आपके घर में क्लेश उत्पन्न हो सकता है।

कर्ज में डूब सकते हैं

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में करेले की बेल लगाने से व्यक्ति आर्थिक तंगी से परेशान हो सकता है और कर्ज में डूब सकता है। ये भी कहा जाता है कि अगर घर में करेला लगा हो तो आप कितना भी पैसा कमा लें, आपके पास वो पैसा ठहर नहीं सकता।

मान-सम्मान में कमी

वास्तु शास्त्र के अनुसार, जिस व्यक्ति के घर में करेले की बेल लगी होती है, उस घर के सदस्यों को ज्यादातर अशुभ फलों की प्राप्ति होती है। इसके अलावा वहां के लोगों के मान-सम्मान में कमी आती है और उन्हें कई जगहों पर अपमानित होना पड़ सकता है।

मुश्किल से मुश्किल काम को इस तरह किया जा सकता है पूरा

एक समय मशहूर वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन अपने एक सहायक के साथ ऑफिस में काम कर रहे थे। काम खत्म होने के बाद ढेर सारे इकट्ठा हुए कागजों को बांधने एक समय मशहूर वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन अपने एक सहायक के साथ ऑफिस में काम कर रहे थे। काम खत्म होने के बाद ढेर सारे इकट्ठा हुए कागजों को बांधने के लिए वह पेपर क्लिप ढूंढने लगे। कागज महत्वपूर्ण थे, इसलिए उन्हें बांधना जरूरी था, वरना वे इधर-उधर हो जाते लेकिन सहायक को कहीं भी पेपर क्लिप नजर नहीं आ रहा था।

आइंस्टीन को एक खराब मुड़ा हुआ क्लिप मिला, मगर उसे सीधा करना जरूरी था, तभी वह काम आ सकता था। आइंस्टीन उसको सीधा करने में जुट गए। काफी देर हो गई। इसी बीच उनका सहायक बाजार से पेपर क्लिप का एक नया पैकेट खरीदकर ले आया। उसने नया पेपर क्लिप लेकर उन कागजों में लगा दिया और अपने काम में जुट गया।

एक-दो घंटे में अपना काम खत्म करने के बाद सहायक आइंस्टीन के पास आया तो यह देखकर वह दंग रह गया कि आइंस्टीन अभी भी उस खराब क्लिप को सीधा करने में लगे हुए थे।

सहायक ने कहा, ''सर मुझे पेपर पर क्लिप लगाए लगभग दो घंटे होने वाले हैं और आप अभी तक इसे सीधा करने में लगे हुए हैं। अब इसकी कोई जरूरत नहीं। अब तो बहुत सारे नए क्लिप आ गए हैं।''

सहायक की बात सुनकर आइंस्टीन बोले, ''तुम अपनी जगह ठीक हो। लेकिन मैं एक बार जब अपना कोई लक्ष्य निर्धारित कर लेता हूं, तो उससे हटना मुश्किल हो जाता है। मैं उसे पूरा करके ही छोड़ता हूं।''

यह सुनकर सहायक दंग रह गया। उसे आइंस्टीन की सफलता का राज समझ में आ गया। अपनी इसी एकाग्रता के कारण ही आइंस्टीन बहुत सारे शोध कर पाए।

चेक सुंदरी क्रिस्टीना पिस्जकोवा के सिर सजा मिस वर्ल्ड का ताज, सिनी शेट्टी शीर्ष 8 में पहुंचीं

चेक गणराज्य की क्रिस्टीना पिस्जकोवा को शनिवार रात मुंबई में फिल्म निर्माता और सेलिब्रिटी टॉक शो होस्ट करण जौहर की सह-मेजबानी में एक शानदार समारोह में 71वीं मिस वर्ल्ड का ताज पहनाया गया।

क्रिस्टीना को मिस वर्ल्ड 2023 पोलैंड की कैरोलिना बिलावस्का ने ताज पहनाया। यह सौंदर्य प्रतियोगिता 28 साल बाद भारत लौटी। यह आखिरी बार 1996 में बेंगलुरु में आयोजित किया गया था।चेक सुंदरी ने लेबनान की यासमिना ज़ायटौन, त्रिनिदाद और टोबैगो की एचे अब्राहम और बोत्सवाना की लेसेगो चोम्बो को पछाड़कर खिताब जीता। मिस इंडिया (और मुंबई गर्ल) सिनी शेट्टी केवल शीर्ष 8 में ही जगह बना सकीं। शीर्ष 8 चरण में प्रतिस्पर्धा के प्रश्न पर शेट्टी के जवाब ने न्यायाधीशों को प्रभावित नहीं किया और परिणामस्वरूप उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया।उनसे पूछा गया कि सोशल मीडिया महिलाओं के सशक्तिकरण में कैसे सहायक हो सकता है। सिनी ने कहा कि सोशल मीडिया में दुनिया को बदलने की ताकत है और इससे विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया दुनिया को प्रगति की ओर ले जा सकता है।इस आयोजन में भाग लेने वाले 112 में से दुनिया भर से 40 प्रतियोगियों को ग्रैंड फिनाले के लिए चुना गया था।ग्रैंड फिनाले एक स्टार-स्टडेड इवेंट बन गया क्योंकि इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सनोन, पूजा हेगड़े (दोनों जजों के पैनल में शामिल थीं), मानुषी छिल्लर (2017 में मिस वर्ल्ड का ताज पहनने वाली आखिरी भारतीय महिला) और सोनाक्षी सिन्हा शामिल थीं। (जिन्होंने कार्यक्रम में बात की) साथ ही हिंदी पॉप स्टार शान और नेहा और टोनी कक्कड़ (जिन्होंने शानदार प्रदर्शन किया), रियलिटी टीवी विशेषज्ञ शिव ठाकरे और मन्नारा चोपड़ा, और यहां तक कि टेस्ट क्रिकेटर से राज्य सभा सांसद बने हरभजन सिंह भी शामिल हुए।संजय लीला भंसाली की आगामी वेब सीरीज 'हीरामंडी : द डायमंड बाजार' की प्रमुख अभिनेत्रियां - मनीषा

कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख और शर्मिन सहगल भी लाइव प्रसारण में दिखाई दीं। कार्यक्रम स्थल पर शनिवार को जारी सीरीज का पहला ट्रैक 'सकल बन' भी बजाया गया।

सारा के पेट पर दिखा जलने का निशान, चिंता करने की बजाय ट्रोल करने लगे लोग, बोले- 'दिखाने से ठीक हो जाएगा?'

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान इन दिनों बैक टू बैक फिल्मों और वेब सीरीज में काम कर रही हैं, जिसकी वज से लगातार सुर्खियों में हैं। वो ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'मर्डर मुबारक' में नजर आ रही हैं। मूवी को हाल ही में रिलीज किया गया है। इसके साथ ही सारा के पास एक और फिल्म है, जिसका टाइटल 'ए वतन मेरे वतन' है। इसका ट्रेलर भी रिलीज किया जा चुका है। सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म की रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसी बीच अब सारा अपने एक निशान को लेकर हेडलाइन्स में आ गई हैं। उनका वीडियो वायरल हो रहा है।

दरअसल, फिल्मों की चर्चा के बीच सारा अली खान को हाल ही में मुंबई में स्पॉट किया गया। उनका वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस दौरान एक्ट्रेस को शॉर्ट्स और जिम वियर में देखा गया। इसी बीच एक्ट्रेस के पेट पर कुछ निशान भी देखने के लिए मिले हैं। इसे लेकर जब पैपराजी की ओर से उनसे सवाल किया गया तो उन्होंने बताया कि वो जल गई थीं। इस निशान को लेकर सोशल मीडिया पर नेटिजन्स भी जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। जहां उन्हें चिंता जतानी चाहिए थी वो एक्ट्रसे को इसके लिए ट्रोल करने लगे।

अगर सारा अली खान के वीडियो पर लोगों के रिएक्शन की बात की जाए तो एक ने लिखा, 'क्या ये दिखाने से ठीक हो जाएगा?' दूसरे ने लिखा, 'जल गई हो तो लोगों को दिखाने से ठीक हो जाएगा क्या?' इसके साथ ही एक अन्य ने लिखा, 'दूसरे पर जलोगे तो खुद भी जलोगे।' इस तरह से लोग इस पर खूब कमेंट्स कर रहे हैं।

सारा अली खान का वर्कफ्रंट

बहरहाल, अगर सारा अली खान के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो वो बड़े पर्दे के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी जलवा बिखरने के लिए तैयार हैं। वो जल्द ही 'ए वतन मेरे वतन' में नजर आने वाली हैं। इसका ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है। फिल्म को अमेजन प्राइम वीडियो से स्ट्रीम किया जाएगा। इसके साथ ही वो नेटफ्लिक्स की 'मर्डर मुबारक' में नजर आ रही हैं।

अरबाज के साथ तलाक पर पहली बार मलाइक ने तोड़ी चुप्पी, बताया- लोगों ने कैसे बनाया था उनका मजाक

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों के चलते सुर्खियों में बनी रहती हैं। अरबाज खान से शादी के 19 साल बाद उन्होंने तलाक ले लिया था। दोनों के बीच बेशुमार प्यार होने के बाद भी दोनों की राहें अलग हो गई थीं। मलाइका फिलहाल अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने फिर से घर बसाने के बार में खुलकर बात की है। साथ ही बताया कि उन्होंने इस तरह की धारणा को कैसे पीछे छोड़ दिया।

मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में एक बातचीत में 25 साल की उम्र में अरबाज खान से शादी करने के पीछे का कारण बताते हुए कहा, भले ही अपने परिवार से मुझे किसी तरह के दबाव का सामना नहीं करना पड़ा। मगर, ऐसा नहीं है कि मैं ऐसे बैकग्राउंड में बड़ी हुई हूं कि मेरे परिवार वाले मुझसे कहें कि तुम्हें इस उम्र में शादी करनी होगी। मुझे अपना जीवन जीने और अच्छे लोगों से दोस्ती करने को कहा गया। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे नहीं पता कि मेरे दिमाग में क्या आया। मैंने कहा कि 22-23 साल तक मैं शादी करना चाहती हूं। किसी ने मुझ पर कोई दबाव नहीं डाला था, लेकिन मुझे अभी यही करने की जरूरत थी, क्योंकि उस समय मेरे पास यही सबसे अच्छा विकल्प था।' अभिनेत्री ने बताया कि शादी के कई साल बाद उन्हें ये एहसास हुआ कि यह वह नहीं है, जो वह चाहती थीं। अरबाज से अलग होने के उनके फैसले के लिए उनसे कई सवाल किए गए। साथ ही उनका मजाक भी बनाया गया।

अभिनेत्री ने कहा, 'जब मैंने तलाक लेने का फैसला किया, तो मुझे नहीं लगता कि इंडस्ट्री में बहुत सारी महिलाएं ऐसी थीं, जो तलाक लेकर आगे बढ़ रही थीं। मुझे लगा मेरे लिए, मेरे करियर के लिए, मेरी पसंद के लिए और अगर मुझे अपने बच्चे को खुश रखना है, तो मुझे अंदर से ठीक महसूस करना होगा। तलाक को हर कोई एक अलग नजरिये से देखता है।' मलाइका ने बताया कि अरबाज से तलाक के किसी वेबसाइट ने उनके कपड़ों और उनकी कीमत के बारे में बात की थी, जिससे उन्होंने काफी बुरा लगा था। उन्होंने कहा, 'किसी ने मेरे कपड़ों के बारे में एक लेख लिखा कि यह कितना महंगा है। साथ ही वो तो इसे पहन ही सकती हैं, क्योंकि उन्हें बहुत सारी एलिमनी जो मिली है। मैं ये पढ़कर हैरान थी। आपने करियर में जीवन में चाहे जो कुछ भी किया हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।'

पूजा हेगड़े के साथ पर्दे पर रोमांस करते दिखेंगे अहान शेट्टी

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी ने मिलन लुथरिया की 'तड़प' से साल 2021 में अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके फिल्म के बाद वह अब अपनी अगली फिल्म लेकर आ रहे हैं। अहान शेट्टी ने अपनी अगली फिल्म 'सनकी' के लिए साजिद नाडियाडवाला के साथ हाथ मिलाया है। अहान इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में पूजा हेगड़े के साथ रोमांस करते हुए दिखाई देंगे। आज शनिवार को निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर फिल्म की आधिकारिक घोषणा की है।

फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला की फिल्म 'सनकी' की आज शनिवार, 9 मार्च को घोषणा हुई है। इस रोमांटिक ड्रामा में पूजा हेगड़े पहली बार अहान शेट्टी के साथ स्क्रीन साझा करती हुई नजर आएंगी। यह फिल्म अगले साल वैलेंटाइन डे के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मेकर्स ने फिल्म की घोषणा करते हुए बताया कि 'सनकी' 14 फरवरी 2025 को रिलीज होगी।

अहान शेट्टी अपनी अगली फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हैं। वह फिल्म में एक अनोखा और विचित्र किरदार निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सिनेमाघरों में इन दिनों कई फ्रेश जोड़ियां देखने को मिली हैं। ऐसे में अब दर्शकों को अहान शेट्टी और पूजा हेगड़े की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की घोषणा के बाद दर्शकों में इसके लिए उत्साह देखने को मिल रहा है। रजत अरोरा द्वारा लिखित इस फिल्म को अदनान ए. शेख और यासिर जाह ने निर्देशिक किया है।

'सनकी' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। अहान शेट्टी के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने 'तड़प' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इस फिल्म में वह तारा सुतारिया के साथ स्क्रीन साझा करते हुए नजर आए थे। 'तड़प' दर्शकों के बीच कुछ खास कमाल दिखाने में नाकामयाब साबित हुई थी।

संगीतकार श्रीकर का शिव ताडंव स्त्रोत फ्यूजन

उभरते हुए युवा संगीतकार श्रीकर जे ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर अपने अलग तरीके से भगवान शिव के प्रति श्रद्धा प्रकट की है। उन्होंने शिव तांडव स्त्रोत का जो फ्यूजन तैयार किया है उसे सुनने में प्राचीनता के साथ ही आधुनिकता का भी अनुभव होता है। लगभग तीन मिनट के इस शिव तांडव स्त्रोत को गढ़ने वाले श्रीकर अभी सिर्फ 16 साल के हैं और 12वीं कक्षा में पढ़ रहे हैं। वे लंबे समय से कर्नाटक शास्त्रीय संगीत की विद्या सीख रहे हैं। श्रीकर की मधुर आवाज और फ्यूजन म्यूजिक ने इस स्त्रोत को और भी अधिक ऊर्जा से भर दिया है। श्रीकर के पूरे परिवार में शास्त्रीय संगीत की समझ रखने वाले लोग है। उनके पिता जे श्रीनिवास खुद भी शास्त्रीय संगीत के अच्छे जानकार हैं और उनका समय-समय पर मार्गदर्शन प्रदान करते रहते हैं।

श्रीकर बताते हैं कि उन्हें संगीत को कंपोज करने और उसमें नए प्रयोग करना उतना ही पसंद है जितना स्वयं अपनी आवाज देना। हमें पता ही है शिव ताडंव स्तोत्र खुद भी ऊर्जा का स्त्रोत माना जाता है। कहा जाता है कि इस स्त्रोत का पाठ करने से साधक में भी असीम ऊर्जा का प्रवाह होता है। उसे उत्कृष्ट व्यक्तित्व की प्राप्ति होती है। जबकि तांडव नृत्य भगवान शिव के द्वारा किया जाने वाला अलौलिक नृत्य है जिसके वर्णन से हमारे पुराण भरे हुए हैं।

अगले दस सालों तक डांस नहीं करना चाहती 'झलक दिखला जा 11' वीजेता मनीषा रानी

मनीषा रानी हाल ही में डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 11' जीतकर सुर्खियों में आईं। अपने करीबियों के साथ जीत का जश्न भी उन्होंने दिल खोलकर मनाया। चंद दिन पहले ही मनीषा फिर से चर्चा में आ गईं, जब उन्होंने एल्विश यादव को अनफॉलो किया। अब एक बार फिर से वह सुर्खियों में हैं। क्या है इसकी वजह जानने के लिए पढ़िये यह खबर।

इतना नाच के गंगा नहा ली!

मनीषा ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया है। चाहे वह एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के तौर हो या फिर झलक के मंच से एक डांसर के रूप में। फैंस ने भी उनके प्रदर्शन की जमकर सराहना की है, लेकिन हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने एक चौंकाने वाली बात कह दी। इसे सुनकर तो इनके फैंस भी उदास हो जाएंगे। मनीषा ने हाल में कहा कि वह अब किसी डांस शो में हिस्सा नहीं लेना चाहतीं। उन्होंने कहा,'ऐसा लग रहा है कि मैंने पूरी एक जिंदगी जी ली हो, इतना डांस करके जैसे गंगा नहा ली हूं! बहुत हो गया, अब मुझे डांस वाला कोई शो नहीं करना है। इसमें बहुत मेहनत लगती है। झलक के दौरान मैंने इतना डांस कर लिया कि लगता है कि लंबे समय तक डांस नहीं करने वाली।'

दस साल तक नहीं करना डांस

तो क्या सच में मनीषा अब हमें किसी डांस रियलिटी शो में नजर नहीं आएंगी? मनीषा कहती हैं,'मुझे तो लग रहा है कि मैं पूरे दस साल तक नहीं नाचूंगी। अभ्यास और प्रदर्शन के दौरान मैंने बहुत ज्यादा नाच किया है।' सुनने में तो लग रहा है कि जैसे मनीषा का डांस के प्रति अब लगाव कम हो गया है। सच में ऐसा है क्या? इसका जवाब देते हुए वह बोलीं,'डांस से तो मुझे प्यार है। यह कम नहीं हो सकता, लेकिन हां अब प्रेशर वाला डांस करने का मन नहीं है। ऐसा नहीं करना कि आपको इतने घंटे डांस करना ही होगा। बीच-बीच में जब मन होगा, तो जरूर अपने कुछ विडियोज बनाऊंगी।'

नाम बनाने में की खूब मेहनत

अगर मनीषा के अभी तक के सफर की बात करें, तो खुद को यहां तक पहुंचाने के लिए उन्होंने बहुत मेहनत और संघर्ष किया है। टिक टॉक बनाने शुरू किए, तो फैंस के बीच इनकी एक पहचान कायम हुई। इसके साथ ही भोजपुरी इंडस्ट्री में भी काम मिलता रहा। फाइनली बिग बॉस ओटीटी 2 में नजर आईं, जहां यह दर्शकों के लिए एक नामी चेहरा बन गईं। बाद में इन्होंने डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा में एंट्री की। वाइल्ड कार्ड एंट्री के बावजूद इन्होंने इतनी मेहनत की, जिसका नतीजा सबके सामने है। डांस के साथ-साथ इनका मजाकिया अंदाज भी दर्शकों को खूब भाया।

साई धर्म तेज ने अपने नाम में किया बड़ा बदलाव खुद का प्रोडक्शन हाउस भी किया लॉन्च

साई धर्म तेज ने हाल ही में अपने नए प्रोडक्शन हाउस, अपनी शॉर्ट फिल्म और अपना नाम बदलने के बारे में बात करने के लिए हैदराबाद में एक प्रेस मीट आयोजित की। अभिनेता ने मीडिया के सामने खुलासा किया कि उन्होंने अपना नाम बदल लिया है। साथ ही उन्होंने इसके पीछे का कारण भी साझा किया है।

साई धर्म तेज ने बदला नाम

सबसे पहले, अभिनेता ने घोषणा की कि वह अपनी मां का नाम अपने मध्य नाम के रूप में ले रहे हैं और अब से वह खुद को साई दुर्गा तेज कहलाना पसंद क रें गे । अभिनेता ने यह घोषणा शिवरात्रि और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मीडिया से बातचीत के दौरान की। शनिवार को, अभिनेता ने एक और एलान में बताया कि वह अपनी मां के नाम पर अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस लॉन्च कर रहे हैं।

खुद का प्रोडक्शन हाउस किया लॉन्च

अपनी खुशी जाहिर करते हुए साउथ अभिनेता ने कहा, 'जब से मैंने फिल्मों में काम करना शुरू किया, मैं अपनी मां के नाम पर एक प्रोडक्शन हाउस स्थापित करना चाहता था। मेरी मां हमेशा मेरे साथ रहें, इसलिए मैं अपना नाम बदलकर साई दुर्गा तेज रख रहा हूं।' उन्होंने अपने जीवन की तीन महत्वपूर्ण महिलाओं के बारे में बात करते हुए प्रेस को बताया, 'मेरी दादी अंजना देवी, मेरी मां और छोटी बहन माधवी मेरी खुशी का सबसे बड़ा स्रोत हैं।'

पोस्ट कर साझा की खुशी

साई दुर्गा तेज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'नई शुरुआत। मेरी मां को उनके नाम पर एक छोटा सा उपहार देने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हमारा प्रोडक्शन हाउस विजय दुर्गा प्रोडक्शन।' इस अवसर पर अभिनेता ने अपने चाचा, अभिनेता चिरंजीवी, नागा बाबू और पवन कल्याण को भी धन्यवाद दिया। इसके आगे उन्होंने लिखा, 'मेरे निर्माता दिल राजू गारू जिन्होंने मुझे अपना शुरुआती करियर बनाने में मदद की। एक अनमोल सहयोग के साथ इसे लॉन्च करने की खुशी है।'

जैकलीन फर्नांडिस को सुकेश चंद्रशेखर ने फिर लिखी जेल से चिट्ठी, वीमेंस डे विश करते हुए कहा तुम मेरी शक्ति

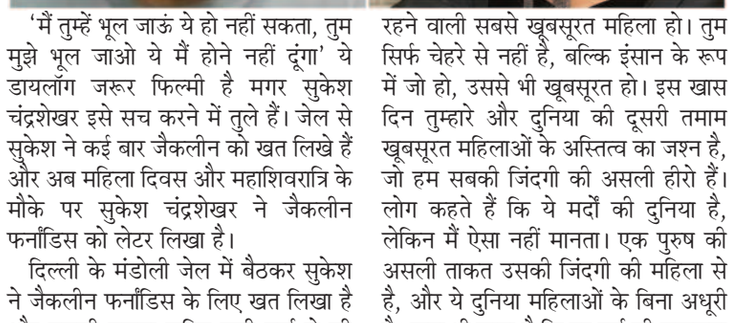

'मैं तुम्हें भूल जाऊं ये हो नहीं सकता, तुम मुझे भूल जाओ ये मैं होने नहीं दूंगा' ये डायलॉग जरूर फिल्मी है मगर सुकेश चंद्रशेखर इसे सच करने में तुले हैं। जेल से सुकेश ने कई बार जैकलीन को खत लिखे हैं और अब महिला दिवस और महाशिवरात्रि के मौके पर सुकेश चंद्रशेखर ने जैकलीन फर्नांडिस को लेटर लिखा है।

दिल्ली के मंडोली जेल में बैठकर सुकेश ने जैकलीन फर्नांडिस के लिए खत लिखा है और उसकी तुलना शक्ति रूपी दुर्गा से की है। इस खत में सुकेश ने जैकलीन को बेबी और बोम्मा कहकर बुलाया है। सुकेश ने कहा कि वो महिला दिवस का जश्न मना रहा है क्योंकि उसकी जिंदगी में जैकलीन जैसी महिला आई है जो उसके लिए शक्ति है और हिम्मत है।

हाल ही में जैकलीन के घर में आग लग गई थी सुकेश ने इस चिट्ठी में उसका जिक्र भी किया है। सुकेश ने लिखा है, 'जब तुम्हारी इमारत में आग लगने की खबर आई, मेरे दिल की धड़कनें थम गईं। ईश्वर का शुक्रगुजार हूं कि तुम ठीक हो।'

मेरी बेबी गर्ल, जैकलीन फर्नांडिस,

मेरी लाइफलाइन, मेरी बोम्मा, तुम्हें वीमन्स डे की शुभकामनाएं। तुम इस ग्रह पर रहने वाली सबसे खूबसूरत महिला हो। तुम सिर्फ चेहरे से नहीं है, बल्कि इंसान के रूप में जो हो, उससे भी खूबसूरत हो। इस खास दिन तुम्हारे और दुनिया की दूसरी तमाम खूबसूरत महिलाओं के अस्तित्व का जश्न है, जो हम सबकी जिंदगी की असली हीरो हैं। लोग कहते हैं कि ये मर्दों की दुनिया है, लेकिन मैं ऐसा नहीं मानता। एक पुरुष की असली ताकत उसकी जिंदगी की महिला से है, और ये दुनिया महिलाओं के बिना अधूरी है। कहा भी जाता है कि हर मर्द की सफलता की कहानी के पीछे निश्चित तौर पर एक औरत है। मेरा प्यार, मेरी खूबसूरत जैकलीन फर्नांडिस तुम मेरी ताकत और शक्ति हो। बेबी, तुम उन खूबसूरत महिलाओं की सबसे बड़ी उदाहरण हो, इसलिए मैं तुम्हारे के लिए इस अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का जश्न मना रहा हूं। उन तमाम महिलाओं के लिए तुम एक बड़ा उदाहरण हो, जो नकारात्मकता और मुश्किलों के बीच एक लड़ाई लड़ रही हैं। तुम असली शक्ति हो। जब तुम्हारी बिल्डिंग में आग लगने की खबर आई तो मेरे दिल की धड़कनें थम गईं। भगवान का शुक्र है कि तुम बिल्कुल ठीक हो। मैं तुमसे मिलने और तुम्हारा गाना सुनने को बेताब हूं।

क्यों चर्चा में है केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद की 'ओपन बुक परीक्षा'

बीते कुछ वर्षों में काफी बदलाव देखने को मिले। अब सीबीएसई ने 'ओपन बुक परीक्षा' को अपनाने की पेशकश की है। ज्यादातर विद्यार्थियों के लिए यह प्रक्रिया बिलकुल नई है और उन्हें इसके बारे में कुछ भी नहीं पता है। कई देशों में 18वीं सदी में ही 'ओपन बुक परीक्षा' की शुरुआत हो गई थी। 'ओपन बुक परीक्षा' को उसके नाम से ही समझा जा सकता है। इसका साफ मतलब है कि इस प्रक्रिया में विद्यार्थी किताबें खोलकर परीक्षा दे सकते हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के इस एलान के बाद से विद्यार्थी काफी खुश हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि असल में इसका मतलब क्या है? क्या पूरे पेपर में आप किताबें खोलकर जवाब ढूंढ सकते हैं ?

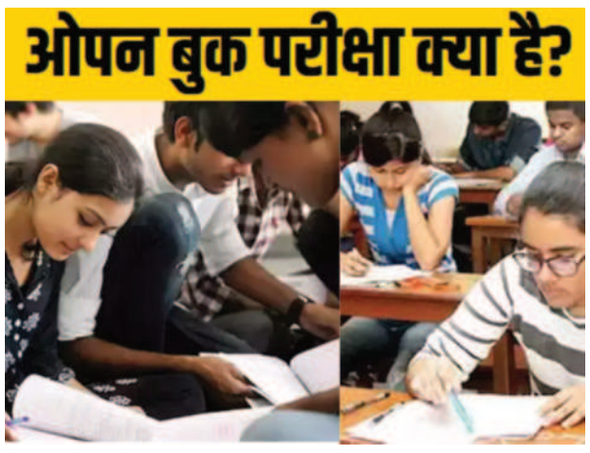

योजना के बारे में जानें

सीबीएसई ने 9वीं से 12वीं कक्षा के लिए ये 'ओपन बुक परीक्षा' की योजना बनाई है। इस परीक्षा का आयोजन नवंबर-दिसंबर में कुछ चुनिंदा स्कूलों में किया जाएगा। 9वीं और 10वीं कक्षा के लिए ये परीक्षा अंग्रेजी, गणित और विज्ञान जैसे विषयों के लिए होगी। वहीं 11वीं और 12वीं कक्षा के लिए ये अंग्रेजी, गणित और जीवविज्ञान के लिए होगी। इसके लिए सीबीएसई ने दिल्ली विश्वविद्यालय की मदद मांगी है। ओपन बुक परीक्षा में विद्यार्थियों को प्रश्नों के उत्तर देने के लिए अपनी पुस्तकों और नोट्स का उल्लेख करने की अनुमति होती है।

हूबहू लिखने पर नहीं मिलेंगे अंक

'ओपन बुक परीक्षा' में नोट्स से शिक्षक के लिखाए गए पैराग्राफ को ज्यों का त्यों लिखने या किसी भी अध्ययन सामग्री से जवाब हूबहू लिखने के अंक नहीं मिलते हैं। इसमें विद्यार्थी को तब अंक मिलते हैं, जब वह उन नोट्स या अध्ययन सामग्री को अच्छी तरह से समझकर अपनी भाषा में जवाब लिखे। इसका मतलब है कि आपको पता होना चाहिए कि वह सवाल कहां से पूछा गया है, उसकी अवधारणा क्या है साथ ही उसे अपने शब्दों में लिख पाने की कला भी आनी चाहिए।

अब रटने से नहीं चलेगा काम

कई विद्यार्थी रट्टा मारकर परीक्षा देते हैं। उन्हें वही तरीका आसान लगता है। वह किसी विषय को समझने के बजाय उसे रटकर चले जाते हैं, लेकिन इस तरह की परीक्षा से बच्चों को रट्टामार पढ़ाई से छुटकारा मिल सकता है।

ओपन बुक परीक्षा होने से विद्यार्थी विषय की अवधारणा को समझने पर जोर देंगे। कहीं फंसने पर वह अपने शिक्षकों, अभिभावकों या वरिष्ठों की मदद लेंगे। इस तरह से परीक्षा में प्रश्न सीधे नहीं होते हैं, बल्कि छात्रों को तय सिद्धांतों को लागू करने की जगह पर विश्लेषणात्मक क्षमता के आधार पर जवाब देना होगा। इसका उद्देश्य यह जांचना है कि छात्र क्या समझ रहा है।

परीक्षा में प्रथम आने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

देश में कुछ ही समय में परीक्षाओं का सिलसिला शुरू होने वाला है. बोर्ड परीक्षाओं के साथ ही अन्य कक्षाओं के बच्चे भी एग्जाम्स की तैयारियों में जुट गए हैं. अक्सर परीक्षा की तारीख नजदीक आते ही स्टूडेंट्स तनाव का शिकार होने लगते हैं. खासकर कमजोर बच्चे इस दौरान अधिक दबाव महसूस करते हैं. परिवार, रिलेटिव और टीचर्स की ज्यादा उम्मीदों की वजह से कई बार बच्चों में तनाव की स्थिति में पहुंच जाते हैं. ऐसे में अगर आप भी परीक्षा के तनाव से जूझ रहे हैं, तो इसे इन टिप्स की मदद से इसे कंट्रोल कर परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं.

परीक्षा के समय स्ट्रेस को कम करने के लिए निम्नलिखित टिप्स को अपनाएं:

ठीक से पढ़ाई करें: अच्छी तैयारी और पढ़ाई के बिना स्ट्रेस को कम करना मुश्किल है। एक ठीक से निर्धारित पढ़ाई कार्यक्रम बनाएं और उसे अनुसरण करें।

नियमित आराम और नींद: अच्छी नींद और नियमित आराम से मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद होती है और स्ट्रेस कम होता है।

व्यायाम और योग: नियमित व्यायाम और योग से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होती है और स्ट्रेस को कम करती है।

सही आहार: स्वस्थ और बैलेंस्ड आहार से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी बना रहेगा, जिससे स्ट्रेस कम होगा।

स्वाध्याय और मनोबल बढ़ाने के तकनीकें: स्वाध्याय और मनोबल बढ़ाने के तकनीकों का अभ्यास करें, जैसे कि प्रशिक्षण, ध्यान, और सकारात्मक विचार।

सही साथी चयन: सही साथी चयन से आप अपनी परेशानियों को शेयर कर सकते हैं और समर्थन प्राप्त कर सकते हैं, जिससे आत्मविश्वास मजबूत होता है।

नियमित रूप से छुट्टी लें: नियमित रूप से छुट्टी लेने से आपका मानसिक स्वास्थ्य बना रहता है और आपको स्ट्रेस से बचाव मिलता है।

मनोबल को सहारा देने वाली गतिविधियां: कुछ गतिविधियों जैसे कि संगीत सुनना, किताबें पढ़ना, या अपनी पसंदीदा कार्यों में रमना स्ट्रेस को कम करने में मदद कर सकती हैं।

पॉजिटिव विचार: सकारात्मक विचार बनाए रखने का प्रयास करें और खुद को प्रेरित करें।

प्रेरक प्रेरणा: अपने लक्ष्यों की प्रेरणा लेने के लिए विभिन्न प्रेरक विचारों को पढ़ें और सुनें।

ये टिप्स आपको इम्तिहान स्ट्रेस को कम करने में मदद कर सकती हैं। ध्यान रखें कि हर व्यक्ति अलग होता है, इसलिए आप अपनी आवश्यकताओं के हिसाब से ये टिप्स अनुकरण करें।

अब नीट यूजी की कंप्यूटर की मदद से तय होगी रैंक

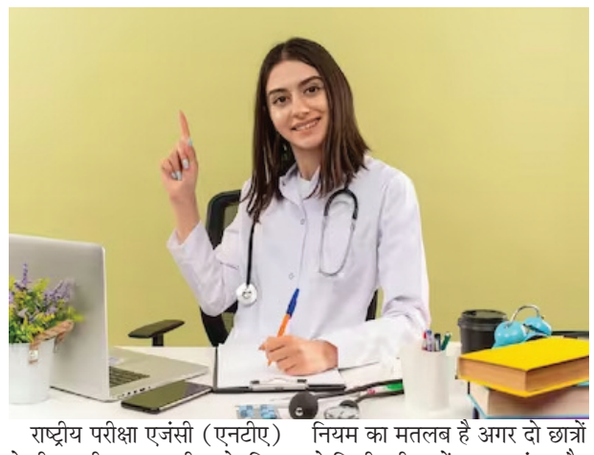

राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) ने नीट यूजी 2024 परीक्षा के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। नीट यूजी परीक्षा पांच मई, 2024 को होगी। इसके लिए रा देश-विदेश में परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। नीट यूजी 2024 के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर पंजीकरण कर सकते हैं। एनटीए ने टाई ब्रेकिंग योजना में भी बड़ा बदलाव किया है। अब तकनीक और कंप्यूटर की मदद से आपकी रैंक तय की जाएगी।

नीट यूजी परिणाम 14 जून, 2024 को जारी होने की संभावना है। इस परीक्षा में लाखों अभ्यर्थी शामिल होते हैं। ऐसे में इसका परिणाम तैयार करने में कई तरह की परेशानियां हो जाती हैं। इतने परीक्षार्थियों में एक-दो के समान अंक हासिल करने के मामले होना सामान्य बात है। ऐसे में एनटीए 'नीट टाई ब्रेकर योजना' के जरिए परिणाम और उच्च रैंक तैयार की जाती है।

क्या है टाई ब्रेकिंग योजना

टाई ब्रेकिंग योजना या टाई ब्रेकर नियम का मतलब है अगर दो छात्रों ने किसी परीक्षा में समान अंक और प्रतिशत हासिल किए हैं और उनके बीच का टाई सुलझ नहीं पा रहा है तो टाई ब्रेकर नियम के जरिए उनकी रैंक तय की जाती है। ऐसे में जिस छात्र ने इस परीक्षा के लिए पहले आवेदन किया होगा, उसे श्रेष्ठता सूची में प्राथमिकता दिए जाने का प्रावधान है।

परीक्षा के समय और पैटर्न में बदलाव

यह परीक्षा अब 200 मिनट (3 घंटे और 20 मिनट) तक चलेगी। परीक्षा पैटर्न अब उम्मीदवारों को प्रत्येक विषय के लिए दो खंडों में से एक में प्रश्नों का उत्तर देने का विकल्प चुनने की अनुमति होगी। उम्मीदवार खंड बी में पंद्रह प्रश्नों में से किसी भी दस का प्रयास कर सकते हैं। खंड ए में पैंतीस प्रश्न हैं। नीट परीक्षा के लिए आवेदन शुल्क में संशोधन किया गया है। सामान्य वर्ग से संबंध रखने वाले उम्मीदवारों के लिए पंजीकरण शुल्क बढ़ाकर 1,700 रुपए किया गया है। जबकि ईडब्लूएस/ओबीसी-एनसीएल श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए 1,600 रुपए और एससी/एसटी/ पीडब्लूडी श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 1,000 रुपए है।

परीक्षा के शहर में परिवर्तन का मिलेगा मौका

एनटीए ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थियों को परीक्षा शहर में बदलाव का मौका मिलेगा। इसके लिए वेबसाइट पर अभ्यर्थियों को लिंक दिया जाएगा। जिससे वह अपने केंद्र की जानकारी में सुधार कर सकेंगे। इसके अभ्यर्थी को आवश्यक राशि भी चुकाने होंगे।

समान अंक वालों की रैंक कैसे तय होगी।

एनटीए के नए नियम के अनुसार, अगर परीक्षा में अंक बराबर है तो नीचे बताए गए तरीकों के हिसाब से रैंक निर्धारित की जाएगी।

- नीट में जिस अभ्यर्थी को वनस्पति विज्ञान और जन्तु विज्ञान में ज्यादा नंबर मिलेंगे, उसे उच्च रैंक दी जाएगी।
- नीट यूजी 2024 में जो अभ्यर्थी रसायन विज्ञान विषय में ज्यादा अंक हासिल करेगा, उसे उच्च रैंक पर रहने का अवसर मिलेगा। जो परीक्षार्थी भौतिकी विषय में अन्य विद्यार्थियों की तुलना में ज्यादा अंक हासिल करेगा, उसकी रैंक भी ऊपर होगी।
- इस साल कंप्यूटर या आइटी के इस्तेमाल से 'लकी ड्रा' निकाला जाएगा। इसमें कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं होगा। इस ड्रा में कंप्यूटर जिसका भी नाम रोल नंबर चुनेगा,उसे उच्च रैंक दे दी जाएगी।

12वीं के बाद कानून के क्षेत्र में बेहतर विकल्प

इन दिनों देशभर में केंद्रीय बोर्ड और अलग-अलग राज्य बोर्ड की परीक्षाएं चल रहीं है। बारहवीं की परीक्षा के साथ-साथ छात्र-छात्राओं में उच्च शिक्षा को लेकर भी दबाव रहता है कि वे अपना भविष्य किस क्षेत्र में बनाएंगे। 12वीं के बाद विद्यार्थियों और अभिभावकों को भविष्य की चिंता रहती है कि वे किस क्षेत्र में अपने करिअर का निर्माण करें और समाज में अच्छे नाम के साथ ही प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकें। अगर आपको कानून के क्षेत्र में रुचि है तो ला आपके लिए बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। आप ला के क्षेत्र में वकील, जज या प्रोफेसर तक बन सकते हैं। इसके अलावा भी कई विकल्प हैं।

कैसे करें शुरुआत

वकालत के क्षेत्र में करिअर बनाने की शुरुआत आप 12वीं के बाद से ही कर सकते हैं। 12वीं के बाद आप पांच वर्षीय कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आपको क्लैट, एलएसएटी (ला स्कूल प्रवेश परीक्षा), अखिल भारतीय विधि प्रवेश परीक्षा (एआइएलईटी) में भाग लेना होगा। आप चाहें तो स्नातक करने के बाद भी वकालत का कोर्स कर सकते हैं। आप स्नातक के बाद तीन वर्षीय एलएलबी में प्रवेश ले सकते हैं। कोर्स पूरा करने के बाद आप वकालत करने की डिग्री प्राप्त कर लेंगे। तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आपको ला स्कूल प्रवेश परीक्षा, एमएचटीसीईटी, डीयू एलएलबी, बीएचयू एलएलबी प्रवेश परीक्षा में भाग लेना होगा। इसके अलावा बहुत से संस्थान बिना प्रवेश परीक्षा के भी ला में दाखिला लेते हैं।

किसी भी क्षेत्र को चुनने के बाद छात्र को सबसे पहले एक अच्छे कालेज का चुनाव करना चाहिए। मौजूदा समय में कानून की डिग्री हासिल करने के लिए कौन सा कालेज आपके लिए सही रहेगा, यह जानने के लिए यहां दी गई जानकारी को अवश्य पढ़ें।

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय

भारत में कई विधि कालेज हैं लेकिन कानून की शिक्षा की बात आते ही सबसे पहला नाम आता है राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) का। देश में 22 राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय हैं, जिनमें प्रवेश पाना हर ला की तैयारी करने वाले छात्र का सपना होता है। इन

* विश्वविद्यालयों में संयुक्त विधि प्रवेश परीक्षा (क्लैट) के तहत प्रवेश होता है।

क्लैट प्रवेश परीक्षा में कौन बैठ सकता है

एनएलयू कंसोर्टियम द्वारा क्लैट का आयोजन किया जाता है। बैचलर आफ लेजिस्लेटिव ला (एलएलबी) के लिए जो उम्मीदवार 12वीं पास कर चुके हैं या बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे, वे इसमें आवेदन करने के लिए पात्र हैं। एलएलबी पूरा कर चुके या एलएलबी कार्यक्रम के अंतिम वर्ष के उम्मीदवार क्लैट एलएलएम के लिए आवेदन कर सकते हैं। क्लैट स्कोर के आधार पर एनएलयू के अलावा अन्य कई संस्थान भी प्रवेश लेते हैं।

बीएचयू प्रवेश परीक्षा

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) भी 12वीं पास के लिए पांच साल का इंटीग्रेटेड एलएलबी पाठ्यक्रम कराता है। इसके लिए बीएचयू द्वारा प्रवेश परीक्षा ली जाती है, जिसे बीएचयू ला प्रवेश परीक्षा (बीलैट) के नाम से जानते हैं।

एमएचटीसीईटी

महाराष्ट्र सरकार द्वारा आयोजित की जाने वाली सामान्य प्रवेश परीक्षा (एमएचटीसीईटी) देश की सबसे बड़ी राज्य स्तरीय ला प्रवेश परीक्षा है। इसके जरिए सरकारी ला कालेज मुंबई, मुंबई विश्वविद्यालय ला एकेडमी समेत कई कालेजों में प्रवेश मिलता है।

एलएसएटी के बाद निजी विश्वविद्यालयों में प्रवेश

ला स्कूल एडमिशन टेस्ट (एलएसएटी) का आयोजन स्कूल एडमिशन कार्डसिल (एलएसएसी) के जरिए किया जाता है। एलएसएटी का आयोजन भारत के कई उच्च निजी ला विश्वविद्यालय और कालेजों में प्रवेश के लिए होता है।

सरकारी नौकरी

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन में अप्रेंटिस के 108 पदों पर निकली भर्ती

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने इलेक्ट्रॉनिक्स और राडार विकास प्रतिष्ठान (एलआरडीई), बेंगलुरु के तहत वैकेंसी निकाली है। जो उम्मीदवार इन पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे ऑफिशियल वेबसाइट drdo.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन अप्लाय कर सकते हैं। 17 मार्च तक आवेदन करे।

कुल पदों की संख्या : 108

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : संबंधित ट्रेड में नेशनल काउंसिल फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग (एनसीवीटी) द्वारा जारी वैलिड सर्टिफिकेट के साथ ITI पूरा किया होना चाहिए।

आयु सीमा : उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तय की गई है।

अधिकतम आयु सीमा सरकार के प्रावधानों के अनुसार लागू की जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस : एकेडमिक मेरिट डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

ऐसे करें आवेदन : रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की ऑफिशियल वेबसाइट https://drdo.gov.in/ पर जाएं।

अपना नाम, ईमेल पता, मोबाइल नंबर, पासवर्ड और अन्य जानकारी दर्ज करें।

रजिस्ट्रेशन होने पर आपको एक यूजर आईडी और पासवर्ड मिलेगा।

अपने यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग करके लॉगिन करें।

आवेदन फॉर्म में अपनी शैक्षिक योग्यता सहित अन्य जानकारी भरें।

जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें। फीस का भुगतान करके फॉर्म सबमिट कर दें।

को-ऑपरेटिव बैंक में क्लर्क के 232 पदों पर निकली भर्ती, एज लिमिट 45 वर्ष, ग्रेजुएट्स को मौका

हिमाचल प्रदेश को-ऑपरेटिव बैंक की ओर से जूनियर क्लर्क के 232 पदों पर भर्ती निकली है। इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट hpscb.com पर या पोर्टल ibpsonline.ibps.in/hpscblfeb24 पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।31 मार्च तक आवेदन कर सकते है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :उम्मीदवारों ने हिमाचल प्रदेश के किसी स्कूल/ संस्थान से 10वीं, 12वीं किया हो। साथ ही ग्रेजुएट होना जरूरी है।

आयु सीमा :उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 45 वर्ष तय की गई है। एससी, एसटी वर्ग से आने वाले उम्मीदवारों को ऊपरी आयु में 5 वर्ष की छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस : प्रीलिम्स एग्जाम

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट hpscb.com पर जाएं।

होम पेज पर लेटेस्ट अपडेट में जूनियर क्लर्क से संबंधित आवेदन लिंक पर क्लिक करें।

अब आप एक नए पेज पर पहुंच जाएंगे। जहां पहले Click here for New Registration पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें। अन्य जानकारी, हस्ताक्षर, फोटोग्राफ आदि अपलोड करें।

फीस जमा करें। फॉर्म सबमिट करके एक प्रिंटआउट ले लें।

टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन में इंजीनियर्स के 100 पदों पर निकली भर्ती, रिजर्व कैटेगरी के लिए निःशुल्क

टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड (THDCL) की ओर से ट्रेनी इंजीनियर के पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट thdc.co.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। 28 मार्च तक आवेदन कर सकते है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : संबंधित क्षेत्र में बीई, बीटेक की डिग्री।
गेट 2023 का स्कोर कार्ड।
आयु सीमा : अधिकतम आयु 30 वर्ष।
आयु की गणना 28 फरवरी 2024 को ध्यान में रखकर की जाएगी।
ऐसे करें आवेदन :ऑफिशियल वेबसाइट thdc.co.in पर जाएं।
होम पेज पर भर्ती से संबंधित लिंक पर क्लिक करें।
जरूरी जानकारी दर्ज करें।
सभी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करके फॉर्म सबमिट करें।
फीस जमा करें।
भरे हुए फॉर्म का एक प्रिंटआउट निकालकर रखें।

ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी में 100 पदों पर निकली भर्ती, ग्रेजुएट्स को मौका

ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर के पदों पर वैकेंसी निकाली है। आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार OICL की ऑफिशियल वेबसाइट पर https://orientalinsurance.org.in/ पर जाकर अप्लाय कर सकेंगे। 21 मार्च से 12 अप्रैल तक आवेदन कर सकते है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : संबंधित फील्ड में ग्रेजुएशन की डिग्री।

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 1000 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी : 250 रुपए

आयु सीमा :
न्यूनतम आयु : 21 साल
अधिकतम आयु : 30 साल

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

कुछ बहाने जो हमें सफल होने से रोकते हैं

हम कई बार महसूस करते हैं कि किसी कार्य को शुरू करने से पहले ही हम बहाने बनाने लगते हैं। यही बहाने हमें आगे बढ़ने से रोकते हैं और हमारी सफलता में बाधक बनते हैं। ऐसे बहानों को जितनी जल्दी छोड़ सकते हैं, छोड़ दें।

मेरे पास वक्त नहीं है : हर व्यक्ति के पास हर दिन चौबीस घंटे ही उपलब्ध होते हैं। इसके बाद भी कुछ लोग बुलंदियों पर तो कुछ लोग रसातल पर होते हैं। इसका कारण है कि वे अपने वक्त का सही से प्रबंधन नहीं करते हैं और कहते हैं कि उनके पास समय नहीं है। इसलिए जितना भी

समय मिले, जब भी मिले हमें अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ाना चाहिए।

मुझे इसकी जानकारी नहीं है: कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं है जो इस संसार में सबकुछ सीख कर आया हो। हमें यहीं पर आकर सबकुछ सीखना होता है। अगर आपको कुछ आता नहीं है तो उसे सीख लीजिए। उसके बारे में जानकारी लीजिए और आगे बढ़िए लेकिन इस बहाने से बचिए कि आपको जानकारी नहीं है।

अगर में विफल हो गया तो किसी भी कार्य को शुरू करने से पहले ज्यादातर लोगों के सामने यही मुद्दा होता है। सफलता और विफलता की बात तो तब आएगी जब आप कार्य को शुरू करेंगे। कार्य को शुरू करने से पहले ही सफलता या विफलता के बारे में सोच लेना सही नहीं हैं। इसका आकलन करना जरूरी है। लेकिन इस बहाने से बचकर ही लोग सफलता के शिखर तक पहुंचते हैं।

परीक्षा के दौरान अपने बच्चों का साथ दें

देशभर में सीबीएसई सहित राज्य बोर्ड की ओर से परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। इन बोर्ड परीक्षाओं में करोड़ों विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। अगर आपका बच्चा भी बोर्ड परीक्षाओं में भाग ले रहा है तो कुछ बातों को अवश्य ध्यान रखें। किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए एक विद्यार्थी के साथ उसके शिक्षक और उसके परिवार का साथ बेहद आवश्यक है, लेकिन इन सभी में सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका माता-पिता की होती है। कुछ माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए अकेला छोड़ देते हैं। लेकिन आपको ऐसा करने से बचना चाहिए।

24 घंटे में कम से कम 2 से 4 घंटे अपने बच्चों को दें

को अवश्य दें और उनकी बातें सुनें। अगर इस दौरान उनको किसी भी प्रकार की समस्या हो रही है तो उसे दूर करने का प्रयास करें। किसी भी अभिभावक को अपने बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से नहीं करनी चाहिए। इससे आपके बच्चे का मनोबल गिरता है और उसके मन में हीन भावना जन्म लेने लगती है जो उसके भविष्य के लिए घातक साबित होगी। परीक्षा के दौरान माता-पिता अपने बच्चों के खान-पान का विशेष रूप से ध्यान रखें जिससे वे इस दौरान शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकें। शारीरिक स्वास्थ्य के लिए उन्हें व्यायाम या अन्य चीजें खेलने के लिए प्रेरित करें।

सुनील मित्तल ने बदली ऐसी कहानी, देखते रह गए टाटा से लेकर अंबानी और अडानी

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते के चार कारोबारी दिनों में सुनील भारती मित्तल की कंपनी एयरटेल ने अपना जलवा दिखाया ओर टाटा से लेकर अंबानी और अडानी तक को धूल चटा दी. एयरटेल के शेयर में इजाफे की वजह से चार कारोबारी दिनों में मार्केट कैप में 38 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला. जबकि टाटा ग्रुप की टीसीएस के मार्केट कैप में 1100 करोड़ से ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिली. वहीं दूसरी ओर इंफोसिस और रिलायंस के मार्केट कैप में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली. दोनों कंपनियों के मार्केट कैप में 31 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है. वैसे बीते सप्ताह के चार कारोबारी दिनों में देश की टॉप 10 मूल्यवान कंपनियों में से सात के मार्केट कैप में सामूहिक रूप से 71,301.34 करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला है. कम कारोबारी सत्रों के सप्ताह के दौरान सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल रही. जबकि तीन कंपनियों के मार्केट में गिरावट

देखने को मिली है. तीनों कंपनियों के मार्केट कैप में ज्वाइंटली 37,434.62 करोड़ रुपए की गिरावट देखने को मिली है. पिछले सप्ताह रिकॉर्ड बनाने के सिलसिले के बीच बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 374.04 अंक की तेजी देखने को मिली. शुक्रवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर शेयर बाजार बंद थे. सेंसेक्स गुरुवार को 74,119.39 अंक के नए रिकॉर्ड लेवल पर बंद हुआ. उसी दिन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 22,493.55 अंक के अपने लाइफ टाइम हाई पर बंद हुआ.

देश की टॉप 10 कंपनियों में किसे हुआ फायदा और किसे नुकसान

देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनियों में से एक भारती एयरटेल का मार्केट वैल्यूएशन 38,726.67 करोड़ रुपए बढ़कर 6,77,448.44 करोड़ रुपए पर पहुंच गया. देश का सबसे बड़ा सरकारी लेंडर एसबीआई के मार्केट कैप में 13,476.16 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 7,03,393.29 करोड़ रुपए पर पहुंच गया. देश के सबसे बड़े प्राइवेट लेंडर एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 12,243.35 करोड़ रुपए बढ़कर 10,98,707.88 करोड़ रुपए पर आ गई. आईसीआईसीआई बैंक का वैल्यूएशन 3,099.76 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 7,63,581.30 करोड़ रुपए पर पहुंच गया. देश में बड़ी एफएमसीजी कंपनियों में शुमार आईटीसी का मार्केट कैप 1,469.81 करोड़ रुपए बढ़कर 5,15,921.57 करोड़ रुपए पर आ गया. देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस की वैल्यूएशन 1,157.79 करोड़ रुपए बढ़कर 14,87,070.15 करोड़ रुपए रहा. देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर की वैल्यूएशन 1,127.8 करोड़ रुपए बढ़कर 5,68,753.81 करोड़ रुपए हो गया. वहीं दूसरी ओर देश की बड़ी आईटी कंपनियों में शुमार इंफोसिस का मार्केट कैप 15,875.81 करोड़ रुपए घटकर 6,71,121.34 करोड़ रुपए पर आ गया. देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 15,391.94 करोड़ रुपए घटकर 20,01,358.50 करोड़ रुपए रह गई.

देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी की वैल्यूएशन मूल्यांकन में 6,166.87 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 6,48,596.89 करोड़ रुपए रह गया.

चीन की वजह से बना नुकसान का रिकॉर्ड, मस्क के डूबे 3.3 लाख करोड़

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के अनुसार, एलन मस्क ने दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति का खिताब खो दिया है. वास्तव में टेस्ला के प्रमुख की नेटवर्थ में मौजूदा साल में 40 बिलियन डॉलर 3.3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा गंवा दिए हैं. अब मस्क के आगे अमेजन डॉट कॉम के फाउंडर जेफ बेजोस और लुई वुइटन के बर्नार्ड अरनॉल्ट से पीछे हो गए हैं.

मस्क की नेटवर्थ में गिरावट का प्रमुख कारण टेस्ला के घटते शेयर हैं. जोकि मौजूदा साल में 29 फीसदी कम हो चुके हैं और 2021 के टॉप से 50 फीसदी नीचे आ गए हैं. मस्क की अधिकांश नेटवर्थ टेस्ला में उनकी 21 फीसदी हिस्सेदारी से आती है.

70 दिन में डूबे 3.3 लाख करोड़ रुपए

दुनिया के तीसरे सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की नेटवर्थ में बीते 70 दिन में 40 बिलियन डॉलर यानी 3.3 लाख करोड़ रुपए कम हो चुके हैं. मौजूदा समय में उनकी कुल दौलत 189 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ हो चुकी है. शुक्रवार को उनकी नेटवर्थ में 2.37 बिलियन डॉलर की गिरावट देखने को मिल चुकी है. साल 2021 में नवंबर के महीने में एलन मस्क की नेटवर्थ 340 अरब डॉलर तक पहुंच चुकी थी.

इन वजहों से हुआ नुकसान

वास्तव में चीन में टेस्ला की बिक्री में काफी गिरावट देखने को मिला है. वहीं दूसरी ओर बर्लिन के पास इसकी फैक्ट्री में तोड़फोड़ की कार्रवाई के बाद प्रोडक्शन को रोक दिया गया है. जिसकी वजह से कंपनी की कीमतों में काफी असर देखने को मिला है. वहीं मस्क को बड़ा झटका कोर्ट से भी लगा है जिसमें उनके 55 बिलियन डॉलर के सैलरी पैकेज को कैंसल करने वाला आदेश भी है. इस बीच, फॉर्च्यून पत्रिका की रिपोर्ट के बाद मस्क ने घोषणा की कि लॉन्ग फॉर्म वीडियो जल्द ही स्मार्ट टेलीविजन पर उपलब्ध होंगे, सोशल नेटवर्क एक्स ने अगले सप्ताह अमेजन और सैमसंग यूजर्स के लिए एक टीवी ऐप लॉन्च करने की योजना बनाई है.

न्यूजीलैंड में बहती हैं शहद की नदियां, हर साल एक्सपोर्ट से कमाता है 275 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। क्या आप जानते हैं कि दुनिया में सबसे ज्यादा शहद का एक्सपोर्ट कौन देश करता है? इसका जवाब है न्यूजीलैंड। इस छोटे से देश ने 2022 में 333.34 मिलियन डॉलर यानी करीब 275 करोड़ रुपये का शहद एक्सपोर्ट किया। हनी सोर्स के मुताबिक दुनिया के नेचुरल हनी एक्सपोर्ट में न्यूजीलैंड की हिस्सेदारी करीब 12 फीसदी है। न्यूजीलैंड मनुका शहद एक्सपोर्ट करने वाला दुनिया का एकमात्र देश है। मधुमक्खी यह शहद एक खास किस्म के फूल से बनाती हैं। इसमें कई तरह के औषधीय गुण पाए जाते हैं। इस कारण दुनियाभर के कई देशों में इसकी काफी मांग है। यह काफी महंगा बिकता है। भारत में इसका 350 ग्राम का पैक करीब 4,000 रुपये का है। न्यूजीलैंड की हनी एक्सपोर्ट से होने वाली कुल कमाई में मनुका शहद की हिस्सेदारी 82 फीसदी है। शहद एक्सपोर्ट करने के मामले में न्यूजीलैंड के बाद दूसरा नंबर चीन का है। चीन सालाना करीब 22.96 करोड़ डॉलर का हनी एक्सपोर्ट करता है। चीन में सालाना 500,000 टन शहद का उत्पादन होता है। दुनिया में शहद के कुल उत्पादन का एक चौथाई चीन में ही बनता है। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर अर्जेंटीना है। इस देश ने

2020 में 17.95 करोड़ डॉलर का शहद एक्सपोर्ट किया। अर्जेंटीना शहद हाई क्वालिटी का माना जाता है। जर्मनी और यूक्रेन भी शहद एक्सपोर्ट में पांच देशों में शामिल हैं। इसके बाद स्पेन, ब्राजील और हंगरी का नंबर है। भारत नौवें नंबर पर है। भारत ने 2020 में 8.756 करोड़ डॉलर का हनी एक्सपोर्ट किया था। फाइनेंशियल ईयर 2021-22 में भारत ने 1,55,000 टन से अधिक शहद का उत्पादन हुआ। भारत में सबसे ज्यादा शहद उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, बिहार और मध्य प्रदेश में होता है। उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी, बहराइच, सिद्धार्थ नगर और बस्ती में शहद का सबसे ज्यादा उत्पादन होता है। गुजरात में खेड़ा, आणंद और वडोदरा, पंजाब में लुधियाना, जालंधर और अमृतसर, बिहार में वैशाली, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर तथा मध्य प्रदेश में उज्जैन, इंदौर और देवास में शहद का उत्पादन होता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ में	कुंभ...	05-03 बजे
चंद्र-	मीन में	मीन...	06-41 बजे
मंगल	मकर में	मेष...	08-17 बजे
बुध-	मीन में	वृष...	10-01 बजे
गुरु-	मेष में	मिथुन..	12-02 बजे
शुक्र-	कुंभ में	कर्क...	14-14 बजे
शनि-	कुंभ में	सिंह...	16-26 बजे
राहु-	मीन में	कन्या..	18-33 बजे
केतु-	कन्या में	तुला....	20-40 बजे
		वृश्चिक..	22-48 बजे
		धनु....	01-02 बजे
		मकर...	03-09 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-31
भोग्य कलि वर्ष-**426876** सूर्यास्त. - 18-21
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - **05:15** - तक उपरान्त द्वितीया
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष , सोमवार **11 March**
नक्षत्र - उ.भाद्रपद- **17 - 32** - तक उपरान्त रेवती
योग - शुभ - **06 - 27** - पूर्ण दिन-रात तक
करण- बव - **10 - 45** - तक उप- बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:58 से 09:27 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	06:31 - 07:58 शुभ	चंचल	18:21 - 19:54 शुभ
काल	07:58 - 09:27 अशुभ	रोग	19:54 - 21:25 अशुभ
शुभ	09:27 - 10:57 शुभ	काल	21:25 - 22:55 अशुभ
रोग	10:57 - 12:26 अशुभ	लाभ	22:55 - 24:26 शुभ
उत्पात	12:26 - 13:56 अशुभ	उत्पात	24:26 - 01:56 अशुभ
चंचल	13:56 - 15:25 शुभ	शुभ	01:56 - 03:27 शुभ
लाभ	15:25 - 16:55 शुभ	अमृत	03:27 - 04:57 शुभ
अमृत	16:55 - 18:21 शुभ	चंचल	04:57 - 06:31 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं ।अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज के दिन आपका भाग्य आपके साथ है । आज आप ऐसा भी कुछ कर सकते हैं जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी ना हो । आपके सभी प्रयासों में भाग्य आपका साथ देगा । आपको पता है कि मेहनत से ही सफलता मिलती है ।अभी तक आपका भाग्य आपके साथ नही था ,लेकिन आज आप अपने समर्पण की बदौलत कुछ भी हासिल कर पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
काफी समय से जिन्दगी एक ही ढर्रे पर चल रही है,कुछ मजेदार भी नही हो रहा । अपनी नीरस जिंदगी में कुछ साहसिक गतिविधि शामिल करें । अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं या कहीं भी बाहर घूम आयें । महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिए कुछ समय तक खुद को कुछ सामाजिक और निजी गतिविधियों से दूर कर लें ताकि एकाग्रता से काम कर पायें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
इस बात के लिए अधिक सोच विचार ना करें कि अप्रत्याशित घटनाएँ क्यों हो रही हैं या बहुत देर क्यों हो रही है ? ये आपके भले के लिए भी हो सकता है जिसके फायदे अभी आपको दिखाई नही दे रहे हैं । अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग करें । इससे आपको भी अपने रोजमर्रा के नियमित कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं ।आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं । आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा । हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नही दिया तो यह सब उल्टा -पुल्टा भी हो सकता है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)
एकरसता आपको अच्छी न लगती । इससे आप बोर अनुभव करते हैं । आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे । अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी । कुल मिलकर दिन हल्का-फुल्का गुजरेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है । भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें । जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें । ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप बारीकियों पर बहुत ध्यान देंगे । आप किसी परियोजना की ब्योरेवार योजना बनाने में जुटे हुए हैं और आप इस पर बहुत मेहनत भी कर रहे हैं । आपकी यह मेहनत आपके काम में भी दिखाई देगी और इस काम के लिए आपको काफी तारीफ मिलेगी । आपके काम में आज पूरा दिन सृजनात्मकता बनी रहेगी ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आपकी किस्मत चमकने का दिन है। सितारे कहते हैं कि आज आपको कोई विशेष काम करना पड़ सकता है । आज अपने किसी नजदीकी व्यक्ति को खुश कर दें,आपकी किस्मत का ताला खुल जाएगा । फिर भी आज किसी को उधार ना दें ,वापस नही मिल पायेगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी दिक्कतें आज नही होंगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी । अपने नए-पुराने दोस्तों के साथ समय बितायें और मजे करें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है । आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा । जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेंगी । ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए । इससे आपके जीवन की बहुत महत्वपूर्ण दोस्ती या साझेदारी भी प्रभावित होगी ।

पं .महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

भारत में लौटा विदेशियों का भरोसा, 5 दिन में यहां लगाए 12000 करोड़

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। विदेशी निवेशकों का भारत की इकोनॉमी और शेयर बाजार पर मार्च के महीने में पूरा भारोसा दिखाई दे रहा है। इसी भरोसे की वजह से मात्र 5 कारोबारी दिनों में करीब 12 हजार करोड़ रुपए का निवेश कर रहा है। जी हां, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (मार्च में) अबतक भारतीय शेयर बाजारों में 12000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। जबकि जनवरी के महीने में निवेशकों ने शेयर बाजार से 25700 करोड़ रुपए से ज्यादा निकाल लिए थे। वहीं फरवरी के महीने में 1500 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया था। आइए आपको भी बताते हैं कि डिपॉजिटरी में किस तरह के आंकड़ें देखने को मिल रहे हैं।

शेयर बाजार में डाले 12 हजार करोड़

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी के महीने में एफपीआई ने शेयर बाजार में 11,823 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इससे पहले फरवरी में उन्होंने शेयरों में 1,539 करोड़ रुपये डाले थे। वहीं जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। जानकारों की मानें तो अभी तो शुरुआत है। मार्च का महीने बीते 11 महीने में दूसरा सबसे बेहतरीन महीना साबित हो सकता है। दिसंबर के महीने में एफपीआई ले 66 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया था। ऐसे में मार्च के महीने में यह निवेश 20 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का देखने को मिल सकता है।

बॉन्ड मार्केट में डाले कितने

शेयरों के अलावा एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में लोन या बॉन्ड बाजार में 3316 करोड़ रुपए का निवेश किया है। लोन या बॉन्ड बाजार की बात की जाए, तो एफपीआई पिछले कुछ महीनों से जेपी मॉर्गन सूचकांक में भारत सरकार के बॉन्ड को शामिल करने की घोषणा से प्रभावित होकर डेट मार्केट में पैसा लगा रहे हैं। उन्होंने बॉन्ड बाजार में फरवरी में 22,419 करोड़ रुपए, जनवरी में 19,836 करोड़ रुपए, दिसंबर में 18,302 करोड़ रुपए डाले थे। कुल मिलाकर इस साल अबतक एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से 12,382 करोड़ रुपए निकाले हैं। इस दौरान उन्होंने डेट मार्केट में 45,572 करोड़ रुपए डाले हैं।

क्या कहते हैं जानकार

बीडीओ इंडिया के भागीदार और लीडर (एफएस टैक्स, टैक्स एंड रेगुलेटरी सर्विसेज) मनोज पुरोहित ने कहा कि पिछले महीने की तुलना में मार्च में एफपीआई का रुख अधिक सकारात्मक दिखाई दे रहा है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत पर रही है। इसके अलावा भारत की बड़ी कंपनियों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। इस वजह से एफपीआई के बीच भारतीय शेयर बाजार का आकर्षण बना हुआ है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि तीन कारणों से एफपीआई भारतीय बाजार में रुचि दिखा रहे हैं।

इनमें बाजार की मजबूती और अमेरिकी में बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट के अलावा जीडीपी की वृद्धि दर के उम्मीद से बेहतर आंकड़े शामिल हैं।

जेब में रखें पैसा, अगले हफ्ते कमाई कराने आ रहे हैं कई आईपीओ

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। आने वाला सप्ताह प्राइमरी मार्केट के निवेशकों के लिए काफी बिजी रहने वाला है। इस हफ्ते 7 आईपीओ आने वाले हैं। जिनमें से दो आईपीओ मेनबोर्ड के होंगे, जबकि बाकी आईपीओ एमएसएमई इश्यू होंगे। मेनबोर्ड आईपीओ में पॉपुलर व्हीकल्स और क्रिस्टल इंटीग्रेटेड शामिल है। वहीं एमएसएमई आईपीओ में प्रथम ईपीसी, सिग्नोरिया क्रिएशन रॉयल सेंस, और एवीपी इंफ्राकॉन जैसी कंपनियां शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर इस हफ्ते में 8 कंपनियां बाजार में डेब्यू करने जा रही हैं। आदए आपको भी बताते हैं कि वो कौन-कौन सी कंपनियां है, जो बाजार में अपना आईपीओ लेकर आने वाली हैं।

ये कंपनियां करने जा रही है डेब्यू

आरके स्वामी लिमिटेड के शेयर 12 मार्च को लिस्टिड होंगे, जबकि वीआर इंफ्रास्पेस उसी दिन एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करेगा। इसी तरह, सोना मशीनरी के शेयर 13 मार्च को एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे, जबकि जेबी केमिकल्स मेनबोर्ड पर पहली बार लिस्ट होंगे। श्री कर्णी फैबकॉम और कौरना फाइन डायमंड 14 मार्च को एसएमई सेगमेंट में लिस्टिड होंगे, जबकि गोपाल स्नैक्स उसी दिन मेनबोर्ड में डेब्यू करेंगे। पुणे ई-स्टॉक ब्रोकिंग 15 मार्च को एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होगी।

ये कंपनियों लेकर आ रही हैं आईपीओ

पॉपुलर व्हीकल्स एंड सर्विसेज : कंपनी का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 12 मार्च को खुलेगा और 14 मार्च को बंद होगा। इसने अपने पहले पब्लिक ऑफर के लिए 280-295 रुपए का प्राइस बैंड तय किया है। कंपनी की योजना लगभग 602 करोड़ रुपये जुटाने की है, जिसमें 250 करोड़ रुपए का ताजा फ्रेश इश्यू और बाकी का ओएफएस शामिल है।**क्रिस्टल इंटीग्रेटेड :** कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 14 मार्च को खुलेगा और 18 मार्च को बंद होगा। आईपीओ में 175 करोड़ रुपए का ताजा इश्यू और 10 रुपए के फेस वैल्यू के 1,750,000 शेयरों का ओएफएस शामिल है। **प्रथम ईपीसी :** कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 11 मार्च को खुलेगा और 13 मार्च को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए प्राइस बैंड 71-75 रुपए प्रति शेयर तय किया है। **रॉयल सेंस :** कंपनी का आईपीओ 11 मार्च को खुलेगा और 13 मार्च को बंद होगा। रॉयल सेंस के लिए प्राइस बैंड 68 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। न्यूनतम मार्केट लॉट 136,000 रुपए आवेदन राशि के साथ 2000 शेयर है, **सिग्नोरिया क्रिएशन :** कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 12 मार्च को खुलेगा और 14 मार्च को बंद होगा। प्राइस बैंड 61-65 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। न्यूनतम मार्केट लॉट 130,000 रुपए आवेदन राशि के साथ 2000 शेयर है। **एवीपी इंफ्राकॉन :** कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 13 मार्च को खुलेगा और 15 मार्च को बंद होगा।

यूपीआई पेमेंट में आ रही मुकेश अंबानी की जिओ

पेटीएम-फोनपे की धड़कनें हुईं तेज

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)।भारतीय टेलीकॉम सेक्टर का बड़ा खिलाड़ी जिओ अब यूपीआई पेमेंट में उतरने वाला है। जिओ के इस सेगमेंट में आने से पेटीएम और फोनपे जैसे बड़े खिलाड़ियों को कड़ी टक्कर मिलने वाली है। जिओ जब टेलीकॉम सेक्टर में आई थी तो उसने फ्री सर्विस देकर बड़ा धमाका किया था। इसके चलते 3 बड़े प्लेयर्स को छोड़कर सभी को अपनी सर्विस बंद करनी पड़ी थीं। अब जिओ ने साउंडबॉक्स रिटेल आउटलेट्स पर देना शुरू कर दिया है। यह पेटीएम साउंडबॉक्स को सीधी चुनौती है।

जिओ साउंडबॉक्स का ट्रायल शुरू

मुकेश अंबानी की जिओ पे एप सर्विस में साउंडबॉक्स के जुड़ जाने से कंपनी की यूपीआई पेमेंट सेगमेंट में दखल बढ़ जाएगी। एनबीटी की रिपोर्ट के अनुसार, जिओ ने साउंडबॉक्स का ट्रायल शुरू कर दिया है। इस सेगमेंट में पेटीएम , फोनपे और गूगल पे पहले से पकड़ बनाए हुए हैं। हालांकि, पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ आरबीआई की कार्रवाई से पेटीएम के सामने बड़ा संकट खड़ा हुआ। डिजिटल पेमेंट सेगमेंट में इस अवसर का लाभ उठाने के लिए जिओ ने तेजी से कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। कंपनी दुकानदारों को अच्छे इंसेंटिव भी दे रही है।

पेटीएम संकट से मिल गया अच्छा मौका

रिपोर्ट के मुताबिक, पेटीएम संकट के चलते जिओ को आगे बढ़ने का अच्छा मौका मिल गया है। जिओ के इस कदम से अन्य कंपनियां प्रतिस्पर्धा बढ़ने के लिए कमर कस चुकी हैं। जिओ को उसके मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी की मदद से यूपीआई पेमेंट सेगमेंट में आगे बढ़ने में ज्यादा दिक्कत नहीं आने वाली है।

गो फर्स्ट एयरलाइंस से जुड़ी कंपनी को कारण बताओ नोटिस

आदेश की अवहेलना पर अदालत का अहम निर्देश

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गो फर्स्ट एयरलाइंस से जुड़ी कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अदालत ने पूछा है कि गो फर्स्ट एयरलाइंस से जुड़ी कंपनी रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल्स के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए? कंपनी पर हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना के आरोप लगे हैं। पट्टेदारों के विमानों के निरीक्षण और रखरखाव की अनुमति मामले में अदालत ने गो फर्स्ट को अहम निर्देश दिए थे। हालांकि, न्यायिक आदेश का अनुपालन नहीं हुआ। अब कंपनी को अदालत की अवमानना की कार्यवाही का सामना करना पड़ सकता है। एक याचिका पर सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा, 12 अक्तूबर, 2023 को पारित आदेश के पालन में हो रही परेशानी की दलील स्वीकार नहीं की जा सकती। न्यायमूर्ति तारा वितास्ता गंजू ने की पीठ ने कहा कि अदालत के आदेश को लागू करने की मांग और आदेश के कार्यान्वयन की अपील करते हुए पट्टेदार ने अवमानना याचिका दायर की है। आदेश पारित होने के लगभग पांच महीने पूरे होने का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा, कानूनी कार्यवाही के इस स्तर पर पहली नजर में साफ है कि इस अदालत के आदेशों की जानबूझकर अवज्ञा की गई है। अवमानना की कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए। सुनवाई के दौरान रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की तरफ से पेश वकील ने अदालत को बताया कि वह विमान के रखरखाव के संबंध में वापस पुरानी स्थिति में लौटने को तैयार हैं। दलीलों को सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि इस मामले में अब 15 मार्च को अगली सुनवाई होगी। गौरतलब है कि पट्टादाताओं में से एक - डीएई (एसवाई22) 13 आयरलैंड डेसिगनेटेड एक्टिविटी कंपनी ने रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मांग की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल विमानों का रखरखाव नहीं कर रही थी। उन्हें आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जा रहे थे। यहां तक कि अदालत के निर्देशानुसार निरीक्षण की भी अनुमति नहीं दी जा रही थी। कई अन्य पट्टादाताओं ने भी समय-समय पर अदालती आदेशों का अनुपालन न होने जैसे मुद्दे और विवाद उठाए हैं।

बर्फबारी या बारिश, मिनटों में एलएसी पहुंचेगी सेना

सेला टनल की खासियतें और बनने की कहानी; नाम के पीछे लव स्टोरी

ईटानगर, 10 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अरुणाचल प्रदेश का तवांग, जहां दिसंबर 2022 में भारतीय जवानों की चीनी सैनिकों से भिड़ंत हुई थी। तवांग जाने का रास्ता पहाड़ों से गुजरता है, जिनकी ऊंचाई करीब 14 हजार फीट है। तापमान -20 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है और कभी-कभी तो इतनी बर्फबारी होती है कि कई महीने रास्ता ही बंद रहता है। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। सेला टनल बन जाने से अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर से तवांग जाने का रास्ता 12 महीने खुला रहेगा। अब ये दूरी सिर्फ 8 घटे में तय करना संभव होगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 13 हजार फीट की ऊंचाई पर बनी दुनिया की सबसे लंबी डबल लेन टनल का उद्घाटन किया।

5 साल में बनकर तैयार हुई सेला टनल

आजादी के 76 साल पूरे होने के बाद भी बर्फबारी की वजह से ईटानगर से तवांग जाने का रास्ता साल में 7 महीने तक बंद रहता था। 448 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए 12 घंटे से ज्यादा समय लगते थे। अब सेला टनल बन जाने के बाद साल के 12 महीने ये रास्ता खुला रहेगा।

सेला टनल रणनीतिक रूप से इतना अहम क्यों है?

सेला टनल रणनीतिक रूप से अहम 'सेला पास' के नजदीक बनी है। ये इलाका चीनी सेना को एलएसी से साफ नजर आता है। 1962 की भारत-चीन जंग में चीनी सेना इसी सेला पास से घुसकर तवांग तक पहुंची थी। इतना ही नहीं, तवांग सेक्टर में ही 9 दिसंबर 2022 को चीनी सैनिकों ने घुसपैठ की थी, जिसके बाद भारतीय सेना से उनकी झड़प हुई थी।

टनल बन जाने से भारतीय सेना और आम लोगों की एलएसी के इलाकों तक पहुंच सुरक्षित और आसान हो जाएगी। ये टनल बलिपारा-चरीदार- तवांग रोड का पार्ट है। इसमें स्टेट ऑफ द आर्ट लाइटिंग सिस्टम, वेंटिलेशन सिस्टम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और फायर फाइटिंग सिस्टम लगाए गए हैं। 13 हजार फुट की ऊंचाई के कारण इस इलाके का तापमान काफी कम हो जाता है। ये सर्दियों में -20 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है, जिससे यहां पेट्रोल-डीजल भी जमने लगता है।

भारी बर्फबारी की वजह से सिविल ट्रैफिक तो डिस्टर्ब होता ही है, साथ ही सैन्य साजो-सामान की बॉर्डर तक पहुंच भी प्रभावित होती है। अब टनल बनने के बाद सेना के फोर-कोर (गजराज कोर) हेडक्वार्टर तेजपुर, असम से तवांग सेक्टर तक सैनिकों और आर्टिलरीज की पहुंच भी काफी आसान हो जाएगी। इस पूरे टनल का डिजाइन और इन्फ्रास्ट्रक्चर भारतीय सेना की स्पेशल विंग बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन ने तैयार किया है। जंग की स्थिति में इस टनल में कौन-कौन सी चीजें होनी चाहिए, ये बीआरओ को अच्छी तरह से पता है। यही वजह है कि इस टनल के बनने से भारतीय सेना की ताकत और मनोबल बढ़ा है। जबकि चीन की टेंशन बढ़ गई है।

टनल का नाम सेला रखे जाने के पीछे की लव स्टोरी...

नवंबर 1962 की बात है। चीन और भारत के बीच जंग शुरू हुए 27 दिन बीत चुके थे। तभी तवांग सेक्टर पर चीनी सैनिकों ने हमले तेज कर दिए। तवांग के सेला पास से 20 किलोमीटर ऊपर खारसा ओल्ड सेक्टर में भारतीय सेना के गढ़वाल राइफल्स की चौथी बटालियन तैनात थी। चीनी सेना आधुनिक हथियारों के साथ घुसी और गढ़वाल राइफल्स के ज्यादातर जवान शहीद हो गए। इसी बटालियन के एक राइफलमैन थे जसवंत सिंह रावत। जसवंत सिंह रावत ने अकेले ही 10 हजार फीट की ऊंचाई पर मोर्चा संभाला, उनके साथ स्थानीय मोनपा जनजाति की दो लड़कियां सेला और नूरा भी थीं। सेला उसके गांव के पास तैनात जसवंत सिंह रावत से प्यार करती थी। रावत जब चीनी सेना का सामना करने की तैयारी कर रहे थे, तब सेला ने उनसे कहा कि वह भी उनके साथ चीनी सेना से लड़ेगी। सेला के साथ उसकी दोस्त नूरा ने भी दुश्मनों से लड़ने का फैसला किया। इस दोनों लड़कियों को इलाके के बारे में पता था, उन्होंने रावत के साथ मिलकर अलग-अलग जगहों पर बंदूकें लगा दीं।

माना जाता है कि कई दिन तक चीनी सेना अकेले जंग लड़ रहे जसवंत को भारतीय सैनिकों की टुकड़ी समझती रही। इस जवाबी हमले में करीब 300 चीनी सैनिक मारे गए थे।

बाद में चीनी सेना ने उन्हें घेर लिया, सेला ग्रेनेड हमले में मारी गई और नूरा पकड़ी गई। कहा जाता है कि जसवंत ने खुद को गोली मार ली और चीनी सेना उनका सिर काटकर अपने साथ ले गई। बाद में एक चीनी कमांडर ने वो सिर भारत को लौटा दिया।

भारतीय सैनिक मानते हैं कि जसवंत सिंह की आत्मा आज भी भारत की पूर्वी सीमा की रक्षा करती है। आज इस जगह का नाम जसवंतगढ़ है। जसवंत सिंह के साथ शहीद हुई उस लड़की के नाम पर ही सेला पास नाम रखा गया था। तवांग के जिन लोगों ने वो युद्ध देखा, वो बताते हैं कि चीनी सेना लौटी, तो जसवंतगढ़ से सेला पास और तवांग तक सड़कों के किनारे भारतीय जवानों की लाशें बिखरी पड़ी थीं। भविष्य में 1962 जैसी स्थिति दोबारा न देखना पड़े, इसीलिए सरकार ने सेला टनल बनवाई है, ताकि जरूरत पड़ने पर किसी भी मौसम में सैनिकों और हथियारों की सप्लाई यहां आसानी से हो सके।

चीन की तरफ से बीते सालों में फिर बढ़ी आक्रामकता को देखते हुए 2022 की शुरुआत में केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर में इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के लिए 1.6 लाख करोड़ रुपए देने का ऐलान किया था। इसमें से अरुणाचल प्रदेश के हिस्से में सबसे ज्यादा 44,000 करोड़ रुपए आए। ज्यादातर प्रोजेक्ट चीन-तिब्बत बॉर्डर यानी एलएसी पर चल रहे हैं।

राजनांदगांव में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पोस्टर से छेड़छाड़

थाने पहुंचे गुस्साए कांग्रेसियों ने कराया केस

रायपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पोस्टर के साथ छेड़खानी के आरोप में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बसंतपुर थाने में ज्ञापन सौंपा। अज्ञात व्यक्ति ने फ्लैक्स पोस्टर को छेड़ा और इससे कांग्रेसी बहुत नाराज हैं। बसंतपुर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

राजनांदगांवः पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पोस्टर के साथ छेड़खानी के आरोप में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बसंतपुर थाने में ज्ञापन सौंपा। जिले के बसंतपुर थाने के बगल में ही महाशिवरात्रि के आयोजन को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का एक फ्लेक्स पोस्टर लगाया गया था। इस पोस्टर में अज्ञात व्यक्ति ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का चेहरा ब्लेड नुमा किसी चीज से काट दिया। जिसकी जानकारी कांग्रेस जनों को मिलने के बाद महापौर हेमा देशमुख सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी बसंतपुर थाने पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने आवेदन देकर इस तरह का कृत्य करने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

जिस नेता के लिए बीजेपी ने काटा था रमन सिंह के बेटे का टिकट, उसी के खिलाफ उतरे भूपेश बघेल, जानें कौन हैं संतोष पांडेय

इस मामले में महापौर हेमा देशमुख ने कहा कि राजनीतिक द्वेष के चलते इस तरह का कृत्य अज्ञात व्यक्ति द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पोस्टर कोई राजनीतिक नहीं था बल्कि धार्मिक आयोजन की शुभकामना देने लगाया गया था। उन्होंने कहा कि आरोपी की हरकत से हमारी धार्मिक आस्था भी आहत हुई है। उन्होंने कहा कि इस मामले में आरोपी का नाम जाहिर नहीं होने और कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में हम सड़क पर बैठने बाध्य होंगे। आपको बता दें कि बसंतपुर थाने से चंद कदम दूर हुई इस घटना में पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कांग्रेसियों के आवेदन के बाद ये कार्रवाई की गई है। इस मामले में थाना प्रभारी सत्यनारायण देवांगन ने कहा कि अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ छत्तीसगढ़ संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत उचित धाराओं में मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार की तस्वीर फाड़े जाने के मामले में बसंतपुर पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। वहीं इस मामले में कांग्रेस ने त्वरित कार्रवाई की भी मांग की है।

गिरिडीड के जैन मंदिर से महावीर की 12 मूर्ति चोरी

अष्टपति हार, चांदी का छत्र भी ले गए चोर सीसीटीवी से भी छेड़छाड़, लोग आक्रोशित

गिरिडीह, 10 मार्च (एजेंसियां)। गिरिडीह के जैन मंदिर में चोरी का मामला सामने आया है। यहां चोरों ने देर रात मंदिर से भगवान महावीर के 12 छोटे-छोटे प्रतिमा सहित एक चांदी का छत्र, चांदी का अष्टपति हार अपने साथ चोरी कर ले गए। इस दौरान चोरों ने मंदिर में लगे सीसीटीवी के साथ भी छेड़छाड़ की। हालांकि, इसके बावजूद पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई।

जानकारी के मुताबिक, चोरी करने के बाद चोरों ने भगवान महावीर के छोटे प्रतिमाओं को मंदिर के पीछे छोड़ दिया। जबकि अष्टपति हार और चांदी का छत्र अपने साथ ले गए हैं। मंदिर में चोरी की घटना के बाद स्थानीय लोगों में काफी गुस्सा है। घटना जिले के निमियाघाट थाना क्षेत्र के इसरी बाजार स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन उदासीन महिला आश्रम परिसर में स्थित जैन मंदिर की है।

बताया जा रहा है कि सुबह जब श्रद्धालु मंदिर पूजा करने के लिए पहुंचे, तो मंदिर का ताला टूटा था। लोगों ने अंदर जाकर देखा तो भगवान महावीर की प्रतिमा भी गायब थी। मुर्ति चोरी होने की जानकारी जब आस-पास के लोगों को हुई तो वे लोग आक्रोशित हो गए। स्थानीय लोग लगातार चोर की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

फिलहाल पुलिस के लिए एक महीने में दूसरी बार चोरी की घटना चुनौती बन गई है। बता दें कि इसी इलाके में एक माह पूर्व इसरी बाजार राधा कृष्ण ठाकुरबाडी में भी चोरी की घटना को चोरों ने अंजाम दिया था। लेकिन मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

महतारी वंदन योजना की पहली किस्त जारी

प्रधानमंत्री ने 70 लाख महिलाओं के खाते में ट्रांसफर किए 655 करोड़; मोदी बोले- ये ऐतिहासिक क्षण

रायपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना की पहली किस्त रविवार को जारी हो गई। पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली 70 लाख महिलाओं के खाते में कुल 655 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। पीएम मोदी ने वर्चुअली कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने काशी से आज अपनी माताओं-बहनों के खाते में पैसे ट्रांसफर किए हैं।

आप सबके खाते में अब हर महीने बगैर परेशानी के पैसा आता रहेगा, ये मेरा भरोसा है छत्तीसगढ़ की बीजेपी की सरकार पर। मैं गारंटी देता हूं। जब माताएं-बहने सशक्त होती हैं, तो पूरा परिवार सशक्त होता है। डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता माताओं-बहनों का कल्याण है।

रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम समेत कई नेता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने जय जोहार से संबोधन शुरू करते हुए कहा कि दो हफ्ते पहले मैंने छत्तीसगढ़ में 35 हजार करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया था। आज मुझे नारी शक्ति को सशक्त बनाने वाली महतारी वंजन योजना को समर्पित करने का मौका मिला है।

योजना के तहत प्रदेश की 70 लाख से ज्यादा माता-बहनों को हर महीने 1 हजार महीना देने का वादा किया था। बीजेपी सरकार ने अपना वादा पूरा किया है। बाबा विश्वनाथ भी आपको आशीर्वाद दे रहे हैं

पीएम ने कहा कि आज योजना के तहत 655 करोड़ की पहली किस्त जारी की गई है। मैं स्क्रीन पर देख रहा हूं कि लाखों बहनों के दर्शन हो रहे हैं। इतनी बड़ी तादात में आप बहनों को एक साथ देखना, आपका आशीर्वाद मिलना मेरा सौभाग्य है। मुझे छत्तीसगढ़ में आपके बीच पहुंचना चाहिए था, लेकिन अलग-अलग कार्यक्रमों के कारण यूपी में हूं। बाबा विश्वनाथ की नगरी में हूं।

काशी नगरी से आप सबसे बात करने का अवसर मिला है। बाबा विश्वनाथ भी आपको आशीर्वाद दे रहे हैं। महाशिवरात्रि के कारण 8 मार्च को कार्यक्रम संभव नहीं था। भोलेनाथ के आशीर्वाद से आपके खाते में 1 हजार रुपया पहुंच रहा है।

10 करोड़ महिलाओं का जीवन बदला

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दस सालों में स्वसहायता समूहों के जरिए 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं का जीवन बदल गया है। देश में एक करोड़ से ज्यादा लखपति दीदी बन गई हैं। गांव-गांव में इतनी बड़ी आर्थिक शक्ति बन गई हैं। हम अब संकल्प कर चुके हैं कि देश की 3 करोड़ बहनों को लखपति बनाने का लक्ष्य पूरा करेंगे।

महिलाओं को सरकार ड्रोन देगी और ट्रेनिंग भी

पीएम मोदी ने कहा कि नमो ड्रोन योजना के तहत महिलाओं को सरकार ड्रोन देगी और ट्रेनिंग भी। कल ही दिल्ली से इस योजना का शुभारंभ होगा। इसके तहत महिलाएं खेती की देखभाल करने के साथ ही आय भी बढ़ा सकेंगी। नमो ड्रोन दीदी क्या कमाल कर रही हैं। भविष्य में आपको भी योजना से जोड़ेंगे।

घर की महिलाएं स्वस्थ तो परिवार स्वस्थ

पीएम ने कहा कि परिवार समृद्ध तब होता है जब स्वस्थ होता है। परिवार स्वस्थ तभी होता है जब घर की महिलाएं स्वस्थ होती हैं। हमने मुफ्त टीकाकरण और गर्भ के समय पांच हजार रुपए देने की योजना बनाई। 5 लाख के मुफ्त इलाज की सुविधा दी।

डबल इंजन की सरकार गारंटी पूरी करती रहेगी- मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने गारंटी दी थी कि हमारी सरकार 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदेंगे। मुझे गर्व है कि सरकार ने धान खरीद कर रिकॉर्ड भी बना दिया है। ये वादा हमने पूरा किया। कृषक उन्नति योजना शुरू हो चुकी है। इसके तहत इस साल खरीदे गए धान की अंतर राशि का भुगतान भी हम जल्दी करेंगे।

आगामी 5 सालों में जनकल्याण के इन कामों को निर्णायक ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा। इसमें सभी माताओं-बहनों की भी भागीदारी होगी। छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार अपनी गारंटी पूरी करती रहेगी।

खुशहाली की जो गारंटी दी थी उसे पूरा करेंगे

पीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ की खुशहाली की जो गारंटी दी थी, उसे पूरा करने के लिए बीजेपी सरकार लगातार काम कर रही है। हमने गारंटी दी थी कि 18 लाख पक्के आवास का निर्माण करेंगे। विष्णुदेव साय सरकार बनने के बाद कैबिनेट बैठक लेकर अगले दिन ही काम शुरू कर दिया।

पहले चरण में 655 करोड़ रुपए ट्रांसफर

आवेदन अपलोड करने के लिए अधिकारी-कर्मचारियों के 68 हजार 836 से अधिक यूजर आईडी तैयार किए गए, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। आवेदकों से ऑफलाइन आवेदन लिए जाने की प्रक्रिया 5 से 20 फरवरी 2024 तक चली। 15 दिन में सभी 70 लाख आवेदन को पोर्टल में ऑनलाइन अपलोड भी कर दिया गया।

पहले चरण में योजना के तहत 70 लाख 12 हजार 800 पात्र आवेदकों को पहली किस्त मिली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 655 करोड़ 57 लाख रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर किया।

नर हाथी की मौत: जहर देकर मारने की आशंका

एक महीने से ज्यादा समय से उत्पात मचा रहे 34 हाथी

बलरामपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के वाड्रफनगर वन परिक्षेत्र में एक नर हाथी का शव रविवार सुबह फोकली महुआ वनक्षेत्र में मिला है। 34 हाथियों का दल पिछले एक महीने से इलाके में उत्पात मचा रहा है। 2 दिनों पहले हाथियों का ये दल वाड्रफनगर नगरीय क्षेत्र की सीमा में घुस गया था। वहां से खदेड़े जाने के बाद हाथी फोकली महुआ पहुंचे थे। हाथी को जहर देकर मारने की आशंका है।

3 वेटनरी डॉक्टरों की टीम हाथी का पोस्टमॉर्टम करने पहुंची है। जानकारी के मुताबिक, 34 हाथियों का दल वाड्रफनगर वन परिक्षेत्र में करीब 40 दिनों से घूम रहा है। रविवार रात हाथियों का दल फोकली महुआ क्षेत्र में मौजूद था। रविवार सुबह दल के एक नर हाथी का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृत हाथी करीब 10 साल का था। सूचना पर वाड्रफनगर एसडीओ फॉरेस्ट अनिल सिंह पैकरा के नेतृत्व में वन अमला मौके पर पहुंचा।

हाथी के शव पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। मृत हाथी के मुंह से खून बाहर निकला है। सामान्यतः यह स्थिति जहरीले पदार्थ के खाने के कारण होती है। आशंका है कि हाथियों के उत्पात से परेशान होकर लोगों ने जहर मिलाकर खाने का सामान रख दिया होगा, जिसे हाथी ने खा लिया।

वन विभाग की सूचना पर वेटनरी डॉक्टर देवेंद्र यादव सहित 3 डॉक्टरों की टीम दोपहर में मौके पर पहुंची। वन अधिकारियों की मौजूदगी में तीनों डॉक्टर हाथी के शव का पोस्टमॉर्टम करेंगे। एसडीओ फॉरेस्ट अनिल सिंह पैकरा ने कहा है कि नर हाथी की मौत किस कारण से हुई है, इसका पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

हाथियों से दूर रहने की सलाह

हाथियों का दल अब भी पास के जंगल में मौजूद है। ग्रामीणों को वन अमले ने हाथियों के दल से दूर रहने की सलाह दी है। जंगली हाथियों का दल दिन में जंगल में रहकर आराम करते हैं और शाम होते ही भोजन की तलाश में रिहायशी इलाके की तरफ आ रहे हैं।

हाथियों के दल ने वाड्रफनगर वन परिक्षेत्र के मदनपुर, ककनेसा, पनसारा, कोटरकी, वाड्रफनगर नगर पंचायत क्षेत्र, कैलाशपुर, मेंढारीख गुरुमुखी सहित दर्जनों गांव में 400 किसानों की 300 एकड़ में लगी फसल को रौंद कर तबाह कर दिया है।

छत्तीसगढ़ के 43 बीजेपी नेताओं को कैटेगरी की सिक्योरिटी

बीजापुर जिलाध्यक्ष ने गृहमंत्री शाह को लिखी थी चिट्ठी; नक्सली हमले की जताई थी आशंका

रायपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले बस्तर के 43 बीजेपी नेताओं को Y+, Y और X कैटेगरी की सुरक्षा दी है। दरअसल, हाल ही में बीजापुर बीजेपी जिलाध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सुरक्षा की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि नक्सली बीजेपी नेताओं को टारगेट कर रहे हैं।

बस्तर के 43 बीजेपी नेताओं के साथ छत्तीसगढ़ पुलिस के जवान और कमांडो होंगे। सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, कांकेर, और नारायणपुर जिले के नेताओं को सुरक्षा देने का आदेश जारी किया गया है। सुरक्षा में तैनात जवान प्रदेश पुलिस के ही होंगे। सुकमा बीजेपी जिलाध्यक्ष धनीराम बारसे को सबसे हाई Y+ श्रेणी की सुरक्षा दी गई है।

बीते दो सप्ताह में नक्सली बीजापुर जिले में दो बीजेपी नेताओं की हत्या कर चुके हैं। यही वजह है कि नेताओं ने सीधे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से ही सुरक्षा देने की गुहार लगाई। कांग्रेस ने इसे

मुद्दा बनाते हुए कहा था कि सरकार अपने नेताओं को ही सुरक्षा नहीं दे पा रही है।

इसके बाद पुलिस विभाग की ओर से जारी आदेश में सुकमा जिले के 6, बीजापुर जिले के 10, दंतेवाड़ा के 17, जगदलपुर के 4, कोंडागांव के 1, कांकेर से 4 और नारायणपुर जिले के एक बीजेपी नेता को सुरक्षा देने की बात कही गई है।

बीजापुर जिले के बीजेपी नेता श्रीनिवास मुदलियार ने 7 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा था। जिसमें कहा गया था कि 'राज्य सरकार के नक्सल विरोधी अभियानों से बौखलाकर नक्सली बीजेपी नेताओं को निशाना बना रहे हैं। बीजापुर जिला धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र है, लिहाजा बीजेपी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं पर हमेशा मौत का भय बना रहता है।

उन्होंने पत्र में लिखा- 'हाल ही में पार्टी के एक नेता की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जिसके बाद पदाधिकारियों में डर का माहौल है। कई नेता लगातार नक्सलियों के निशाने पर हैं, वे रात में अपना ठिकाना बदल-बदलकर रह रहे हैं।

दंतेवाड़ा से बीजेपी विधायक भीमा मंडावी की हत्या 9 अप्रैल 2019 को लोकसभा चुनाव प्रचार से घर लौटने के दौरान हुई थी। नकुलनार के श्यामगिरी गांव के पास IED लगाकर नक्सलियों ने उनके काफिले को विस्फोट से उड़ा दिया था। इसमें विधायक भीमा मंडावी उनके ड्राइवर, सुरक्षाकर्मी समेत कुल चार लोगों की मौत हो गई थी।

घटना के बाद एंटी नक्सल ऑपरेशन के डीजी गिरधारी नायक ने दावा किया था भीमा मंडावी को अलर्ट किया गया था। उन्हें नक्सल मूवमेंट की जानकारी देते हुए दूसरे रास्ते का इस्तेमाल करने की सलाह भी दी गई थी।

एक्स श्रेणी की सुरक्षाः इस श्रेणी में 2 सुरक्षाकर्मी तैनात होते हैं। जिसमें एक पीएसओ (व्यक्तिगत सुरक्षा अधिकारी) होता है।

वाई श्रेणी की सुरक्षाः इसमें कुल 8 से 10 सुरक्षाकर्मी होते हैं। जिसमें दो पीएसओ (निजी सुरक्षागार्ड) भी होते हैं। इस श्रेणी में कोई कमांडो नहीं होता है।

वाई प्लस श्रेणी सुरक्षाः इसमें 8 से 10 सुरक्षाकर्मी होते हैं। इनमें 1 या 2 कमांडो और 2 पीएसओ भी होते हैं। बीजेपी नेताओं के साथ सीजी पुलिस और प्रदेश पुलिस आर्म्स फोर्स के कमांडो होंगे।

झारखंड में कांग्रेस जमीनी नेताओं को ही बनाएगी उम्मीदवार : गुलाम

रांची, 10 मार्च (एजेंसियां)। रांची। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम मोहम्मद मीर ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव संविधान को बचाने और बेचने वालों के बीच है। संविधान को बचाने की हम भरपूर कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मोदी सरकार अपने मन मुताबिक संविधान में परिवर्तन कर इसकी मूल भावना को बेचने का काम कर रही है। झारखंड में कांग्रेस निर्विवाद और जमीनी नेताओं को ही लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाएगी।

हमें हर कीमत पर उनकी जीत निश्चित करनी है, ताकि केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बन सके।

मीर गोड्डा लोकसभा समन्वय समिति की बैठक देवघर में हुई बैठक में अपनी बातें रख रहे थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि न्याय के पांच स्तंभों में से एक युवा न्याय के लिए राहुल गांधी ने प्रमुख घोषणा कर दी हैं।

केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर तुरंत 30 लाख पदों पर भर्ती, 25 वर्ष तक के प्रत्येक स्नातक एवं डिप्लोमाधारी को अप्रेंटिसशिप अधिकार के तहत प्रतिवर्ष 100000 रुपए का पारिश्रमिक भत्ता, पेपर लीक से मुक्ति के लिए कड़े कानून का प्रावधान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से विकासवादी सोच का रुख अख्तियार किया है और भाजपा देश में लोगों को लड़ा कर झूठे आश्वासन देकर सत्ता में आने का रास्ता खोजती है।

पाक-श्रीलंका के बाद अब बांग्लादेश, चीन कैसे कर रहा मुल्कों को तबाह

ढाका, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारत हमेशा से पड़ोसी देशों से मधुर संबंध रखता रहा है और समय-समय पर पड़ोसियों की मदद भी करता रहा है। लेकिन दूसरी ओर, चाहे पाकिस्तान हो या बांग्लादेश या फिर म्यामार या श्रीलंका चीन ने पहले उनके साथ अच्छे संबंध बनाए हैं और उन संबंधों आड़ में उन देशों को आर्थिक रूप से दिवालिया बना दे रहा है। पहले उन देशों को आर्थिक मदद करता है और कर्ज के बोझ में लाद देता है और फिर उसकी अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से पंगु बना देता है। अगर आप भारत के आसपास के किसी भी पड़ोसी देश पर नजर डालें तो पाएंगे कि उन्होंने चीन से कर्ज ले रखा है। दरअसल, चीन ने पैसे की ताकत से दक्षिण एशिया को अपने कब्जे में करना चाहता है, लेकिन चीन ने इसके लिए रणनीति बनाई है। पाकिस्तान आर्थिक कर्ज में डूब रहा है। हालात ऐसे हैं कि सरकार चलाने के लिए पैसे नहीं हैं। पाकिस्तान

की सरकार और जनता बदहाल है। जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को कर्ज दिया है, वैसे ही चीन ने भी आर्थिक मदद दी है। लेकिन ऋण के रूप में। ऐसी ही एक तस्वीर 2023 की शुरुआत में श्रीलंका में देखी गई थी। श्रीलंका में वित्तीय ढांचा पूरी तरह चरमरा गया था। इतना भयानक वित्तीय संकट क्यों पैदा हुआ, इसका उत्तर खोजने में पता चलता है कि श्रीलंका ने चीन से भारी भरकम वित्तीय ऋण लिया था। इस बार बांग्लादेश उसी जाल में फंसते जा रहा है।

कर्ज की जाल में देशों को फंसाता है चीन

आंकड़ों के मुताबिक, 2020 से 2021 के बीच चीन ने कुल 165 निम्न और मध्यम वर्ग के देशों को कर्ज दिया है। कर्ज का आंकड़ा 1.38 ट्रिलियन डॉलर है। रूस ने चीन से सबसे बड़ा कर्ज 170 अरब डॉलर लिया। वेनेजुएला दूसरे स्थान पर है। चीन से उनका ऋण और अनुदान 113 अरब डॉलर है। पाकिस्तान तीसरे स्थान पर है। कर्ज की रकम 70 अरब डॉलर के करीब है। उसने पाकिस्तान के साथ लंबे समय से प्रतीक्षित बेल्ट रोड परियोजना पर भी काम शुरू कर दिया है। हालांकि, पश्चिमी देशों की शिकायत है कि यह चीन का कर्ज नहीं, बल्कि मौत का जाल है। चीन ने आर्थिक रूप से कमजोर देशों को उनकी चुकाने की क्षमता से अधिक कर्ज देने के जाल में फंसा लिया है। बाद में जब कर्ज न चुकाने के बाद देश की अर्थव्यवस्था चरमरा गई तो चीन ने हाथ जोड़ लिये। कर्ज में डूबे देशों ने चीन के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इस तरह चीन एक के बाद एक देश पर नियंत्रण स्थापित करता जा रहा है।

कैसे फंस रहा है बांग्लादेश?

बांग्लादेश का विदेशी मुद्रा भंडार धीरे-धीरे कम हो रहा है। पिछले डेढ़ साल से भंडार में लगातार गिरावट आ रही है। दूसरी ओर, चीन ने बांग्लादेश को विभिन्न विकास परियोजनाओं में वित्तीय सहायता प्रदान की है। पद्मा ब्रिज से लेकर, कर्णफुली नदी के नीचे सुरंग, चीन ने ढाका रैपिड ट्रांजिट जैसी विभिन्न विकास परियोजनाओं में वित्तीय सहायता प्रदान की है। स्वाभाविक रूप से, बांग्लादेश ने अमेरिका की तुलना में चीन को अधिक समर्थन दिखाया है।चीन ने कहा है कि वह जरूरत पड़ने पर मदद करेगा, क्योंकि बांग्लादेश में विदेशी मुद्रा भंडार में कमी को लेकर सरकार के अंदर चिंता है।

इससे कैसे मदद मिलेगी? चीन उन सभी कंपनियों के बिल का भुगतान कर सकता है जो बांग्लादेश चीन से आयात करता है। बांग्लादेश क्रेडिट लाइन के माध्यम से भी ऋण प्रदान कर सकता है, लेकिन इस मामले में एक बड़ी समस्या है, क्योंकि बांग्लादेश पहले ही आईएमएफ से कर्ज ले चुका है। ऐसे में अगर वे चीन से नया कर्ज लेने जाएंगे तो यह भी सवाल है कि वे इसे स्वीकार करेंगे या नहीं। लेकिन अगर बांग्लादेश भारत के पड़ोसियों पाकिस्तान या श्रीलंका के हालात पर नजर डालेगा, तो निश्चित रूप से इस बारे में दोबारा सोचेगा।

पेम्बा द्वीप में कछुए का मांस खाने से 9 लोगों की मौत

78 लोग अस्पताल में भर्ती

जंजीबार, 10 मार्च (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश तंजानिया के पास जंजीबार द्वीप समूह में कछुए का मांस खाना सैकड़ों लोगों के लिए भारी पड़ गया। दरअसल, यहां जंजीबार द्वीप समूह के पेम्बा द्वीप पर समुद्री कछुए का मांस खाने से 8 बच्चों और 1 महिला की मौत हो गई। इनके अलावा अभी तक 78 अन्य लोगों की तबीयत खराब हो गई। तबीयत खराब होने के बाद सभी लोगों को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी। बता दें कि समुद्री कछुए के मांस में विषाक्तता ज्यादा होती है, जिस वजह से इसे नहीं खाने की सलाह भी दी जाती है। दरअसल, जंजीबार के लोग समुद्री कछुए का मांस बड़े चाव से खाते हैं। हालांकि इसकी वजह से अक्सर खाद्य विषाक्तता के कारण मौत होने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। वहीं इस पूरी घटना को लेकर मकोआनी जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ। हाजी बाकरी ने बताया कि शुक्रवार देर रात जहरीला भोजन करने से एक महिला की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि समुद्री कछुए का मांस खाने से जिन बच्चों की मौत हुई, उनमें इस महिला का भी एक बच्चा शामिल था। उन्होंने बताया कि इन लोगों ने कछुए का मांस मंगलवार को खाया था।

कछुए का मांस नहीं खाने का आग्रह

जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. हाजी बाकरी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रयोगशाला में जांच से पुष्टि हुई है कि सभी लोगों ने समुद्री कछुए का मांस खाया था। वहीं घटना के बाद पूर्वी अफ्रीकी देश तंजानिया के अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र जंजीबार के अधिकारियों ने एक आपदा प्रबंधन टीम भेजी, जिसने लोगों से समुद्री कछुओं का मांस नहीं खाने का आग्रह किया। इसी तरह से पेम्बा में नवंबर 2021 में कछुए का मांस खाने से तीन साल के बच्चे सहित 7 लोगों की मौत हो गई थी। उस समय तीन अन्य लोग बीमार भी हो गए थे, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

'लोहे की तरह मजबूत हमारी दोस्ती'

शी जिनपिंग ने आसिफ अली जरदारी को दी पाक के राष्ट्रपति चुने जाने की बधाई, सीपीईसी का भी किया जिक्र

बीजिंग, 10 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह-अध्यक्ष आसिफ अली जरदारी को पाकिस्तान का 14वां राष्ट्रपति चुना गया। वो दूसरी बार देश का सर्वोच्च पद संभालने जा रहे हैं। राष्ट्रपति चुने जाने पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आसिफ अली जरदारी को बधाई दी है। शी जिनपिंग ने कहा, पाकिस्तान और चीन की दोस्ती लोहे की तरह मजबूत है।

दोनों मुल्क एक अच्छे दोस्त और साझेदार: शी जिनपिंग

वहीं, उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में बदलती वैश्विक परिस्थिति के बीच दोनों देश के संबंध और महत्वपूर्ण बन चुके हैं। शी जिनपिंग ने आगे कहा,चीन और पाकिस्तान अच्छे पड़ोसी, अच्छे दोस्त, अच्छे साझेदार और अच्छे भाई हैं, उन्होंने कहा कि दोनों देशों की मजबूत दोस्ती इतिहास की पसंद है। शी जिनपिंग ने आसिफ अली जरदारी को बधाई देते हुए चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चीन -पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के निर्माण तेजी से हो रहा है। सीपीईसी, द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। गौरतलब है कि भारत ने चीन के शिनजियांग को बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह से जोड़ने वाले 60 अरब अमेरिकी डॉलर के सीपीईसी पर चीन से आपत्ति जताई है क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से होकर गुजर रहा है।

इशाक डार बनाए जा सकते हैं विदेश मंत्री

पीएमएल-एन नेता शाहबाज शरीफ के फिर से प्रधानमंत्री बनने के बाद मंत्रिपरिषद गठन की तैयारियां चल रही हैं। विदेश मंत्री के रूप में इशाक डार का नाम लिया जा रहा है। इशाक इससे पहले की शहबाज सरकार में वित्त मंत्री का दायित्व संभाल रहे थे।

इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर मूसलाधार बारिश के बाद हुआ भूस्खलन, 19 लोगों की मौत और कई लापता

सुमात्रा, 10 मार्च (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण अचानक बाढ़ आने और भूस्खलन से भारी तबाही मचाई है। भूस्खलन और बाढ़ की चपेट में आने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य लापता हैं। लापता हुए लोगों की संख्या और भी बढ़ सकती है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। घटनास्थल पर आपदा प्रबंधन एजेंसियों ने राहत और बचाव का कार्य तेजी से शुरू कर दिया है। कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है स्थानीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख डोनी युसरीजल ने कहा कि शुक्रवार देर रात कई टन मिट्टी, चट्टानें और उखड़े हुए पेड़ एक पहाड़ से लुढ़ककर एक नदी तक पहुंच गए। उन्होंने कहा कि इसके बाद कई तट टूट गए और पश्चिम सुमात्रा प्रांत के पेसिसिर सेलातन जिले में पहाड़ी गांवों में बाढ़ आ गई। इससे आसपास रह रहे लोगों के बीच हाहाकार मच गया। युसरीजल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस आपदा में मरने वालों की संख्या 19 हो गई है।

80 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित

एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अचानक आई बाढ़ से कम से कम दो ग्रामीण घायल हो गए और बचावकर्मी ऐसे सात लोगों की तलाश कर रहे हैं जो कथित तौर पर अब भी लापता हैं। बयान में कहा गया कि बाढ़ और भूस्खलन के कारण 14 घर जमीदोंज हो गए, 80,000 से अधिक लोग अस्थायी सरकारी आश्रयों में चले गए, जबकि पश्चिम सुमात्रा प्रांत के नौ जिलों और शहरों में लगभग 20,000 घरों की छत तक पानी भर गया है।

इटली में प्रदर्शनी से चोरी हुई 49 सोने की मूर्तियां

13 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक है कीमत

रोम, 10 मार्च (एजेंसियां)। इटली में बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। बुधवार रात लेक गार्डा के पास एक प्रदर्शनी से लगभग 49 सोने की कलाकृतियां चोरी हो गई। ये सभी मूर्तियां इतालवी मूर्तिकार अम्बर्टो मास्ट्रोयानी द्वारा बनाई गई है। 'लाइक अ वार्म, फ्लोइंग गोल्ड' नामक प्रदर्शनी से 1.2 मिलियन यूरो (1.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक) मूल्य की कला की 49 कलाकृतियां चोरी हो गई। प्रदर्शनी दिसंबर के अंत में खुला था और शुक्रवार यानी 8 मार्च को बंद होने वाला था। रिपोर्ट के अनुसार, 49 में से एक मूर्ति जिसका नाम 'उमो/डोना' (पुरुष/महिला) था, बाद में प्रदर्शनी परिसर में ही पाया गया। हालांकि, अन्य 48 मूर्तियों का अब तक पता नहीं चल पाया है। संपत्ति के प्रवक्ता ने सीएनएन को बताया कि चोरी की जांच की जा रही है। संपत्ति के प्रमुख जिओर्डानो ब्रूनो गुएरी ने कहा कि उनका मानना है कि चोरी एक बहुत बड़े गिरोह का काम है।

न्यूयॉर्क में लापता हुई भारतीय युवती बाइपोलर डिसऑर्डर से है पीड़ित

न्यूयॉर्क, 10 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में 'बाइपोलर डिसऑर्डर' से पीड़ित भारतीय युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि 25 वर्षीय एक भारतीय युवती न्यूयॉर्क शहर में लापता हो गई है और पुलिस उसे खोजने में मदद के लिए लोगों से जानकारी मांग रही है।

1 मार्च को दिखाई दी थी युवती

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, युवती का नाम फेरिन खोजा है। उसे आखिरी बार 1 मार्च को रात करीब 11 बजे क्वींस स्थित अपने आवास से निकलते देखा गया था।

घर से निकलती हुई देखी गई थी युवती

न्यूयॉर्क सिटी पुलिस विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वह अंतिम बार अपने घर से निकलती हुई दिखाई दी थी। उसे आखिरी बार ऑलिव ग्रीन कलर की जैकेट, ग्रीन स्वेटर और ब्लू जींस में देखा गया था। पुलिस ने बताया कि फेरिन खोजा 'बाइपोलर डिसऑर्डर' से पीड़ित है।

लापता युवती की तलाश कर रही पुलिस

वहीं, पुलिस विभाग ने कहा कि लापता युवती की तलाश के लिए लोगों से मदद मांगी जा रही है। साथ ही उसकी तस्वीरों को जगह-जगह पर चस्पा भी किया गया है। इसके अलावा पुलिस ने न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास को मामले के बारे में सूचित कर दिया है।

पाकिस्तान के दोस्त अजरबैजान से तनाव चरम पर, भारत से 84 तोप खरीद सकता है आर्मेनिया, 50 किमी तक बरसेगा कहर

येरेवन, 10 मार्च (एजेंसियां)। अजरबैजान और आर्मेनिया खुद को भारी हथियारों से लैस कर रहे हैं। इस कारण क्षेत्र की शांति खतरे में दिख रही है। इस बीच ऐसी रिपोर्ट्स सामने आई हैं कि आर्मेनिया ने कथित तौर पर भारत से डवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) का ऑर्डर दिया है। ये तोपें अपनी कैटेगरी की सबसे अच्छी हैं, जिन्हें ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात किया जा सकता है। यह रिपोर्ट तब सामने आई है जब भारतीय सेना ने इसकी खरीद से जुड़े कॉन्ट्रैक्ट को अंतिम रूप नहीं दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक इन तोपों को चीन के साथ सीमा पर तैनात किया जाएगा। भारतीय सेना इस स्वदेशी आर्टिलरी गन सिस्टम के 310 ऑर्डर देना चाहती है। ये तोप रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), भारत फोर्स लिमिटेड और टाटा एडवांस्ड सिस्टम लिमिटेड के सहयोग का परिणाम है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अधिकारियों ने

आर्मेनिया की ओर से तोप खरीदने की खबरों की न तो पुष्टि की है और न ही इसे नकारा है। हालांकि आर्मेनिया का हथियार खरीदना कोई नया नहीं है। पहले भी आर्मेनिया भारत से घातक हथियार खरीद चुका है।

छह तोप खरीद चुका है आर्मेनिया

आर्मेनिया ने पहले कल्याणी फोर्ज इंडिया से पहियों वाली एमएआरजी 155 स्व-चालित होवित्जर का ऑर्डर दिया था। 2023 में आर्मेनिया ने इनमें से छह एटीएजीएस का ऑर्डर दिया। अब, यह 15.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर से वह 84 और एटीएजीएस खरीदना चाहता है। सितंबर 2023 में भी इसी तरह की रिपोर्ट्स सामने आई थी। इसमें कहा गया था कि 84 एटीएजीएस लेने के बाद आर्मेनिया के पास इस तरह की 90 तोपें हो जाएंगी। इन एटीएजीएस को उच्च गतिशीलता और रैपिड तैनाती के लिए डिजाइन किया गया है।

क्या है भारतीय तोप की ताकत

एटीएजीएस के पास एडवांस्ड कम्युनिकेशन सिस्टम और ऑटोमैटिक कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम है। एटीएजीएस सोवियत-विंटेज डी-30 टोड 122 मिमी होवित्जर और 2ए65 मसता-बी 152 मिनी टोड होवित्जर की जगह लेगा। उच्च ऊंचाई पर इसे चलाया जा सकता है जो इसे आर्मेनियाई सेना के लिए बेहतर बनाता है। आर्मेनिया भारत का पहला निर्यात ग्राहक होगा, जो भारत के लिए बड़े अवसर खोल सकता है। यह तोप हर मौसम और इलाके के लिए बेहतर है। 50 किमी के लक्ष्य पर यह हमला कर सकती है। 60 सेकंड में पांच राउंड और 60 मिनट में 60 राउंड की निरंतर दर से यह फायरिंग कर सकती है।

भांग के नशे में बना रहे थे चाय, सिलेंडर का पाइप निकलने से लगी आग दो मजदूर झुलसे

लुधियाना, 10 मार्च (एजेंसियां)। लुधियाना के हंबड़ा रोड पर सुबह खेतों में काम करने वाले दो मजदूर जब चाय बनाने लगे तो अचानक से सिलेंडर की पाइप निकल गई। इसके बाद दोनों आग की चपेट में आ गए और बुरी तरह से झुलस गए। आग से झुलसे दोनों नौजवानों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल दाखिल कराया गया। उनकी पहचान नावेद और फतेह खान के रुप में हुई है। दोनों भांग के नशे में थे। बताया जा रहा है कि दोनों को पीजीआई अस्पताल रेफर कर कर दिया गया था। फिलहाल उन्हें निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया है। दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जानकारी देते हुए दोनों के मामा मोहम्मद आजाद ने बताया कि वे उत्तरप्रदेश से कुछ समय पहले ही काम करने के लिए आए है। नावेद और फतेह गांव जस्सोवाल में आलू के खेतों में काम करते है।

'बातचीत करने का साहस रखना होगा', रूस के साथ जारी युद्ध पर यूक्रेन को पोप फ्रांसिस ने दी सलाह

बर्न, 10 मार्च (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड में एक साक्षात्कार में पोप फ्रांसिस ने यूक्रेन-रूस संघर्ष पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन सरकार को रूस के साथ बातचीत के माध्यम से चल रहे विवाद को खत्म करने के लिए साहस जुटाना चाहिए। पोप से जब यूक्रेन में जारी लोगों के बीच आत्मसमर्पण और सफेद झंडे को लेकर चल रहे चर्चा के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, यह केवल एक व्याख्या है। लेकिन मुझे लगता है कि सबसे मजबूत वह है जो स्थिति को देखता है। जो लोगों के बारे में सोचता है और सफेद झंडे का साहस रखता है और वह जो बातचीत करता है। उन्होंने आगे कहा, जब आप देखते हैं कि आप हार गए हैं, चीजें ठीक नहीं चल रही है तो आपको बातचीत करने का साहस रखना होगा। बातचीत कभी भी आत्मसमर्पण करने के बारे में नहीं है, बल्कि देश को बचाने के बारे में है।

मध्यस्थता के लिए अन्य देशों की मदद लें: पोप फ्रांसिस

पोप फ्रांसिस ने कहा, आपको शर्म आ सकती है, लेकिन आखिरकार कितनी मौतें हुई है। सही समय पर बातचीत करें और मध्यस्थता के लिए अन्य देशों की मदद लें। बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष को तीन साल हो चुके हैं और कई देश अब इस युद्ध को समाप्त करने में मदद करने के लिए तैयार है। यूक्रेन और उनके पश्चिमी समर्थकों ने इस बात पर जोर दिया कि शांति समझौता केवल कीव की शर्तों पर ही हासिल किया जाना चाहिए। उन्होंने यूक्रेन को हथियार पहुंचाना जारी रखने की कसम खाई है। इस बीच रूस ने बताया कि किसी भी विदेशी सहायता से इस युद्ध का रुख बदल नहीं सकता है।

बता दें कि मॉस्को और कीव के बीच 2022 में शांति वार्ता टूट गई थी। दोनों देश एक-दूसरे के सामने अवास्तविक मांग रखने के आरोप लगाए थे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बाद में कहा कि मार्च 2022 में इस्तांबुल में वार्ता के दौरान यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल रूस की कुछ शर्तों पर सहमत हुए थे, लेकिन फिर बाद में समझौते से पीछे हट गए थे।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने दस आतंकवादियों को किया ढेर, दो दिनों तक चला खुफिया ऑपरेशन

इस्लामाबाद, 10 मार्च (एजेंसियां)। खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में अलग-अलग अभियानों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने दस आतंकवादियों को मार गिराया। मीडिया रिपोर्ट डॉन ने इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के हवाले से यह खबर दी है। सेना की मीडिया विंग के अनुसार, यह अभियान दो दिनों शुक्रवार और शनिवार तक चला। आईएसपीआर ने रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि रात एक खुफिया-आधारित ऑपरेशन (आईबीओ) के दौरान चार आतंकवादियों को मार गिराया है। डॉन ने विज्ञप्ति का हवाला देते हुए बताया कि इस अभियान के दौरान बाद में सुरक्षा बलों ने चार और आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया था। इस बीच, जिले में एक अलग ऑपरेशन में, आईएसपीआर ने कहा कि उसने पांच आतंकवादियों की पहचान की है जो पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। दो आतंकवादियों - हजरत उमर और रहमान नियाज को मार गिराया है, जबकि तीन अन्य आतंकवादी घायल हो गए। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने अंतरिम अफगान सरकार से लगातार कहा है कि वह सीमा के अपने हिस्से पर प्रभावी सीमा प्रबंधन सुनिश्चित करे। इससे पहले बुधवार को खैबर पख्तूनख्वा जिले में अलग-अलग ऑपरेशनों में सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया था। प्रतिबंधित आतंकवादी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान द्वारा नवंबर 2022 में सरकार के साथ अपना युद्धविराम समाप्त करने के बाद, पाकिस्तान में पिछले वर्ष, विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज की वार्षिक सुरक्षा रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में 2023 में 789 आतंकी हमलों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में हिंसा से संबंधित 1,524 मौतें और 1,463 घायल हुए हैं, जो छह साल का रिकॉर्ड उच्चतम स्तर है। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान हिंसा के प्राथमिक केंद्र थे, जहां 90 प्रतिशत से अधिक मौतें और 84 प्रतिशत हमले हुए, जिनमें आतंकवाद और सुरक्षा बलों के ऑपरेशन की घटनाएं भी शामिल थीं।

मासूमों की मौत पर भड़का अमेरिका, बाइडन बोले- 'पीएम नेतन्याहू का नजरिया इजरायल को मदद से ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा'

वाशिंगटन, 10 मार्च (एजेंसियां)। पिछले सात महीने से जारी हमास-इजरायल युद्ध थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। इस युद्ध में अब तक हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच, जो बाइडन ने एक साक्षात्कार में कहा कि गाजा युद्ध के प्रति बेंजामिन नेतन्याहू का दृष्टिकोण इजरायल की मदद करने से ज्यादा इजरायल को नुकसान पहुंचा रहा है। गाजा के मानवीय संकट के और अधिक गंभीर होने और अमेरिकी राष्ट्रपति ने दक्षिणी गाजा में राफा पर इजरायल के धमकी भरे आक्रमण पर लाल रेखा के सवाल के रूप में विरोधाभासी टिप्पणी की। बाइडन ने कहा कि नेतन्याहू को इजरायल की रक्षा करने का अधिकार है, हमास का पीछा जारी रखने का अधिकार है, लेकिन उन्हें

इस कार्य के दौरान हो रहे निर्दोष लोगों की हत्या पर भी अपना ध्यान देना चाहिए। बाइडन ने कहा, मेरे विचार में वह इजरायल की मदद करने से ज्यादा इजरायल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। बाइडन ने कहा कि मैं कभी भी इजरायल का साथ नहीं छोड़ूंगा। इजरायल की रक्षा अभी भी महत्वपूर्ण है। हमास के साथ शुरू हुए इस युद्ध में गाजा को इजरायल द्वारा लगातार बमबारी का सामना करना पड़ा है। इस बमबारी के कारण अब तक 1,160 मौतें हुईं, जिनमें से अधिकांश नागरिक थे। हमास ने लगभग 250 लोगों को बंधक बना लिया था, जिसमें से 99 इजरायल द्वारा गाजा में जीवित माने जा रहे हैं। इजरायल की जवाबी कार्रवाई में भी अब तक 30,800 फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है, जिसमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल है। बाइडन इजरायल की एक नई यात्रा की संभावना पर टालमटोल कर रहे थे, जहां उन्होंने अक्टूबर में घातक हमास हमले के तुरंत बाद दौरा किया था। यह पूछे जाने पर कि क्या ऐसा कुछ है, जो वह दोबारा करेंगे, तो उसके जवाब में उन्होंने हां कहा, लेकिन यह कहने से इनकार कर दिया कि उन्हें आमंत्रित किया गया है

सीएम भजनलाल की कोरोना रिपोर्ट को लेकर आई बड़ी खबर

खुद दिया हेल्थ अपडेट

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कोरोना रिपोर्ट को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। जहां सीएम भजनलाल ने एक्स प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर बताया कि मेरी कोविड रिपोर्ट नेगेटिव आई है। हाल ही में सीएम भजनलाल कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए थे। जिसकी जानकारी भी खुद सीएम ने एक्स प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर दी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कोरोना रिपोर्ट को लेकर जानकारी देते हुए एक्स प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर लिखा कि 'आज स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान प्रभु की अनुकंपा, चिकित्सकों की देखरेख व राजस्थान परिवार की शुभेच्छा से मेरी कोविड रिपोर्ट नेगेटिव आई है। जिसके बाद अब उन्होंने वैसे ही सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि आज स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान प्रभु की अनुकंपा, चिकित्सकों की देखरेख व राजस्थान परिवार की शुभेच्छा से मेरी कोविड रिपोर्ट नेगेटिव आई है। उन्होंने आगे लिखा कि 'कोविड के दौरान वर्चुअल माध्यम से जनहितों के कार्य करता रहा। आज से मैं पूर्व की भाँति 'सर्वश्रेष्ठ राजस्थान' के हमारे संकल्प सिद्धि हेतु समर्पित जनहित कार्यों में पूरी तन्मयता के साथ क्रियाशील रहूंगा व सार्वजनिक कार्यक्रमों में सम्मिलित रहूंगा।'

खुद पोस्ट कर दी जानकारी

इससे पहले सीएम भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया था कि स्वास्थ्य समस्या के चलते आज स्वास्थ्य परीक्षण करवाने पर आज मेरी कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जिसके बाद अब उन्होंने वैसे ही सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि आज स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान प्रभु की अनुकंपा, चिकित्सकों की देखरेख व राजस्थान परिवार की शुभेच्छा से मेरी कोविड रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

भूपेश बघेल के बाद अब पायलट-गहलोत की बारी

राजस्थान में यू बदल रही सियासी समीकरण

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा चुनाव की पहली सूची का इंतजार सभी नेताओं को सता रहा है। एक तरफ सचिन पायलट और अशोक गहलोत जैसे दिग्गज नेताओं को लोकसभा चुनाव लड़ाने की मांग की जा रही है तो दूसरी तरफ दोनों नेता चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। सर्वे रिपोर्ट में कांग्रेस का इस बार भी सूपड़ा साफ दिखाया गया, जिससे पार्टी की डूबती नैया को अब पायलट-गहलोत ही बचा सकते हैं।

राजस्थान में लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस में उम्मीदवारों के लिए मंथन जारी है। वहीं हाल ही में सामने आए ओपिनियन सर्वे में एक बार फिर कांग्रेस का राजस्थान से क्लीन स्वीप बताया गया है। इसके बाद कांग्रेस को क्लीन स्वीप होने का खतरा सता रहा है। इसको लेकर कांग्रेस फूंक फूंक कर कदम रख रही है। इधर, अब अशोक गहलोत और सचिन पायलट के चुनाव लड़ने की मांग तेजी से उठने लगी है। हालांकि दोनों नेता अपने चुनाव लड़ने को लेकर इनकार कर चुके हैं। लेकिन कांग्रेस की पहली लिस्ट के बाद माना जा रहा है कि कांग्रेस दबाव बनाकर गहलोत और पायलट को चुनाव मैदान में उतर सकती है।

बघेल के बाद गहलोत-पायलट की बनी उम्मीदें

कांग्रेस ने भले ही राजस्थान से उम्मीदवारों की लिस्ट घोषित नहीं की है। लेकिन अपनी पहली लिस्ट में दूसरे राज्यों के 39 लोकसभा सीटों की उम्मीदवार घोषित किए हैं। इस सूची में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भी चुनाव मैदान में उतारा है। ऐसी स्थिति में कयास लगाए जा रहे हैं कि राजस्थान की स्थिति को देखते हुए कांग्रेस सचिन पायलट और अशोक गहलोत को चुनाव मैदान में उतार सकती है। हालांकि दोनों चुनाव लड़ने के तैयार नहीं है। लेकिन यदि पार्टी का दबाव बना तो, ऐसा संभव हो सकता है।

गहलोत से बेहतर जिताऊ कोई नहीं हो सकताः लोकेश शर्मा

लोकसभा चुनाव को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए गहलोत के ओएसडी रह चुके लोकेश शर्मा ने कहा 'आप जोधपुर से लोकसभा चुनाव लड़कर संसद में पहुंचकर देश के बिगड़ते हालातों को ठीक करने के लिए अपनी भूमिका अदा करें। साथ ही राहुल गांधी जी, खड़गेजी और कांग्रेस पार्टी को मजबूत करें.' उन्होंने कहा कि जोधपुर में आपसे बेहतर और जिताऊ कोई हो ही नहीं सकता है। इसे लेकर उन्होंने पार्टी से भी अपील की है कि जिस प्रकार छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को लोकसभा चुनाव लड़ाया जा रहा है। उसी प्रकार अगली सूची में राजस्थान में जोधपुर से पहला नाम अशोक गहलोत का हो। मुझे यकीन है वे अपने जादू, अनुभव और जनाधार के चलते एकतरफ़ा जीतकर संसद में पहुंचेंगे।

सचिन पायलट के टोंक लोकसभा सीट से लड़ाने की चर्चा

अशोक गहलोत की तरह सचिन पायलट को लेकर भी लोकसभा चुनाव लड़ने के कयास तेजी से चल रहे हैं। भूपेश बघेल को चुनाव मैदान में उतरने के बाद अब राजस्थान में भी तेजी से घटनाक्रम बदलने लगा है। कांग्रेस में फिर से गहलोत और पायलट को चुनाव लड़ाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। इधर, पायलट के टोंक सवाई माधोपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ाई की चर्चा है। अब देखना होगा कि उम्मीदवारों के चयन को लेकर सियासी समीकरण किसी और बैठती है।

विधायक ऋतु बनावत ने फिर दिखाए बगावती तेवर, इस सीट से लड़ेंगी चुनाव

भरतपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बीजेपी और कांग्रेस ने पूरी तरह से कमर कस ली है। लेकिन, बीजेपी की पहली लिस्ट जारी होने के साथ ही राजस्थान में बगावत के सुर सुनाई दे रहे हैं। चूरू सांसद राहुल कंस्वा के बाद अब बयाना विधायक ऋतु बनावत ने भी बागी तेवर अख्तियार किए है। विधायक ऋतु बनावत ने भरतपुर से लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान कर बीजेपी की टेंशन बढ़ दी है। अब देखना ये है कि बीजेपी इस परेशानी से कैसे पार पाती है?

दरअसल, बीजेपी ने इस बार सांसद रंजीता कोली का टिकट काटकर पूर्व सांसद रामस्वरूप कोली को भरतपुर से प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में भजनलाल को समर्थन देने वाली विधायक ऋतु बनावत काफी खफा है। विधायक ऋतु बनावत का कहना है कि भरतपुर की बीजेपी और कांग्रेस ने उपेक्षा की है। जिसके कारण भरतपुर लोकसभा क्षेत्र पिछड़ा हुआ है। ऐसे में उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

जनसम्पर्क यात्रा शुरू करेंगी ऋतु बनावत

विधायक ऋतु बनावत ने पिछले दिनों समर्थकों की मीटिंग बुलाई थी। जिसमें लोकसभा चुनाव लड़ने पर चर्चा की गई। मीटिंग में बनावत ने समर्थकों से कहा कि सरकार ने एनसीआर ओट टीटीजेड से भरतपुर को मुक्ति नहीं दिलाई है। ऐसे में भरतपुर का ईंट भट्टा, क्रेशर यूनिट, स्टोन क्रेशर उद्योग पर संकट के बादल छाए हुए हैं। ऐसे में मीटिंग में फैसला लिया गया कि उन्हें लोकसभा चुनाव लड़ना चाहिए। जिस पर विधायक ऋतु बनावत ने ऐलान किया कि वो लोकसभा चुनाव लड़ेगी और जल्द ही लोकसभा क्षेत्र में जनसम्पर्क यात्रा शुरू करेंगी।

पहले भी दिखा चुकी है बगावती तेवर

यह पहली बार नहीं है जब ऋतु बनावत ने बगावती तेवर दिखाए हैं। वो पहले भी कई बार ऐसा कर चुकी है। पहली बार बनावत ने साल 2013 में बीजेपी से बगावत कर विधानसभा चुनाव लड़ा था। लेकिन, भाजपा के बच्चू सिंह बंशीवाल से हार गई थी। साल 2018 में ऋतु बनावत ने बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ा। लेकिन, कांग्रेस के अमर सिंह जाटव से चुनाव हार गई। इस पर 2023 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने ऋतु बनावत का टिकट काट दिया।

टिकट कटने पर ऋतु बनावत ने बगावत करते हुए निर्दलीय चुनाव लड़ा और बयाना विधानसभा सीट पर जीत हासिल की। इसके बाद ऋतु ने भजनलाल सरकार को अपना समर्थन दिया है। लेकिन, ऋतु बनावत ने अब फिर से बगावती तेवर अख्तियार कर लोकसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। बता दें कि ऋतु बनावत के पति ऋषि बंसल भाजयुमो के प्रदेशाध्यक्ष और भरतपुर से बीजेपी जिलाध्यक्ष रह चुके हैं।

भजनलाल सरकार में गहलोत का 'प्रचार'

महिलाओं ने फूड पैकेट देखा तो पता चला हो गया 'बलंडर'

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में खाद्य विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। भजनलाल सरकार के आदेश के बाद अन्नपूर्णा फ्री राशन किट योजना के तहत महिला दिवस पर फूड पैकेट का वितरण किया गया। इन फूड पैकेट्स पर भजनलाल शर्मा की जगह अशोक गहलोत की फोटो लगी हुई थी और वह एक्सपायरी भी हो चुके थे। चित्तौड़गढ़ : राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में खाद्य विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई। इस दौरान भजनलाल सरकार की ओर से फिर से शुरू की गई अन्नपूर्णा फ्री राशन किट बांटने की योजना में विभाग ने जल्दबाजी में अशोक गहलोत के फोटो लगे पैकेट बांट दिए। यही नहीं यह फूड पैकेट एक्सपायरी डेट के थे। बाद में जब मामले की जानकारी लगी तो, पैकेट का वितरण रोक दिया गया। मामला चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा का है।

महिला दिवस से शुरू हुआ फूड पैकेट वितरण

राजस्थान में 8 मार्च से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूरे प्रदेश में राशन किट वितरण करने की घोषणा की। इसको लेकर संबंधित विभाग को आदेश भी जारी किए। लेकिन आनन फानन में खाद्य विभाग यह भी भूल गया है कि जो लोगों को फूड पैकेट वितरित किए जा रहे हैं। उन पर अशोक गहलोत की फोटो लगी है। यही नहीं यह फूड पैकेट सभी एक्सपायरी डेट के थे। इस दौरान चित्तौड़गढ़ में दो दिनों तक फूड पैकेट का वितरण होता रहा।

एक्सपायरी डेट के फूड पैकेट का वितरण

फूड पैकेट वितरण के बाद जब लोगों ने देखा कि इस पर अशोक गहलोत की फोटो लगी है और यह एक्सपायरी डेट की है तो, हड़कंप मच गया। लोगों ने बताया कि फूड पैकेट पर दिसंबर 2023 और जनवरी 2024 की एक्सपायरी डेट थी। यही नहीं मसाले और राशन के पैकेट पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की फोटो छपी हुई थी। इस मामले की जानकारी जब खाद्य विभाग को लगी तो, कार्यवाहक जिला रसद अधिकारी हितेश जोशी ने यह वितरण रुकवा दिया।

क्या है भजन लाल सरकार की अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना ?

बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने कार्यकाल में मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना शुरू की थी। जिसके तहत 1 किलो चीनी, 1 किलो दाल, 1 किलो नमक, 1 लीटर खाद्य तेल, 100 ग्राम मिर्च पाउडर, 50 ग्राम हल्दी पाउडर, 100 ग्राम धनिया पाउडर दिया जाता था। भजनलाल सरकार आने के बाद गहलोत की फोटो अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना से हटा दिया गया। इस योजना के तहत निम्न और गरीब वर्ग के लोगों को हर महीने मुफ्त खाद्य सामग्री योजना के तहत वितरित की जा रही है।

2 दिन नहीं मिलेगा पेट्रोल और डीजल

पेट्रोल पंप संचालकों की प्रदेशव्यापी हड़ताल

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसो. ने पेट्रोल-डीजल पर वैट कम नहीं करने सहित अन्य मांगों को लेकर हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। इस संबंध में आज 10 मार्च से 12 मार्च तक प्रदेश में कोई भी डीलर किसी भी प्रकार से पेट्रोल-डीजल की खरीदी-बिक्री नहीं करेगा। हड़ताल के ऐलान के बाद प्रदेश के कई जिलों में पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल भरवाने के लिए गाड़ियों की लाइनें देखी गईं। पेट्रोल पंपों की यह दो दिवसीय हड़ताल 10 मार्च को सवेरे 6 बजे शुरू होगी जो 12 मार्च सवेरे 6 बजे तक जारी रहेगी।

बैठक में हुई थी चर्चा

राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के कार्यकारिणी सदस्यों की एक वर्चुअल बैठक में पेट्रोल-डीजल पर वैट कम नहीं करने, ऑयल कंपनियों द्वारा डीलर कमीशन में बढ़ोतरी नहीं किए जाने और ल्यूब ऑयल एवं प्रीमियम प्रॉडक्ट की जबरन आपूर्ति करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सभी जिलों के अध्यक्ष, सचिव और आरपीडीए कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित थे।

जयपुर में इन मांगों को लेकर 11 मार्च को स्टैच्यू सर्कल से सचिवालय तक डीलर्स की एक मौन रैली भी निकाली जाएगी। इस आशय का पत्र राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह भाटी के हस्ताक्षर के साथ जारी कर दिया गया है।

टायर फटने से कार डिवाइडर से टकराकर ट्रक से जा भिड़ी

एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत, चार गंभीर

पाली, 10 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के पाली में राष्ट्रीय राजमार्ग सांडेराव सुमेरपुर के बीच नेतरा पुलिया के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर घायल हो गए। बताया जा रहा है कि अचानक टायर फटने से कार अनियंत्रित होकर उछलकर डिवाइडर से टकराते हुए पलटकर ट्रक से टकरा गई थी। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और हाईवे के दोनों तरफ वाहनों की कतार लगने से जाम लग गया।

जानकारी के मुताबिक, कार पलटने से उसमें सवार एक ही परिवार के कोसेलाव, पावा और गुड़िया इंद्रपुरा निवासी चार लोगों की मौत हो गई। जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर सुमेरपुर के भूपेंद्र सिंह शेखावत और थाना अधिकारी भारतसिंह सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंचे। साथ ही जिला परिषद सदस्य हरिशंकर मेवाड़ा भी घटनास्थल पर पहुंच गए। इसके बाद सुमेरपुर पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायलों को राजकीय अस्पताल सुमेरपुर पहुंचाया। वहीं, मृतकों के शवों को मोर्चरी में रखवाया गया।

पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी लोग सुमेरपुर से खरीदी कर कोसेलाव जा रहे थे। उसी दौरान नेतरा के पास हादसा हो गया। पुलिस ने बताया कि हादसे में कंचन पुत्री प्रभु राम रांगी निवासी कोसेलाव, मोहन पुत्र नारायण लाल रांगी निवासी गुड़िया इंद्रपुरा, पावा निवासी महेंद्र कुमार, अरुणा पुत्री प्रभु राम निवासी कोसेलाव की मौत हो गई। जबकि प्रकाश पुत्र प्रभु राम निवासी कोसेलाव, प्रतिज्ञा पुत्री प्रभु राम रांगी, हितेश पुत्र मांगीलाल और एक महिला को गंभीर घायल होने पर राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया है।

नहीं थम रहा आवारा कुत्तों का आतंक

ढाई साल के मासूम को नोंच खाया, बच्चे की मौत

बीकानेर, 10 मार्च (एजेंसियां)। शहर में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। आए दिन आवारा कुत्ते शहरवासियों को अपना निशाना बना रहे हैं। हाल ही में मिलिट्री एरिया से एक मामला सामने आया है, जहां आवारा कुत्तों ने ढाई साल के मासूम को जगह-जगह काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान मासूम की मौत हो गई।

बीकानेर आर्मी केंट में बने एक क्वार्टर के बाहर खेल रहे ढाई वर्ष के एक बच्चे को आवारा कुत्ते ने अपना शिकार बनाया। घर के बाहर खेल रहे महितोश पुत्र ज्योति प्रकाश को आवारा कुत्तों ने बुरी तरह काट खाया। कुत्ते के काटने की वजह से उसके सिर, पेट और पांव में गंभीर घाव हो गए। आसपास मौजूद जवानों ने बच्चे को कुत्तों के चुंगल से छुड़ाया। गंभीर रूप से जख्मी ढाई वर्षीय महितोश को परिजनों ने पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया, जहां इलाज के दौरान मासूम की मौत हो गई।

4 महिलाओं सहित 22 लोग चढ़े पानी की टंकी पर

2700 करोड़ की ठगी के आरोपियों को पकड़ने की मांग

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। साल भर पहले निवेश के नाम पर हुई 2700 करोड़ रुपए की जो ठगी सामने आई थी। उस ठगी के मास्टरमाइंड अभी तक फरार हैं। निवेश करके लाखों रुपए गंवा चुके दर्जनों पीड़ित बार बार पुलिस से गुहार लगा रहे हैं कि आरोपियों की गिरफ्तारी हो और ठगी गई रकम वापिस दिलवाई जाए। ठगी का यह जाल नेक्सा एवरग्रीन कंपनी के कर्ताधर्ताओं ने रचा था। यह खेल राजस्थान के सीकर जिले से शुरू होकर देश के कई राज्यों में फैल गया था। ठगी के शिकार न्याय की मांग करते हुए जयपुर में पानी की टंकी पर चढ गए। देर शाम तक पुलिस और प्रशासन के अधिकारी उन्हें नीचे उतारने के प्रयास में लगे रहे। नेक्सा एवरग्रीन कंपनी की ठगी के शिकार हुए कई पीड़ित शुक्रवार को जयपुर आए। लोगों ने देखा कि जयपुर के सोडाला थाना इलाके के सुदर्शनपुरा नाले के पास बनी पानी की टंकी पर कई लोग चढे हुए हैं जिनमें कुछ महिलाएं भी शामिल है। बाद पता चला कि वे लोग ठगी के शिकार हैं और न्याय की मांग करते हुए टंकी पर चढ़े हैं। कुल 22 पीड़ित टंकी पर चढे जिनमें 4 महिलाएं भी शामिल थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस और सिविल डिफेंस के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

पीएम मोदी की फोटो दिखा कर लिया झांसे में

टंकी पर चढ़े दांतारामगढ़ (सीकर) निवासी पीड़ित बद्री नारायण ने बताया कि आरोपियों ने गुजरात की धोलेरा सिटी में निवेश के नाम पर उनके साथ लाखों रुपए ऐंठ लिए। आरोपियों ने पीएम मोदी की फोटो लगा प्रोजेक्ट दिखाते हुए झांसे में लिया था। पीड़ितों से कहा गया कि एक बड़ा प्रोजेक्ट धोलेरा सिटी में चल रहा है। धोलेरा सिटी में नेक्सा एवरग्रीन कंपनी के जरिए देशभर में करीब 70 हजार लोगों रुपए ऐंठ लिए गए। करीब 2700 करोड़ रुपए की ठगी करने के बाद कंपनी के कर्ताधर्ता ठगी कर फरार हो गए। पानी की टंकी पर चढ़े एक पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने उससे 2 लाख रुपए निवेश के नाम पर ले लिए। यह कंपनी 3 साल पहले बाजार में आई। लोगों ने प्रधानमंत्री की फोटो देखकर कंपनी में पैसा निवेश करना शुरू कर दिया। शुरुआत में कंपनी ने ब्याज के रूप में रिटर्न दिया था, लेकिन 10 जनवरी 2023 के बाद से कोई पैसा नहीं मिला। कंपनी के लोग निवेश के रुपए लेकर फरार हो गए।

पीड़ितों के मुताबिक ठगी के आरोपियों सुभाष, रणवीर, उपेंद्र, गोपाल दूधवाल के खिलाफ देश के कई राज्यों में एफआईआर दर्ज है। आरोपियों में से अधिकतर लोग सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ के रहने वाले हैं, लेकिन आज तक पुलिस इनको नहीं पकड़ पाई है। मामले को लेकर कई बार पुलिस के सीनियर अधिकारियों से मिल चुके हैं, लेकिन सब लोग आश्वासन देकर टाल रहे हैं।

एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर पहले महिलाओं की फोटो भेजते, फिर शुरू होता ऐसा 'खेल'

जयपुर, 10 मार्च (एजेंसियां)। एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर ठगी व धोखाधड़ी करने वाली गैंग का पर्दाफाश करते हुए करधनी पुलिस ने तीन जनों को गिरफ्तार किया है। जयपुर डीसीपी अमित कुमार ने बताया कि देह व्यापार के नाम पर धोखाधड़ी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए झोटवाड़ा सर्किल एसीपी सुरेन्द्र सिंह राणावत के सुपरविजन में करधनी थानाधिकारी विरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए सतीश गुर्जर (21) पुत्र गोपाल, धर्मराज बलाई (23) पुत्र विश्राम निवासी ग्राम सीतारामपुरा थाना नरैना और सुरेश गुर्जर (23) पुत्र किशनाराम निवासी मेहगांव थाना परबतसर जिला डीडवाना-कुचामन को गिरफ्तार किया।

झोटवाड़ा सर्कल एसीपी सुरेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त एस्कॉर्ट सर्विस का विज्ञापन बनाकर अपने मोबाइल नंबर देते थे और लोग उनके मोबाइल के वाट्सएप मोबाइल से संपर्क करते थे। इसके बाद ग्राहकों को महिलाओं की फोटो भेजते थे और ग्राहक से ऑनलाइन रुपए डलवाकर ग्राहक के नम्बर ब्लॉक कर रोजाना हजारों रुपए की धोखाधड़ी करते थे।

वारंगल पश्चिम में विकास कार्यों का शिलान्यास

हनुमाकोंडा, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल पश्चिम निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित नैयम नगर, सम्मय्य नगर में विकास कार्यक्रमों का शिलान्यासमंत्री सुरेखा कोंडा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर एक लाख पेड लगाने की मुहिम की शुरूआत की गई। जिसके तहत शहर में सडकों के किनारे एक लाख पेड लगाए जाएंगे। मंत्री ने कहा की अगले 3 वर्षों में वारंगल शहर को हरित शहर के रूप में विकसित किया जाएगा। इस मुहिम में लोग भी भाग लें और अपनी कॉलोनियों में पौधे लगाएं।

साथ ही वारंगल शहर में सभी लेआउट के खाली स्थानों को विभिन्न सुंदर थीम पार्कों में विकसित करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा शहर के सभी जंक्शनों का विकास एवं सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इस अवसर पर राजनीतिक नेताओं के साथ अधिकारी, एवं जनता उपस्थित थी।

मारवाड़ी युवा मंच शमशाबाद शाखा द्वारा शुक्रवार को अमावस्या उपलक्ष्य में अन्नदान किया गया। 640 लोगों को युवा मंच के अध्यक्ष भाकरराम कुमावत एवं शाखा के सभी सदस्यों ने सेवा में योगदान दिया।

कापरा मंडल स्थित श्री आईजी गौशाला में फाल्गुण अमावस्या के धार्मिक अवसर पर पंडित सत्यनारायणजी शर्मा द्वारा सुन्दरकान्ड पाठ एवं भजन कार्यक्रम में गायों को हरा चारा खिलाकर, दान-पुण्यकर उपस्थित भोजन-प्रसादी के लाभार्थी कीसरा एसोसिएशन मित्र मंडल, अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, कालुराम काग, हुक्माराम सानपुरा, नारायणलाल परिहार, ढगलाराम सेपटा, पदाधिकारी व गौभक्त।

साईबाबा मंदिर में प्रसादी का आयोजन

हैदराबाद, 10 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, अत्तापुर शाखा के तत्वावधान में अमावस्या के उपलक्ष्य पर प्रसादी का आयोजन किया गया। तेजस्विनी नगर स्थित साईबाबा मंदिर में हुए इस कार्यक्रम में 300 से 400 भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सत्यनारायण फोगला, मनीष अग्रवाल, राम अवतार गुप्ता, संजय गोयल, लोकेश पित्ती, शिवशंकर अग्रवाल, संजय, राम अग्रवाल, अभिषेक, ओमप्रकाश, श्याम अग्रवाल, अभिषेक, आदर्श केजरीवाल, चेतन, विजय, महिला समिति आदि सदस्यों ने सेवा दी।

बजरंग सेना द्वारा नल्ला पोचम्मा मंदिर में अन्नदान

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बजरंग सेना तेलंगाना द्वारा नल्ला पोचम्मा मंदिर में अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कोटि के बैंक स्ट्रीट पर हुआ। 500 से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष एन आर के लक्ष्मण राव, प्रदेश उपाध्यक्ष येरम राव, संयुक्त सचिव सुनील अग्रवाल, मनोज मोगलगिड्डी, अभिनय तिवारी, अस्मित अग्रवाल, नरेश, आनंद मिश्रा, रामेश्वर मिश्रा, वीरेंद्र अवस्थी, राजाराम, विजय आदि मौजूद रहे।

लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में अन्नदानम

हैदराबाद, 10 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स स्थित लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के अमवास के अवसर पर अन्नदानम किया गया। इस का लाभ 300 श्रद्धालुओं ने लिया। इस अवसर पर नरसिंग दास आत्माराम बडेगांव वाले, मुकुंद लाल अग्रवाल, ईश्वर लाल अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, अश्विन अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, श्रीमती अरुणा अग्रवाल, ख़ुशबू अग्रवाल ने अपनी सेवा प्रदान की।

वार्षिक नेत्र परीक्षण ग्लूकोमा का शीघ्र पता लगाने की कुंजी

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट (एलवीपीईआई) हर साल की तरह विश्व ग्लूकोमा सप्ताह (डब्ल्यूजीडब्ल्यू) मना रहा है, जिसमें शीघ्र पता लगाने और रोकथाम के लिए ग्लूकोमा के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए अभियान, वार्ता और इंटरैक्टिव रोगी मंचों का आयोजन किया जा रहा है। एल वी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट द्वारा आज ग्लूकोमा के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अपने बंजारा हिल्स परिसर से ग्लूकोमा जागरूकता वॉक का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि और फिल्म अभिनेत्री और निर्माता सुश्री निहारिका कोनिडेला ने हरी झंडी दिखाकर वॉक को रवाना किया। उन्होंने एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट के डॉक्टरों और चिकित्सा पेशेवरों के प्रयासों की सराहना की, जो यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करते हैं कि हर किसी को आंखों की अच्छी देखभाल मिल सके। ग्लूकोमा एक आंख की समस्या है जो आंखों के दबाव में वृद्धि से जुड़ी है और इसमें ऑप्टिक तंत्रिका को नुकसान होता है, जिससे अपरिवर्तनीय अंधापन होता है। मोतियाबिंद अपरिवर्तनीय दृष्टि हानि का सबसे आम कारण है। वैश्विक अनुमान है कि 2040 तक ग्लूकोमा के रोगियों की संख्या 76 मिलियन से बढ़कर 111.8 मिलियन हो जाएगी, जिनमें से अधिकांश रोगी अफ्रीका और एशिया में रहेंगे। विश्व ग्लूकोमा सप्ताह विश्व ग्लूकोमा एसोसिएशन और विश्व ग्लूकोमा मरीज एसोसिएशन की एक संयुक्त वैश्विक पहल है।

ऐसे समझें स्टेरॉयड-प्रेरित ग्लूकोमा के जोखिमों को

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेरॉयड, जो आमतौर पर अस्थमा, गठिया और आंखों की एलर्जी जैसी सूजन संबंधी स्थितियों के इलाज के लिए विभिन्न दवाओं में उपयोग किया जाता है, दुरूपयोग होने पर नेत्र स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव डाल सकता है। विशेष रूप से, स्टेरॉयड के लंबे समय तक उपयोग से स्टेरॉयड-प्रेरित ग्लूकोमा हो सकता है, एक ऐसी स्थिति जो इंट्राओकुलर दबाव बढ़ाती है और इसके परिणामस्वरूप अपरिवर्तनीय दृष्टि हानि हो सकती है। एलवीपीईआई, हैदराबाद के सलाहकार नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सिद्धार्थ दीक्षित ने उद्धृत किया। स्टेरॉयड किसी भी दवा में मौजूद हो सकता है, जिसमें आई ड्रॉप, मलहम, इन्हेलर, टैबलेट और इंजेक्शन शामिल हैं। स्टेरॉयड कई गैर-फार्मास्युटिकल उत्पादों में भी पाए जाते हैं, कानूनी तौर पर और गुप्त रूप से, मुंहासे या खुजली के इलाज के लिए क्रीम और गोरापन क्रीम में बिना किसी दस्तावेज के दवाओं के कुछ रूप, जो विनियमित नहीं हैं, बिना अनुमति या दस्तावेज़ीकरण के अपने फॉर्मूलेशन में स्टेरॉयड भी मिलाते हैं।

सीएम के चित्र का दुग्धाभिषेक

आसिफाबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आरटीसी कर्मियों के लिए 21 प्रतिशत फिटमेंट की सरकार की घोषणा के मद्देनजर अंबेडकर की प्रतिमा के सामने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उप मुख्यमंत्री बट्टी विक्रमार्क चित्र पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं समेत आरटीसी कर्मियों ने दुग्धाभिषेक किया। इस कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र प्रभारी श्याम नायक, जिला नेता मंगा, चरण, आसिफ, रपर्थी मुरली, मुनीर, दत्तू, रामचंदर, शशि, मल्लिकार्जुन, बीसी एसोसिएशन नेता मारुति पटेल, माली एसोसिएशन नेता शंकर, ईयू जिला अध्यक्ष दिवाकर, इंटक जिला अध्यक्ष लोकेश, टीजेएमयू डिपो सचिव गुंडा श्रीनिवास, सीसीएस नाजुक, कल्लूरी हनुमंत, आरटीसी कार्यकर्ता नरेश, आरपी सिंह, रवि, वेंकटेश्वर, मुजफ्फर हुसैन, सत्यनारायण, जंगमपल्ली विक्रम ने भाग लिया।

जन सेवा संघ केंद्रीय समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ केंद्रीय समिति की बैठक खैरताबाद स्थित केंद्रीय कार्यालय में हुई। अध्यक्ष आरपी सिंह ने बताया कि संगठन का निर्माण सामाजिक कार्यों के लिए किया गया है। गरीब एवं साधन हीन लोगों की सहायता करना, अपने लोगों में भाई चारा को स्थापित करना तथा सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखना है।

इस अवसर पर जन सेवा संघ के उपाध्यक्ष गोविंद तिवारी, जन सेवा संघ के महासचिव राजीव रंजन चौबे, कोषाध्यक्ष बिनीत कुमार सिंह, सदस्य मदन लाल रावल, मनोज यादव, एम डी मुन्नावर उपस्थित थे।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी कि बैठक

हैदराबाद, 10 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक चेयरमैन दुर्गा प्रसाद बंसल की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

करीब 30-35 लोगों ने अपने अभिभावकों के बायोडाटा आदान प्रदान किए। इस अवसर पर दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज संघी, पुरुषोत्तम गुप्ता, सत्यनारायण मोदी, हेमचंद गुप्ता, शिवराज अग्रवाल, मनीष, पवन सरावगी, संजय गुप्ता, संदीप कानोडिया, पवन अग्रवाल, अरविंद गोयल, राजेंद्र एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

अमावस्या के अवसर पर इमलीबन गौशाला गौलीगुडा में गायों को चारा दिया गया। इस अवसर पर जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल गजानंद चौधरी, राजेंद्र यादव, मनिलाल शाह, अशोक उपस्थित थे।

17 मार्च को बिहार समाज सेवा संघ का होली मिलन उत्सव

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद का होली मिलन उत्सव 17 मार्च को आयोजित किया गया है। लायंस क्लब में अध्यक्ष मनीष तिवारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया।

बैठक में समाज के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा, महामंत्री विकास सिंह, कोषाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति, सहसचिव दीपक तिवारी, वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व उपाध्यक्ष प्रताप गौरव सिंह और राकेश मौजूद रहे। उत्सव को सफल बनाने के लिए एक कमिटी बनाई गई है, जिसमें विकास सिंह, मनीष तिवारी, राधेश्याम प्रजापति, प्रताप गौरव सिंह और दीपक तिवारी को जिम्मेदारी दी गयी।

अग्रवाल समाज बंजारा सेंट्रल शाखा कि कार्यकारिणी सभा

हैदराबाद, 10 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज बंजारा सेंट्रल शाखा की कार्यकारिणी सभा रविवार को जूबली हिल्स में किया गया। सभा में होलिकोत्सव के आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिसमें 24 मार्च को होलिका दहन एवं 25 मार्च को धूलंडी का कार्यक्रम के आयोजन के लिए चर्चा कि गई। साथ ही अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई। सभा में मानद अध्यक्ष कमलकिशोर अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य सुनीलकुमार अग्रवाल, मंत्री मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष जयदीप गुप्ता, कोषाध्यक्ष अरविंद अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, विनोद टिकमाजी, विजय गुप्ता, पवन मोदी, सुभाष अग्रवाल, संजय गुप्ता, रमेश कुमार अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सोहेल का हत्यारोपी गिरफ्तार

पुलिस रिमांड पर भेजा गया

भैंसा, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में शनिवार की रात हुई सैयद सोहेल अहमद (26) की हत्या मामले में टाउन पुलिस थाने के सीआई व पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। रविवार को उनके कार्यालय परिसर में प्रेस वार्ता में एएसपी कांतिलाल पाटिल ने उक्त जानकारी दी।

बताई गई जानकारी अनुसार नई आबादी के अब्दुल जुबैर नगर निगम में इलेक्ट्रीशियन के पद पर कार्यरत हैं। ओवेसी नगर इलाके के रहने वाले दोस्त सोहेल से पैसे को लेकर विवाद हो गया था। इसी महीने की 8 तारीख को दोनों के बीच झगड़ा हो गया और मारपीट हो गई। इसके साथ ही दोनों परिवारों ने बुजुर्गों के साथ समझौता कर लिया। इससे झगड़ा शांत हुआ और मित्रता स्थापित हुई। शनिवार की शाम जब आरोपी अब्दुल जुबैर ओवेसी नगर स्थित सोहेल के घर गया तो वह घर पर नहीं था। यह जानते हुए कि वह कहां है, वह बस स्टैंड के पास एक होटल में गया और सोहेल से मिला वे दोनों जुबैर के दोपहिया वाहन पर ओवेसी नगर की ओर जा रहे थे और जब वे साई कॉटन फैक्ट्री तक पहुंचे, तो दोनों में फिर से झगड़ा हो गया। क्षण भर के लिए क्रोधित हुए अब्दुल जुबैर ने सोहेल पर पेचकस से वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल सोहेल को क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया और बेहतर इलाज के लिए निज़ामाबाद ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई।

एएसपी कांतिलाल पाटिल ने बताया कि हत्या में प्रयुक्त टेस्टर, दोपहिया वाहन और सेल फोन जब्त कर लिया गया है। मामले की पूरी जांच की जायेगी। दोनों पहले भी कई मामलों में आरोपित रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ पीडी एक्ट के मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने दस घंटे के अंदर केस सुलझाने पर सीआई डी राजा रेड्डी को बधाई दी।

क्रेडाई के प्रॉपर्टी शो में दिखा ब्रॅण्ड हैदराबाद का दम

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। क्रेडाई द्वारा हैदराबाद में आयोजित प्रॉपर्टी शो में लोगों ने ब्रॅण्ड हैदराबाद पर विश्वास जताते हुए बडी संख्या में डील्स् फाईनल की। हाईटेक्स में 8 से 10 मार्च के बीच हुए इस शो के 13 वे संस्करण के समापन समारोह में उपमुख्यमंत्री एम भट्टी विक्रमार्का, सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, एवं क्रेडाई के वरिष्ठ निदेशक उपस्थित थे। इस समय नेताओं ने कहा की, रियल इस्टेट क्षेत्र को राज्य सरकार द्वारा हर संभव मदद की जाएगी, क्यों की इसमें सबसे ज्यादा नोकरियां का निर्माण होती है। साथ ही राज्य का राजस्व बढाने के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान है।

शो में विविध गृह निर्माता कंपनीयों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स को लोगों ने बडी संख्या में भेट देकर जानकारी प्राप्त की और साईट विजीट कर बडी संख्या में डील फाईनल हुए। एकही छत के नीचे सभी सुविधाएं मिलने से घर खरिदने वालों के लिए यह असानी हुई और उन्होंने बढ चढकर खरिदारी की।

इस अवसर पर क्रेडाई के अध्यक्ष वी राजशेखर रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद हमेशाही प्रॉपर्टी शो के लिए एक अच्छा मंच रहा है। जहां सरकार और कंपनीयां लोगों तक राज्य में हो रहे विकास कार्यक्रमों को पहुंचाने अच्छा अवसर प्रदान करते हैं। हमने सिर्फ रेरा द्वारा मंजूरी दिए गए प्रोजेक्टस को ही इस शो में अनुमती दी थी। जिसका लोगों ने जमकर स्वागत किया।

अध्यक्ष एन जयदीप रेड्डी ने कहा की क्रेडाई हर साल बडी संख्या में प्रॉपर्टी शोज का आयोजन करता है। जिसमें विकासकों को उनके प्रोजेक्ट लोगों के सामने रखने का अच्छा अवसर प्रदान करता है। यह केवल विकासकों के लिए नही तो खरिदने वालों के लिए भी एक अच्छा अवसर प्रदान करता है। यहां के नेताओं की दूरदृष्टी के कारण शहर का विकास तेज गती से हो रहा है। सरकार और क्रेडाई ने साथ मिलकर जो प्रयास किए उनकी वजह से रियल इस्टेट क्षेत्र को काफी लाभ हुए हैं। साथ ही खरिददारों को विशेषतः महिलाओं ने सरकार द्वारा दिए जानेवाली स्टॅम्प ड्यूटी छुट का अच्छा लाभ उठाया है।

महासचिव बी जगन्नाथ राव ने अपने भाषण में सरकार के विकास नितियों और उनके द्वारा दिय गये सहयोग कि सराहना की। सरकार और लोगों के भरपूर प्रतिसाद के लिए उनके धन्यवाद दिए।

विश्व मंगल गौशाला पवनधरा में अमावस के अवसर पर भजन कार्यक्रम हुआ। जिसमें संत सुखराम दास महाराज, मोतीदास पीपाड, रविंद्र सिंह राजपुरोहित, शेर दास, लक्ष्मण सुथार, देवीलाल उपस्थित थे। इस अवसर पर गोपालदास बंसल, नेमीचंद जांगिड, सतीश कोम द्वारा हरे चारे की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में भोजन प्रसादी का वितरण भी किया गया और गायों को गोद लेने हेतू नाम दर्ज किए गएं। जिसमें पप्पूसिहं वस्तवा, रघुराम सीरवी, नारायण राम, हरी राम, प्रभु राम जाट, सुरेश देवासी, धर्माराम, बगदराम, देवाराम परिहरिया, खेताराम सीरवी, दानाराम, अमराराम, महेंद्र सिंह, नेमाराम सीरवी, किशनलाल देवासी, जसराज, तालुकाराम देवासी, संजाराम, हनुमान देवासी, नेमाराम, रामलाल, चेतन राम, जगदीश, प्रकाश, सुखदेव चौधरी, देवी सिंह, भंवरलाल सुथार, ओम एवं समाज के सदस्य उपस्थित थे।

बालाजी नगर स्थित श्रीनाथ समाज मंदिर में श्रीनाथ समाज सिकंदराबाद-हैदराबाद (तेलंगाना) के तत्वावधान में आयोजित महाशिवरात्रि के विशाल जागरण व महाप्रसादी कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करते हुए समस्त श्रीनाथ योगेश्वर बन्धु। अवसर पर दर्शन, भजनों व महाप्रसादी का लाभ लेते हुए अध्यक्ष राजू नाथ गुडा, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ, चम्पा नाथ, कोषाध्यक्ष मोती नाथ, सचिव भवानी नाथ, पदम नाथ व समाज बन्धु।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

टीएमसी ने 42...

मामले को लेकर वोटिंग हुई। इसमें बहुमत महुआ के खिलाफ रहा, जिसके बाद लोकसभा स्पीकर ने निष्कासन प्रस्ताव पास कर दिया। इसके बाद महुआ ने 15 दिसंबर को निष्कासन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई। फिलहाल मामला कोर्ट में चल रहा है।

ईसी की नियुक्ति...

हालांकि गोयल ने इस्तीफे के लिए निजी कारणों का हवाला दिया है। केंद्र ने उन्हें पद छोड़ने से रोकने की कोशिश की थी। गोयल की सेहत भी ठीक है। इसलिए खराब सेहत के कारण इस्तीफे की अटकलों को खारिज किया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयोग लोकसभा चुनावों की तैयारियों का जायजा लेने पश्चिम बंगाल गए थे।

गोयल ने पश्चिम बंगाल में तैयारियों से जुड़ी जानकारी देने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होने से इनकार कर दिया था। सूत्रों का कहना है कि दोनों के बीच गंभीर मतभेद हो गए थे। इसके बाद 5 मार्च को राजीव कुमार ने अकेले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी और कहा था कि खराब सेहत के चलते गोयल दिल्ली लौट गए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बीसीसीआई की नई स्कीम से खिलाड़ियों की खुली किस्मत

इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेला एक भी मैच, फिर बनेंगे करोड़पति

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने जैसे ही धर्मशाला में पांचवें टेस्ट मैच में इंग्लैंड को मात दी उसके कुछ ही देर बाद बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने टेस्ट क्रिकेटर्स के लिए एक स्कीम का ऐलान किया. इस स्कीम के तहत टेस्ट क्रिकेटरों की जेब अच्छी खासी भर जाएगी. बीसीसीआई ने हालांकि इसके लिए कुछ पैमाने भी तय किए हैं और जो खिलाड़ी उसमें फिट बैठते हैं उन पर जमकर पैसा बरसेगा.

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा ऐलान किया. टीम इंडिया ने धर्मशाला में जैसे ही इंग्लैंड को पांचवें टेस्ट मैच में पारी और 64 रनों से हरा दिया. इस जीत को कुछ ही समय हुआ था कि बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने एक्स पर एक पोस्ट किया जिसमें बताया कि बोर्ड 'टेस्ट क्रिकेट इनसेंटिव स्कीम' लेकर आ रहा है. इस स्कीम को लॉन्च करने का मतलब उन खिलाड़ियों को सम्मानित करना है जो टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता देते हैं. जय शाह ने बताया है कि ये स्कीम 2022-23 सीजन से लागू होगी. इससे ये भी साफ हो गया कि जो खिलाड़ी इस समय टीम में भी नहीं हैं उन्हें इसका फायदा मिलेगा. इनमें लंबे समय तक टीम

की बल्लेबाजी की धुरी रहे चेतेश्वर पुजारा और तेज गेंदबाज उमेश यादव शामिल हैं.

पुजारा किसी भी आईपीएल फ्रेंचाइजी का हिस्सा नहीं हैं. लेकिन इस स्कीम से उन्हें एक मोटी रकम मिलेगी. टेस्ट क्रिकेट स्कीम के तहत खिलाड़ियों को मैच फीस के अलावा बोनस मिलेगा. इस स्कीम के तहत अगर कोई खिलाड़ी एक सीजन के कुल मैचों में से 75 फीसदी या उससे ज्यादा में प्लेइंग-11 का हिस्सा रहा है तो उसे प्रति मैच 45 लाख रुपये फीस के अलावा अलग से मिलेंगे. वहीं जो खिलाड़ी 75 फीसदी मैचों में बेंच पर बैठ रहा उसे 22.5 लाख रुपये मिलेंगे. 50 फीसदी मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को 30 लाख रुपये और 50 फीसदी मैचों में बेंच पर बैठने वाले खिलाड़ियों को 15 लाख रुपये अलग से मिलेंगे. इससे कम मैचों के लिए ये स्कीम लागू नहीं होती है. यानी मैच फीस के अलावा भी खिलाड़ियों की जेब में पैसा आएगा बशर्ते वह पैमाने पर खरा उतरें

पुजारा और उमेश को कैसे होगा फायदा?

अब सवाल ये है कि इससे पुजारा और उमेश यादव को कैसे फायदा होगा. बीसीसीआई ने बताया कि ये स्कीम 2022-23 सीजन से लागू है. इस दौरान भारत ने छह टेस्ट मैच खेले. इस दौरान पुजारा ने सभी छह मैच खेले थे. ऐसे में उनको इन छह मैचों के लिए 15 लाख रुपये प्रति मैच के हिसाब से फीस तो मिलेगी ही. साथ ही इसके अलावा उन्हें प्रति मैच 45 लाख रुपये अलग से मिलेंगे. यानी पुजारा को पिछले सीजन के कुल 3.6 करोड़ रुपये मिलेंगे. 2022-23 सीजन में उमेश यादव ने चार मैच खेले थे, लेकिन वह सभी छह मैचों में टीम का हिस्सा रहे थे. ऐसे में उन्हें दो मैचों में प्लेइंग-11 में शामिल न होने पर भी 22.5 लाख रुपये प्रति मैच मिलेंगे. वहीं चार मैचों में प्लेइंग-11 का हिस्सा रहने के कारण 45 लाख प्रति मैच मिलेंगे. यानी उन्हें कुल 3 करोड़ रुपये मिलेंगे.

क्या है फीस का हिसाब-किताब

खिलाड़ियों को मिलने वाली मौजूदा फीस को देखा जाए तो प्लेइंग-11 का हिस्सा रहने वाले खिलाड़ियों को 15 लाख रुपये मिलते हैं. वहीं बेंच पर बैठने वाले खिलाड़ियों को 7.5 लाख रुपये मिलते हैं. वनडे में एक मैच खेलने के लिए खिलाड़ी को 6 लाख रुपये मिलते हैं तो वहीं बेंच पर बैठने वाले खिलाड़ियों को तीन लाख रुपये मिलते हैं. वहीं एक टी20 मैच के लिए खिलाड़ियों की तीन लाख रुपये मिलते हैं और बेंच पर बैठने वाले को 1.5 लाख रुपये मिलते हैं. इसके अलावा बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट के जरिए भी खिलाड़ियों को पैसा देती है. A+ कैटेगरी का हिस्सा खिलाड़ियों को सात करोड़ रुपये मिलते हैं. A कैटेगरी में आने वालों को पांच करोड़. बी ग्रेड में आने वाले खिलाड़ियों को तीन करोड़ और सी ग्रेड में आने वाले खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपये सालाना मिलते हैं.

ईशान-श्रेयस की 'सजा' पर पहली बार बोले राहुल द्रविड़

बताया टीम इंडिया में कैसा है दोनों का भविष्य?

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने पिछले महीने ही नए सीजन के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का ऐलान किया था, जिसमें ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिली थी. दोनों को ही डॉमेस्टिक क्रिकेट खेलने के बीसीसीआई का आदेश न मानने की सजा मिली थी और इसके बाद से ही इन दोनों बल्लेबाजों के भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं.

ईशान-श्रेयस की 'सजा' पर पहली बार बोले राहुल द्रविड़, बताया टीम इंडिया में कैसा है दोनों का भविष्य?

राहुल द्रविड़ ने कहा कि सेलेक्शन के लिए कॉन्ट्रेक्ट होना या नहीं होना मायने नहीं रखता.

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज निपट गई है और उम्मीदों के मुताबिक भारतीय टीम ने 5 मैचों की ये सीरीज जीत ली. धर्मशाला में खेले गए आखिरी मैच को एक पारी और 64 रनों से जीतने के साथ ही टीम इंडिया ने सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली. इस सीरीज के दौरान दोनों टीमों के बीच मैदान पर हुआ एक्शन तो जाहिर तौर पर चर्चा में रहा लेकिन साथ ही ईशान किशन और श्रेयस अय्यर के BCCI के सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट से बाहर होने के कारण भी सुर्खियों में रही. सीरीज जीत के बाद हेड कोच राहुल द्रविड़ ने पहली बार दोनों

खिलाड़ियों के कॉन्ट्रेक्ट और भविष्य को लेकर अपना जवाब दिया.

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले टीम से अपना नाम वापस लेने के बाद से ही युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन की टीम इंडिया में वापसी नहीं हुई है. कोच राहुल द्रविड़ ने टेस्ट सीरीज से पहले ईशान को संदेश दिया था कि वो डॉमेस्टिक क्रिकेट खेलें और सेलेक्शन के लिए अवेलेबल रहें. ईशान ने ऐसा नहीं किया. वहीं श्रेयस अय्यर को टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के बाद ड्रॉप कर दिया गया था. फिर बोर्ड सचिव जय शाह ने भी रणजी ट्रॉफी खेलने की हिदायत दी थी लेकिन दोनों ही खिलाड़ियों ने ये बात नहीं मानी और फिर उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट से बाहर कर दिया गया.

कैसा है टीम इंडिया में भविष्य?

धर्मशाला टेस्ट मैच के तीसरे दिन ही जीत के बाद कोच राहुल द्रविड़ से प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन दोनों खिलाड़ियों को लेकर सवाल किया गया. भारतीय कोच ने साफ कर दिया कि दोनों खिलाड़ी अभी भी टीम इंडिया की योजना का हिस्सा हैं. द्रविड़ ने कहा कि वो हमेशा स्कीम ऑफ थिंग्स का हिस्सा हैं और जो भी डॉमेस्टिक क्रिकेट खेलेगा, वो हमेशा ही टीम का हिस्सा रहेगा. द्रविड़ ने फिर सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट पर हुए फैसले में अपनी भूमिका से पूरी तरह इनकार कर दिया.

कॉन्ट्रेक्ट पर कही ये बात

कोच ने कहा कि किस खिलाड़ी को कॉन्ट्रेक्ट मिलेगा, ये फैसला वो नहीं लेते बल्कि बोर्ड और सेलेक्टर्स तय करते हैं. राहुल द्रविड़ ने तो ये तक बोल दिया कि उन्हें कॉन्ट्रेक्ट बांटे जाने का पैमाना भी नहीं पता. द्रविड़ ने बताया कि 15 खिलाड़ियों के स्क्वॉड को सेलेक्ट करने पर उनकी राय ली जाती है और फिर कप्तान रोहित शर्मा के साथ मिलकर वो प्लेइंग इलेवन पर फैसला लेते हैं. भारतीय कोच ने ये भी साफ किया कि किसी खिलाड़ी का सेलेक्शन कॉन्ट्रेक्ट के होने या नहीं होने पर निर्भर नहीं करता.

27 गेंदें जिस पर हरमनप्रीत कौर ने सिर्फ बल्ला चलाया

डब्ल्यूपीएल में इतिहास रचते हुए मुंबई इंडियंस को प्लेऑफ में पहुंचाया

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस डब्ल्यूपीएल 2024 के प्ले ऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है. मुंबई इंडियंस के इस कामयाबी में उसके कप्तान हरमनप्रीत कौर का बड़ा हाथ है, जिन्होंने डब्ल्यूपीएल में इतिहास रचा है. मुंबई इंडियंस लीग की डिफेंडिंग चैंपियन भी है.

खूब लड़ी तूफानी, हाथों में थामे मुंबई इंडियंस की कप्तानी. हरमनप्रीत कौर को लेकर ऐसा कहना गलत नहीं होगा. आखिर डब्ल्यूपीएल 2024 की पिच पर 9 मार्च की शाम खेले मैच में उन्होंने बल्ले से कमाल ही कुछ ऐसा किया है. मुकाबला दिल्ली में था पर क्रिकेट फैंस का दिल जीत रही थीं मुंबई इंडियंस की कप्तान. अपने बल्ले से उन्होंने ऐसी जोर आजमाइश दिखाई कि उसे देखकर यकीनन किसी को भी मजा आ गया होगा. वो कहते हैं ना हार के जबड़े से जीत को छिन लाना. बिल्कुल वही काम इस कप्तान ने अपनी टीम के लिए किया है. अब जब कप्तान ही ऐसे लड़ेगा तो टीम को तो प्लेऑफ खेलने का टिकट मिलेगा ही, सो मुंबई इंडियंस इस सीजन नॉकआउट में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई.

मुंबई इंडियंस का ये मैच गुजरात जायंट्स के साथ था. हाई स्कोरिंग इस मैच में मुंबई इंडियंस ने गुजरात जायंट्स को 7 विकेट से हराया. हालांकि, ये जीत मुंबई को नहीं मिलती अगर हरमनप्रीत कौर ने बल्लेबाजी के दौरान अपने तेवर नहीं बदले होते. उन्होंने तेवर बदला और उधर मैच का गियर चेंज हुआ. नतीजा गुजरात जायंट्स

से मिला 191 रन का बड़ा लक्ष्य 1 गेंद पहले ही चेज हो गया.

हरमनप्रीत ने तेवर बदला, मैच का गियर पलटा

अब आप सोच रहे होंगे कि हरमनप्रीत का तेवर और मैच का गियर कैसे बदला? तो ये सब देखने को मिला आखिर के 6 ओवर में, जब मुंबई इंडियंस को जीत के लिए 91 रन बनाने थे. उस वक्त तक हरमनप्रीत 21 गेंदों पर 20 रन बनाकर खेल रही थीं. यानी गेंदें ज्यादा खेल रखी थी और रन कम थे. लेकिन, उसके बाद जो हुआ उसने दिल्ली के मैदान पर बैठे हर एक क्रिकेट फैन को झूमाकर रख दिया. हरमनप्रीत कौर के बल्ले से ऐसा विस्फोट देखने को मिला, जैसा शायद डब्ल्यूपीएल के इतिहास में पहले नहीं देखा गया था.

हरमनप्रीत कौर ने 27 गेंदों पर जोड़े 75* रन

हरमनप्रीत कौर ने आगे किया क्या? जानना चाहेंगे. तो उन्होंने अपनी इनिंग की अगली 27 गेंदों पर 75 रन और जोड़ दिए. मतलब एक वक्त 21 गेंदों पर 20 रन बनाकर खेल रही हरमनप्रीत कौर का स्कोर अब 48 गेंदों पर नाबाद 95 रन हो गया और इसी के साथ उन्होंने ना सिर्फ WPL में इतिहास रचा बल्कि अपनी टीम मुंबई इंडियंस को जीत भी दिला दी. इतिहास ये रचा कि हरमनप्रीत कौर पहली ऐसी बल्लेबाज बन गई, जिन्होंने डब्ल्यूपीएल में 500 प्लस रन पूरे किए.

27 गेंदों पर सिर्फ बल्ला चलाया

हरमनप्रीत कौर ने बल्ला चलाते हुए अगली 27 गेंदों की स्क्रिप्ट कुछ ऐसे लिखी- 6, 2, 4, 4, 2, 1, 1, 0, 4, 1, 4, 1, 1, 4, 0, 6, 4, 4, 6, 6, 1, 0, 1, 6, 4, 1, और 1. मतलब अपनी इनिंग में जो 5 छक्के जड़े वो इन्हीं 27 गेंदों पर किए विस्फोट के दरम्यान आए.

भारतीय पैरालंपिक कमिटी के अध्यक्ष बने देवेंद्र झाझरिया, पहले ही दिन बताया अपना एक्शन प्लान

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय एथलीट देवेंद्र झाझरिया को भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) का नया अध्यक्ष चुना गया है। पैरालंपिक में दो स्वर्ण और एक रजत सहित तीन पदक हासिल करने वाले 42 वर्षीय भाला फेंक खिलाड़ी को संगठन के शीर्ष पद के लिए चुना गया और उन्होंने पैरालंपिक रजत पदक विजेता दीपा मलिक से पद संभाला। खेल मंत्रालय ने इस साल फरवरी में पीसीआई की सरकारी मान्यता निलंबित कर दी थी क्योंकि पीसीआई की कार्यकारी समिति का कार्यकाल समाप्त होने के बाद चुनाव कराने में विलंब हुआ था और उसने दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया था।

खेल मंत्रालय ने कहा था कि पीसीआई का 28 मार्च को चुनाव कराने का फैसला जानबूझकर

और बिना किसी वैध कारण के किया गया है। निलंबन के बाद पीसीआई ने घोषणा की कि चुनाव नौ मार्च को नई दिल्ली में होंगे। खेल मंत्रालय ने पिछले मंगलवार को भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) का निलंबन तुरंत प्रभाव से हटा दिया था।

खेल मंत्रालय ने भारतीय पैरालंपिक समिति को लिखे पत्र में कहा है कि निलंबन के मुख्य आधार पर विचार किया जा रहा है और पीसीआई इस महीने के आखिर में 2024 विश्व निशानेबाजी पैरा खेल विश्व कप की मेजबानी करेगा। पैरालंपिक कमेटी के अध्यक्ष बनने के तुरंत बाद देवेंद्र ने कहा, 'हम जमीनी स्तर पर जाकर जूनियर प्रोग्राम शुरू करेंगे। हमारे सभी राज्यों में कुल 700 जिले हैं और हमें उनमें जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत है। हम सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को चुनेंगे और उन्हें राज्य स्तर पर और फिर राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका देंगे। इसके बाद वे वैश्विक मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। आगामी पैरालंपिक में हमारा लक्ष्य 30+ पदक का है।'

जिस दिन ऐसा हुआ, रोहित शर्मा कर देंगे संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को पहला टेस्ट मैच हारने के बाद भी सीरीज में 4-1 से हरा दिया. धर्मशाला में खेले गए आखिरी टेस्ट में भारत ने एक पारी और 64 रनों से जीत दर्ज की. टीम इंडिया की इस दमदार जीत में खुद कप्तान रोहित ने अच्छा योगदान दिया. उन्होंने इस सीरीज में 2 शानदार शतक लगाए.

भारतीय जमीन पर टेस्ट सीरीज जीतना अभी भी विदेशी टीमों के लिए लगभग असंभव सा ही लक्ष्य बना हुआ है. इसकी ताजा शिकार हुई है बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लैंड, जिसे टीम इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज में 4-1 से हरा दिया. सीरीज के पहले ही मैच में हारने के बाद टीम इंडिया ने

वापसी करते हुए अगले चारों मैच जीत लिए. रोहित शर्मा की कप्तानी में धर्मशाला में हुए आखिरी टेस्ट में टीम इंडिया ने बड़ी जीत दर्ज की. इधर टीम इंडिया चैंपियन बनी, उधर रोहित शर्मा का क्रिकेट से संन्यास पर बयान चर्चा का विषय बन गया.

संन्यास के सवाल पर क्या बोले रोहित?

असल में ये इंटरव्यू टेस्ट सीरीज शुरू होने से ठीक पहले 24 जनवरी को पहली बार सामने आया था. सीरीज के ब्रॉडकास्टर जियो सिनेमा के लिए पूर्व भारतीय विकेटकीपर दिनेश कार्तिक ने कप्तान रोहित का ये इंटरव्यू किया था. इसमें जब गेम से रिटायर होने पर बात हुई तो स्टार बल्लेबाज ने बताया कि किस दिन को क्रिकेट छोड़ देंगे. रोहित ने कहा कि अगर किसी दिन उठकर उन्हें ऐसा लगा कि वो अब (खेलने के) लायक नहीं हैं, तो खुलकर बोलेंगे और सबको बता देंगे.

अप्रैल में 37 साल के होने जा रहे रोहित ने हालांकि ये भी साफ किया कि फिलहाल उनका ऐसा कोई इरादा नहीं है क्योंकि पिछले 2-3 सालों में वो अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेल रहे हैं और उनका गेम भी पहले से बेहतर ही हुआ है. अब युवा खिलाड़ियों के साथ टीम को टेस्ट सीरीज जिताने और खुद 2 शतक लगाकर अहम योगदान देने के बाद रोहित की आगे खेलते रहने की इच्छा और बढ़ गई होगी. ऐसे में भारतीय फैंस को इस स्टार ओपनर को गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते देखने का मौका आगे भी मिलता रहेगा.

ऋषभ पंत की वापसी पर बड़ा अपडेट

दिल्ली कैपिटल्स की बढ़ी मुश्किलें!

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 शुरू होने में अब दो सप्ताह से भी कम का समय बचा हुआ है। लेकिन अभी तक ऋषभ पंत को नेशनल क्रिकेट अकादमी से फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं मिला है। जिसके बाद दिल्ली कैपिटल्स की मुश्किलें बढ़ने लगी है।

आईपीएल 2024 में सभी की नजरें दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर टिकी है। वहीं अब ऋषभ पंत की वापसी को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। जिससे दिल्ली कैपिटल्स के फैंस को बड़ा झटका लग सकता है। बता दें, ऋषभ पंत कार एक्सीडेंट के बाद से क्रिकेट मैदान से दूर थे

लगभग एक साल से भी ज्यादा तक पंत ने क्रिकेट नहीं खेला था। ऐसे में अब ऋषभ पंत को क्रिकेट मैदान पर देखने के लिए हर कोई बेताब है।

चोट क चलते पंत पहले ही कई बड़े-बड़े टूर्नामेंट्स को मिस कर चुके हैं जिसके बाद अब फैंस नहीं चाहते हैं कि पंत आईपीएल 2024 को भी मिस करे।

पंत को एनसीए से नहीं मिली फिटनेस की मंजूरी

सर्जरी के बाद से ऋषभ पंत नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे हैं अपनी फिटनेस को हासिल करने के लिए पंत खूब मेहनत कर रहे हैं। आईपीएल 2024 का आगाज 22 मार्च से होने जा रहा है।

वहीं दिल्ली का कैपिटल्स अपने आईपीएल 2024 अभियान का आगाज 23 मार्च से करेगी। लेकिन अभी तक नेशनल क्रिकेट अकादमी ने ऋषभ पंत को फिट घोषित नहीं किया है। जिसके बाद अब दिल्ली कैपिटल्स की मुश्किलें बढ़ने लगी है।

नीरज चोपड़ा ने प्रतिभा पहचान कार्यक्रम का समर्थन किया, युवाओं के भविष्य पर कही बडी बात

नई दिल्ली, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने सरकार के राष्ट्रीय स्तर के खेल विकास कार्यक्रम कीर्ति का समर्थन करते हुए कहा कि इसमें देश के शैक्षणिक तंत्र में बड़े बदलाव लाने की क्षमता है। खेल मंत्रालय ने स्कूली बच्चों को ध्यान में रखते हुए जमीनी स्तर के प्रतिभा पहचान कार्यक्रम 'कीर्ति' को शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत प्रतिभा की पहचान करके उनके कौशल को निखारा जाएगा।

'भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा'

ओलंपिक और विश्व चैंपियन चोपड़ा ने कहा कि यह स्कूल

जाने वाले बच्चों के लिए मजबूत आधार होगा और इससे उनके भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा। साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) मीडिया के वीडियो में चोपड़ा ने कहा, 'हमें 13-14 आयु वर्ग के बच्चों को यह बताना होगा कि उन्हें खेल और शिक्षा दोनों पर ध्यान देने की जरूरत है। अगर स्कूल भी उनका समर्थन करके चीजों को संतुलित कर सकते हैं, तो यह बहुत अच्छा होगा।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इसमें (शिक्षा प्रणाली) बदलाव होना चाहिए ताकि खेल और शिक्षा दोनों के बीच संतुलन पैदा किया जा सके। यदि ऐसा होता है तो इससे हमारे देश में बड़ा बदलाव आएगा।'

आईपीएल 2024 से पहले सीएसके के लिए आई बड़ी खुशखबरी, फॉर्म में लौटा स्टार ऑलराउंडर

मुंबई, 10 मार्च (एजेंसियां)। भारत में आईपीएल 2024 को शुरू होने में काफी कम समय बचा हुआ है। 22 मार्च को डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का मैच रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ होगा। यह मैच येलो आर्मी के होम ग्राउंड चेपॉक स्टेडियम में खेला जाएगा, लेकिन उससे पहले सीएसके टीम के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ सीजन के फर्स्ट मैच से पहले चेन्नई सुपर किंग्स का स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी फॉर्म में लौट आया है। जिसके बाद सीएसके के फैंस के साथ-साथ कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी काफी खुश नजर आ रहे हैं।

शार्दुल ठाकुर ने रणजी ट्रॉफी में किया कमाल

आईपीएल 2024 से पहले मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी 2024 का फाइनल मुंबई बनाम विदर्भ के बीच खेला जा रहा है। फाइनल मैच में मुंबई की तरफ से नंबर 8 पर शार्दुल ठाकुर बल्लेबाजी के लिए आए थे। जिसके बाद उन्होंने 69 गेंदों पर 75 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। ठाकुर की इस पारी में 8 चौके और 3 सिक्स शामिल थे। इससे पहले सेमीफाइनल मैच में शार्दुल ठाकुर ने शतक जड़ा था। शार्दुल ठाकुर के फॉर्म को देखने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के फैंस काफी खुश दिखाई दे रहे हैं।

टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार का कर्मचारियों को मार्गदर्शन

शेष लंबित मुद्दों को सरकार के सहयोग से हल करने का वादा

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनर ने अपने कर्मचारियों के लिए 21 प्रतिशत फिटमेंट की घोषणा पर खुशी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर को विशेष धन्यवाद दिया। पिछले तीन माह से उच्च अधिकारियों ने आरटीसी कर्मचारियों के वेतन पुनरीक्षण आदि को लेकर काम किया है। इस अवसर पर कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रबंधन आरटीसी कर्मचारियों के कल्याण को बहुत महत्व दे रहा है और उन्होंने आश्वासन दिया कि संगठन राज्य सरकार और परिवहन मंत्री श्री पोन्नम के सहयोग से हर लंबित मुद्दे का समाधान करेगा। उन्होंने कहा कि पहले घोर अवसाद, निराशा और असुरक्षा थी। बैंक ऋण देने के लिए आगे नहीं आएंगे।

उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि अगर हम कर्मचारियों की हताशा को दूर कर उन्हें मानसिक न पीड़ा दें तो लगभग 50 प्रतिशत कठिनाइयां दूर हो सकती हैं।

बैंकों के सहयोग से संगठन ने वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए है।

उन्होंने बताया कि ग्रैंड हेल्थ चैलेंज के नाम पर 50,000 कर्मचारियों का मेडिकल चेकअप किया गया और इसकी वजह से हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित 300 लोगों को मरने से बचाया गया। इस वर्चुअल बैठक में सीवीओ डॉ. रविंदर, कार्यकारी निदेशक मुनिशेखर, कृष्णकांत, पुरूषोत्तम, वेंकटेश्वरलू, वित्त सलाहकार विजयपुष्फा, सीपीएम उषादेवी, सीटीएम (संचालन) जीवन प्रसाद, सीटीएम (वाणिज्यिक) श्रीधर और अन्य ने भाग लिया।

हरीश राव ने कहा मिलियन मार्च महत्वपूर्ण क्षण

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के विधायक टी. हरीश राव ने आज अलग तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान आयोजित ऐतिहासिक मिलियन मार्च कार्यक्रम की सालगिरह के अवसर पर ट्वीट किया। अपने ट्वीट में उन्होंने कहा कि मिलियन मार्च कार्यक्रम तेलंगाना आंदोलन में एक महत्वपूर्ण क्षण था, जो अपने गठन को हासिल करने के लिए उभरा। उन्होंने कहा कि जनक्रांति ने तेलंगाना आंदोलन को दुनिया के जनआंदोलनों के खिलाफ खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि जलमार्ग से नाव से आकर प्रतिबंधों, गिरफ्तारियों, बाधाओं का सामना करते हुए मिलियन मार्च में भाग लेने की घटना 13 साल बाद भी उनकी आंखों के सामने घूम रही है। उन्होंने कहा, अलग तेलंगाना राज्य की प्राप्ति के लिए उस दिन तेलंगाना के लोगों द्वारा दिखाए गए संघर्ष और आंदोलन की भावना को सलाम।

युवा कांग्रेस ने मैराथन रैली निकाली

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। युवा कांग्रेस स्पोर्ट्स सेल के तत्वावधान में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समर्थन में आज सुबह सात बजे जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के कृष्ण कांत पार्क से कोटला विजयभास्कर स्टेडियम तक मैराथन रैली में बड़ी संख्या में एथलीटों, छात्रों और युवाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। श्रीनिवास ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने देश में दो करोड़ नौकरियां देने का वादा करके बेरोजगारों को धोखा दिया है और निजीकरण के ऋण पर देश की सरकारी संपत्तियों को गुजराती कंपनियों को बेचने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने बेरोजगारों के लिए पांच गारंटी की घोषणा की है।

कार्यक्रम में निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी अजहरुद्दीन, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी, आयोजक असदुद्दीन, पूर्व महापौर डोंथु राममोहन रेड्डी, नगरसेवक, राजीव रेड्डी, रापरथी गोपी, अवेज़, युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए।

यादगिरिगुट्टा मंदिर में ब्रह्मोत्सव आज से

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यदागिरिगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में वार्षिक ब्रह्मोत्सव के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं, जो सोमवार से शुरू होगा। 21 मार्च तक चलने वाले ब्रह्मोत्सव की शुरूआत सोमवार को सुबह स्वस्ति वचनम और अन्य अनुष्ठानों के साथ होगी। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और मंत्री पहले दिन ब्रह्मोत्सवम समारोह में हिस्सा लेंगे। अनुष्ठान में हिस्सा लेने के बाद मुख्यमंत्री अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए भद्राचलम जाएंगे। इस बीच, अधिकारियों ने ब्रह्मोत्सव को भव्य पैमाने पर मनाने के लिए सभी व्यवस्थाएं कीं। इस विशेष अवसर पर न केवल दो तेलुगु राज्यों, बल्कि अन्य राज्यों से भी भक्तों के मंदिर में आने की उम्मीद है। ब्रह्मोत्सवम के हिस्से के रूप में, 17 मार्च को येदुरुकोलु की रस्म आयोजित की जाएगी, इसके बाद 18 मार्च को दिव्य विवाह और 19 मार्च को रथोत्सवम आयोजित किया जाएगा। 1.60 करोड़ रुपये के बजट के साथ ब्रह्मोत्सवम आयोजित करने की व्यवस्था की गई है। इसी तरह, पतगुट्टा लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में वार्षिक ब्रह्मोत्सव 19 फरवरी को शुरू होगा और 25 मार्च को समाप्त होगा।

पीसीसी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने संयुक्त महबूबनगर स्थानीय निकायों के एमएलसी उम्मीदवार के रूप में जीवन रेड्डी को बी-फॉर्म दिया।

चुनाव आयुक्त के इस्तीफे पर ओवैसी ने जताई चिंता

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयुक्त अरुण गोयल का इस्तीफा चौंकाने वाला है। उन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के हित में चुनाव आयुक्तों की चयन समिति की संरचना पर अपना विरोध दोहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के साथ 'स्पष्ट मतभेद' के कारण अरुण गोयल को इस्तीफा देना पड़ा।

लोकसभा में हैदराबाद का प्रतिनिधित्व करने वाले ओवैसी ने संसद में बिल लाए जाने की शुरुआत में ही कहा था कि सीईसी और ईसी नियुक्ति प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ है। एक प्रधानमंत्री होगा, दूसरा समिति सदस्य सरकार का मंत्री होगा और तीसरा विपक्ष का नेता होगा। यह स्पष्ट है कि सरकार अपने पसंदीदा व्यक्ति को ईसीआई और ईसी नियुक्त करेगी।

एआईएमआईएम प्रमुख ने देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने केंद्र के रुख को अहंकारी बताया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस धारणा के तहत थी कि उनके पास 300 सांसद हैं और उन्हें लगता है कि वे सुप्रीम कोर्ट

के फैसले के खिलाफ जा सकते हैं। यह कानून गलत है। जहां तक चुनाव आयोग के इस्तीफे की बात है तो अच्छा होगा कि वह या सरकार कारण बताए।

बीआरएस को झटका, कई प्रमुख नेता भाजपा में शामिल

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले बीआरएस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। उस पार्टी के चार प्रमुख नेता भाजपा में शामिल हो गए। पूर्व विधायक सैदिरेड्डी, जलगम वेंकटराव, पूर्व सांसद गोडेम नागेश और सीताराम नाइक बीजेपी में शामिल हो गए हैं। भाजपा प्रदेश प्रभारी तरूण चुग और लक्ष्मण ने उन्हें पार्टी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

हुजूरनगर उपचुनाव में विधायक के रूप में जीत हासिल करने वाले सैदिरेड्डी हाल के विधानसभा चुनाव में हार गए। सैदिरेड्डी को केटीआर के सबसे करीबी दोस्त के रूप में जाना जाता है। जलगम वेंकटराव खम्मम जिले के एक प्रमुख नेता हैं। उन्होंने बीआरएस पार्टी से खम्मम जिले से 2018 विधानसभा चुनाव जीता। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया। उससे असंतुष्ट होकर जलगम वेंकटराव बीजेपी में शामिल हो गए। पार्टी नेताओं का कहना है कि आने वाले दिनों में सिर्फ वे ही नहीं बल्कि कुछ अन्य नेता भी बीजेपी में शामिल होंगे।

सांसद लक्ष्मण ने बीआरएस नेताओं के बीजेपी में शामिल होने के मौके पर कहा कि तेलंगाना में बीआरएस का काम खत्म हो गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि वह तेलंगाना में पहले से अधिक संसद सीटें जीतेंगे।

और कई प्रमुख नेता पार्टी छोडने की तैयारी में ?

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राजनीति में अब तक सबसे मजबूत और ताकतवर पार्टी बनकर उभरी बीआरएस के नेता विधानसभा चुनाव में हार के बाद बगलें झांक रहे हैं। कई मौजूदा सांसद और प्रमुख नेता पहले ही पार्टी छोड़ चुके हैं। बाकी नेता भी बीआरएस छोड़ने की तैयारी में हैं। नलगोंडा जिले के एक प्रमुख नेता कांग्रेस पार्टी में शामिल होने जा रहे हैं। उनके साथ उनका बेटा भी कांग्रेस में शामिल होने जा रहा है। यह खबर अब तेलंगाना की राजनीति में चर्चा का विषय बन गई है।

गुत्ता सुखेंदर रेड्डी जो तेलंगाना राज्य के गठन के बाद कांग्रेस पार्टी में थे, बीआरएस पार्टी में शामिल हो गए। वह फिलहाल विधान परिषद के सभापति हैं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव से पहले यह प्रचार जोरों पर था कि गुत्ता सुखेंदर रेड्डी अपने बेटे के साथ कांग्रेस पार्टी में शामिल होंगे। इसके अलावा यह भी चर्चा थी कि उन्होंने अपने सभी समर्थकों को कांग्रेस में भेज दिया है। अब जब बीआरएस हार रही है, तो गुत्ता सुखेंदर रेड्डी और उनके बेटे अमित कुमार रेड्डी कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद पाला बदलने पर विचार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि पार्टी बदलने की चाहत रखने वाले गुत्ता परिवार ने हाल ही में मंत्री कोमट रेड्डी वेंकट रेड्डी से गुपचुप तरीके से मुलाकात की। अमित कुमार रेड्डी खुद कोमट रेड्डी के घर गए और उनसे मुलाकात की। दल-बदल के विषय पर चर्चा हुई। नलगोंडा सीट पहले ही जाना रेड्डी के बेटे रघुवीर रेड्डी को आवंटित की जा चुकी है। इसके साथ ही अमित कुमार रेड्डी के लिए सांसद के रूप में चुनाव लड़ने का कोई मौका नहीं है। वह चुनाव नहीं लड़ेंगे तो कोई बात नहीं, लेकिन उनका पार्टी बदलना तय है। गुत्ता सुखेंदर रेड्डी और उनके बेटे अमित के पार्टी बदलने का मुख्य कारण जगदीश रेड्डी हैं। दरअसल, गुत्ता सुखेंदर रेड्डी अपने बेटे अमित कुमार रेड्डी को एक राजनीतिक नेता के रूप में प्रचारित कर रहे हैं।

गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने चुनाव से पहले पिछले उपचुनाव में अमित को टिकट दिलाने की कोशिश की थी, लेकिन, जगदीश रेड्डी के दखलंदाजी के कारण कूसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी को टिकट दे दिया। इसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में गुत्ता परिवार ने टिकट पाने के लिए पुरजोर कोशिश की। लेकिन, फिर से सिटिंग कैंडिडेट्स को टिकट दे दिया गया।

अब नलगोंडा सांसद का टिकट पाने की उम्मीद कर रहे अमित रेड्डी को यहां निराशा हाथ लगी। दूसरी ओर, जगदीश रेड्डी ने हाल ही में घोषणा की कि वह कमजोर वर्ग के एक व्यक्ति को नलगोंडा सांसद उम्मीदवार के रूप में नामित करेंगे। इसके साथ ही अमित ने सांसद टिकट की उम्मीद छोड़ दी। एक अवसर पर उन्होंने अपने अनुयायियों से कहा कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे।

तेलंगाना सरकार 2,000 करोड़ रुपये खुले बाजार से उधार लेगी

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने प्रतिभूतियों की नीलामी के माध्यम से 2,000 करोड़ खुले बाजार से उधार लेने का निर्णय लिया है। सरकार ने इस आशय का एक मांगपत्र भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को सौंप दिया है, जो 12 मार्च को अपने कोर बैंकिंग समाधान ई-कुबेर प्लेटफॉर्म के माध्यम से नीलामी प्रक्रिया शुरू करेगा। इससे राज्य द्वारा उठाए गए 16 जनवरी से जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान 10,000 करोड़ कुल उधार को लिया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा अपनी उधार सीमा सीमित करने के बाद राज्य सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष के दौरान बाजार उधार और अन्य देनदारियों के माध्यम से 38,234 करोड़ रुपये जुटाने का अनुमान लगाया है। लेकिन, दिसंबर के अंत में राज्य की उधारी 36,000 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई थी।

दिसंबर में सत्ता संभालने वाली कांग्रेस सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए केंद्र के हस्तक्षेप की मांग करने का फैसला किया कि तत्काल वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए उधार की सीमा बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने जनवरी के दूसरे सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और उन्हें राज्य की वित्तीय स्थिति के बारे में बताया।

केंद्र सरकार ने बाद में राज्य को चौथी तिमाही के दौरान अतिरिक्त 9,000 करोड़ रुपये उधार लेने की अनुमति दी है। तदनुसार, राज्य सरकार ने 16 जनवरी से 5 मार्च तक पांच किश्तों में प्रतिभूतियों की नीलामी के माध्यम से 8,000 करोड़ जुटाए हैं। 12 मार्च को प्रस्तावित 2,000 करोड़ की बाजार उधारी के साथ, सरकार केंद्र द्वारा निर्धारित 9,000 करोड़ की अतिरिक्त उधारी की सीमा को पार कर जाएगी।

गर्मी के दौरान डिस्कॉम 24 घंटे बिजली आपूर्ति करने की स्थिति में : वरुण रेड्डी

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में बिजली की कमी के आरोपों का खंडन करते हुए, नॉर्दर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ऑफ तेलंगाना लिमिटेड (टीएसएनपीडीसीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कर्नाति वरुण रेड्डी ने रविवार को स्पष्ट किया कि डिस्कॉम गर्मियों के दौरान राज्य भर में निर्बाध बिजली आपूर्ति करने की स्थिति में हैं।

वरुण रेड्डी ने कहा कि डिस्कॉम द्वारा उठाए गए कदमों के कारण राज्य में बिजली ट्रांसफार्मर की विफलता में 23 प्रतिशत की कमी आई है। वास्तव में, उपभोक्ताओं को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण निर्बाध बिजली आपूर्ति के कारण, 8 मार्च को राज्य में 15,623 मेगावाट की रिकॉर्ड बिजली खपत दर्ज की गई, उन्होंने कहा कि बिजली अधिकारी और कर्मचारी निर्बाध गुणवत्ता वाली आपूर्ति प्रदान करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

सरकार ने महिला आरक्षण पर बीआरएस के दावों को झूठा बताया

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बदली हुई आरक्षण नीति के कारण तेलंगाना में भर्तियों में महिलाओं को उचित हिस्सेदारी नहीं मिलने के बीआरएस पार्टी के दावों पर पलटवार करते हुए सरकार ने कहा कि सत्ता में आने के बाद से उसने 28,942 पद भरे हैं और इनमें से 13,571 महिला उम्मीदवार हैं।

सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा यह अब तक भरी गई कुल रिक्तियों का 47 प्रतिशत है और इससे पता चलता है कि बीआरएस एमएलसी के. कविता और अन्य जो महिला आरक्षण पर घड़ियाली आंसू बहा रहे थे, उनके दावे कितने खोखले हैं। उन्होंने सरकार के दावों को सही ठहराते हुए कहा कि भरे गए 28,942 पदों में से 15,371 पुरुष और 13,571 महिला उम्मीदवार हैं।

अधिकारियों ने कहा कि 14,099 पुलिस कांस्टेबल और समकक्ष पदों में से 2,661 (19 प्रतिशत) महिलाएं थीं और चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग में भरे गए 6,956 स्टाफ नर्स पदों में से 6,133 (88 प्रतिशत) महिला उम्मीदवार थीं।

इसी तरह, सामाजिक कल्याण संस्थानों में भरे गए 7,800 शिक्षकों और जूनियर लेक्चरर पदों में से 4,741 (61 प्रतिशत) महिलाएं हैं। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) के माध्यम से भरे गए 87 पदों में से 36 पद (41 प्रतिशत) महिलाएं हैं। नए नियमों के सामने आने के बावजूद, अधिकारियों का कहना है कि महिला उम्मीदवार सेवाओं में शामिल होती रहीं, जैसा कि संख्याएं बताती हैं और यह विपक्षी दलों के दावों के विपरीत है।

अधिकारियों का दावा है कि महिला आरक्षण के संबंध में जीओ नंबर 3 रोस्टर बिंदुओं के बारे में उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार पिछली सरकार द्वारा 2022 में जारी मेमो नंबर 7953 के आधार पर जारी किया गया था। पिछली सरकार के समय से इसका पालन किया जा रहा है।

कांग्रेस पार्टी शुक्रवार को धरना चौक पर बीआरएस विधायक के. कविता के विरोध प्रदर्शन की ईमानदारी पर सवाल उठा रही है, जिसमें सरकार से यह सुनिश्चित करने की मांग की गई है कि महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें लंबवत रूप से आरक्षित हों। कविता को अपनी चुप्पी पर स्पष्टीकरण देना चाहिए जब उनके पिता केसीआर के पहले कार्यकाल में उनके मंत्रिमंडल में एक भी महिला को शामिल नहीं किया गया था। हम सिर्फ अदालत के आदेशों का पालन कर रहे हैं।

कविता ने पहले सरकार से महिला आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को चुनौती देने और प्रत्येक श्रेणी में रोस्टर प्वाइंट प्रणाली को खत्म करने के लिए कहा था, जिसके बारे में उन्होंने कहा था कि इससे महिलाओं को अवसर नहीं मिलेंगे। कांग्रेस अब कहती है कि आंकड़े खुद बोलते हैं।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी स्वयं भी सुर में शामिल हो गए जब उन्होंने सुश्री कविता का उपहास किया और उन्हें अपने पिता से विधानसभा सत्र में भाग लेने के लिए कहने का सुझाव दिया और सरकार पिछले तीन महीनों में भर्ती हुई सभी महिला उम्मीदवारों के आंकड़े और नाम देने के लिए तैयार थी। उन्होंने बीआरएस नेताओं पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकार में समूह-I के पेपर लीक होने के अलावा अन्य परीक्षाओं के पेपर लीक होने से महिलाओं सहित बेरोजगार युवाओं को कैसे ठगा हुआ महसूस हुआ।

शमशेर गंज स्थित शिव मंदिर गौशाला में अमावस्या के अवसर पर गाय को चारा खिलाते हुए गो भक्त।

गगन पहाड़ स्थित सत्यम शिवम सुंदरम गो निवास में अमावस्या के अवसर पर चारा खिलाते हुए गो भक्त।

तिरुमाला श्रीवारी सालाकटला महोत्सव 20 से 24 मार्च तक

तिरुमाला, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला में 20-24 मार्च तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से 8 बजे के बीच स्वामी पुष्करिणी में श्रीवारी सालाकटला तेप्पोत्सवम आयोजित किया जाएगा। राफ्ट महोत्सव के पहले दिन, 20 मार्च को, श्री रामचन्द्रमूर्ति, श्री सीता लक्ष्मण अंजनेय के साथ पुष्करिणी में तैरते हुए तीन चक्कर लगाएंगे और भक्तों को आशीर्वाद देंगे। दूसरे दिन 21 मार्च को श्रीकृष्ण स्वामी रुक्मिणी के साथ तीन बार बेड़ा पर भ्रमण करेंगे। तीसरे दिन, 22 मार्च को, श्री मलयप्पा स्वामी, श्रीदेवी और भूदेवी के साथ भक्तों को तीन बार पुष्करिणी में लपेटकर आशीर्वाद देते हैं। इसी तरह, श्री मलयप्पा स्वामी 23 मार्च को चौथे दिन पांच बार और 24 मार्च को अंतिम दिन सात बार भक्तों के दर्शन करेंगे। टीटीडी ने 20 और 21 मार्च को सहस्र दीपलंकार सेवा, 22, 23 और 24 मार्च को अर्जिता ब्रह्मोत्सवम और सहस्र दीपालंकार सेवाएं रद्द कर दी हैं।

दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन सिकंदराबाद और विशाखापट्टनम के बीच होगा

प्रधानमंत्री सिकंदराबाद से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे

हैदराबाद, 10 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे की वंदे भारत ट्रेन सेवा का गौरव-सिकंदराबाद और विशाखापट्टनम के बीच दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस और तेलंगाना से चौथी वंदे भारत एक्सप्रेस 12 मार्च से अपना परिचालन शुरू करने के लिए तैयार है। सिकंदराबाद स्टेशन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई जाएगी। ट्रेन का संचालन सिकंदराबाद स्टेशन से विशाखापट्टनम तक किया जाएगा। दो तेलुगु राज्यों को जोड़ने वाली मौजूदा वंदे भारत ट्रेन सौ प्रतिशत से अधिक यात्रियों के साथ लगातार चल रही है। इन यात्रियों के लाभ के लिए, अब उसी रूट और समान स्टॉपेज पर एक अतिरिक्त वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन

शुरू की जा रही है। ट्रेन की नियमित सेवा 13 मार्च से शुरू होगी। विशाखापट्टनम से सिकंदराबाद 15 मार्च, 2024 (शुक्रवार) से सिकंदराबाद से विशाखापट्टनम के लिए बुकिंग 12 मार्च से शुरू होगी। ट्रेन संख्या 20707 सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम सिकंदराबाद से भोर में 5.05 बजे प्रस्थान करेगी और दोपहर 1.50 बजे विशाखापट्टनम पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 20708 विशाखापट्टनम-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस दोपहर 2.35 बजे प्रस्थान करेगी और रात 11.20 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। बीच में, ट्रेन दोनों दिशाओं में वारंगल, खम्मम, विजयवाड़ा, राजमंड्री और सामलकोट रेलवे स्टेशनों पर रुकती है। ट्रेन में 530 यात्रियों की क्षमता वाले सात एसी चेयर कार कोच और एक एक्सक्युटिव कोच एसी चेयर कार कोच शामिल हैं।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.eT-East-WAT-06-2024, दिनांक : 05.03.2024

कार्य का नाम: सहायक मण्डल अभियन्ता/विजयनगरम के अधिकार क्षेत्र के अधीन मेन (Main) लाइन एवं RV लाइन में समपार में सड़क ऊपरी परत (BT) की मरम्मत।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 1,82,85,268.88, EMD(रुपये में): 2,41,400/-।

(2) सूचना सं.eT-East-WAT-07-2024, दिनांक : 05.03.2024

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता/विजयनगरम के अधिकार क्षेत्र के अधीन (Main) लाइन पर विजयनगरम स्थित न्यू कॉलोनी में कम्पाउंड वॉल, चेन लिंक फेन्सिंग एवं दो पहिया पार्किंग शेड के प्रावधान के साथ स्टाफ क्वार्टर के उन्नयन सहित रुफ रिसाव की मरम्मत।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 89,70,704.79, EMD(रुपये में) : 1,79,400/-।

कार्य पूरा होने की अवधि: 12 महीने (दोनों निविदा हेतु)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 28.03.2024 को 1500 बजे (दोनों निविदा हेतु)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-1162/O/23-24

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.